{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 21 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 04 विक्रम सवत 2083
वर्ष 16, अंक 236
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	75,315.04
निफ्टी	-	23,649.95
सोना	-	1,56,220
चांदी	-	2,90,000
डॉलर	-	96.32

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

35 करोड़ की ड्रग्स बरामद, 8 गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 35 करोड़ रुपए कीमत की एमडीएमए ड्रग्स जब्त की है। इस मामले में तीन विदेशी नागरिकों समेत कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों के पास से 17.5 किलोग्राम एमडीएमए और दो कारें बरामद की गई हैं। यह ड्रग्स शहर के अलग-अलग हिस्सों में सप्लाई की जा रही थी।

सोनप्रयाग-गौरीकुंड मार्ग पर भूस्खलन

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा के दौरान बीती रात्रि हुई तेज बारिश के कारण सोनप्रयाग-गौरीकुंड मार्ग पर तीन स्थानों पर भूस्खलन होने से यात्रा मार्ग अवरुद्ध हो गया। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, एनडीआरएफ, फ, पुलिस एवं अन्य राहत टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से घटनास्थल का जायजा लिया। लगातार स्थिति पर नजर बनाते हुए मौके पर मौजूद अधिकारियों से पल-पल की जानकारी लेते रहे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रा मार्ग को जल्द से जल्द सुचारु किया जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रशासन की टीमों ने कठिन परिस्थितियों के बीच 30 मिनट में मार्ग को पैदल यात्रियों के लिए खोल दिया और यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का कार्य किया। रातभर चले अभियान के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार निगरानी और राहत कार्य संचालित किए गए।

मिड-डे-मिल का खाना खाकर 36 से ज्यादा बच्चे बीमार

नालन्दा। नालंदा में बुधवार को मिड-डे-मिल का खाना खाकर 36 से अधिक बच्चे बीमार हो गए। खाना खाने के थोड़ी ही देर बाद सभी को उल्टी, दस्त और चक्कर आने लगे। कई तो बेहोश होने लगे। तुरंत बच्चों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नगरनौसा में भर्ती कराया गया। जहां इलाज जारी है। कुछ बच्चों की स्थिति गंभीर है, उन्हें बड़ी रेफरल अस्पताल भेजा गया है। 5वीं कक्षा की छात्रा अमृता कुमारी ने बताया कि खाने में चावल और चने (बूट) की सब्जी परोसी गई थी। खाने में दवा की एक गोली मिली थी। मामला नगरनौसा प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय कला कैला का है। छात्राओं ने कहा कि रोज की तरह बच्चों से पहले शिक्षकों ने भोजन को नहीं चखा था। हालांकि, बाद में अमरेश सर नामक एक शिक्षक ने खाना खाया था, जिसके बाद उन्हें भी चक्कर आने लगा और वे भी इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे।

लगातार टूटते रुपये ने बढ़ाई सरकार की धड़कने

देश का पैसा बचाने के लिए सरकार ने बनाया मास्टरप्लान

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपये की लगातार गिरती साख ने सरकार के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। डॉलर के मुकाबले रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने के बाद अब केंद्र सरकार पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गई है। देश के भारी-भरकम आयात बिल को कंट्रोल करने के लिए सरकार उन विदेशी सामानों के आयात पर नकेल कसने की तैयारी कर रही है, जिनकी भारत को खास जरूरत नहीं है या जिनका उत्पादन हम अपने ही देश में आसानी से कर सकते हैं। यह कदम न सिर्फ रुपये की सेहत सुधारेगा, बल्कि देश के भीतर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए भी एक बड़ी संजीवनी साबित होगा।

मंगलवार को डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 96.5 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ, जबकि सोमवार को यह आंकड़ा 96.34 पर था। रुपये की इस कमजोरी का सीधा असर देश के व्यापार घाटे (ट्रेड डेफिसिट) पर साफ देखा जा सकता है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल महीने में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 28.4 अरब डॉलर हो गया है, जो मार्च में 20.7 अरब डॉलर था। विदेशी निवेश में छाई सुस्ती के बीच देश से बाहर जा रहे पैसे ने भुगतान संतुलन (बैलेंस ऑफ पेमेंट्स) को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। अगर हम यूं ही लगातार ज्यादा पैसा विदेशों में भेजते रहे, तो हमारी पूरी अर्थव्यवस्था पर इसका सीधा और नकारात्मक दबाव पड़ेगा, जिसका खमियाजा आम आदमी को महंगाई के रूप में चुकाना पड़ सकता है।

गैर-जरूरी विदेशी सामानों पर जल्द गिरेगी गाज

अर्थव्यवस्था को इस बढ़ते दबाव से निकालने के लिए अगले हफ्ते एक उच्च स्तरीय अंतर-मंत्रालयी बैठक होने जा रही है। इस अहम बैठक में वित्त, वाणिज्य समेत कई प्रमुख बुनियादी ढांचा मंत्रालयों के शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। इस दौरान पश्चिमी एशिया के मौजूदा संकट के बीच आयात बिल घटाने और राजस्व बढ़ाने के त्वरित विकल्पों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि देश में कई ऐसे उत्पादों का धड़ल्ले से आयात हो रहा है, जिनका पर्याप्त उत्पादन भारत में ही होता है। ऐसे गैर-जरूरी आयात से रुपये पर बेवजह भारी बोझ पड़ रहा है। हालात की नजाकत को देखते हुए सरकार ऐसे सामानों पर या तो कस्टम ड्यूटी बढ़ा सकती है या फिर उनके आयात पर सीधे तौर पर कुछ सख्त पाबंदियां लगा सकती है।

लोकल मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगा बड़ा बूस्ट

सरकार की रणनीति एकदम साफ है कि जब कोई सामान देश में बन सकता है, तो उसे विदेशों से क्यों मंगाया जाए? हाल ही में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी आयातकों को साफ संदेश दिया था कि वे उन उत्पादों को विदेश से लाने से बचें, जिन्हें घरेलू बाजार से ही खरीदा जा सकता है। उन्होंने आयातकों को भारत में ही निर्माण की संभावनाएं तलाशने की सलाह दी थी। सरकार अब सस्ते लेकिन घटिया क्वालिटी वाले विदेशी सामानों की एंट्री पूरी तरह से रोकने जा रही है। इसके लिए सभी मंत्रालयों से उन उत्पादों की लिस्ट तैयार करने को कहा गया है, जिन पर बैन लगाया जा सकता है। आपको बता दें कि सरकार ने पिछले हफ्ते ही सोने के बढ़ते आयात बिल को थामने के लिए कस्टम ड्यूटी में भारी इजाफा किया था।

सप्लाई चेन बिना रोके होगा बड़ा बदलाव

हालांकि, यह पूरी प्रक्रिया आनन-फानन में नहीं होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने साफ किया है कि कोई भी नया प्रतिबंध बेहद सोच-समझकर और एक तय समय सीमा के भीतर लागू किया जाएगा। इस बात का खास ख्याल रखा जाएगा कि किसी भी जरूरी वस्तु या घरेलू मैन्युफैक्चरिंग की क्रिटिकल सप्लाई चेन पर इसका कोई बुरा असर न पड़े। कुल मिलाकर सरकार का अंतिम लक्ष्य आयात को सीमित करके रुपये को सहारा देना है। इससे भारत में ही उत्पादन बढ़ेगा, रोजगार के नए मौके पैदा होंगे और घरेलू उद्योग को वो रफ्तार मिलेगी जिसकी उसे सख्त जरूरत है।

खेतों से थाली तक बढ़ सकती है मुश्किल

प्रशांत महासागर के गर्भ में पनप रही गर्मी ने दुनिया भर के मौसम वैज्ञानिकों और किसानों की चिंता बढ़ा दी है। अमेरिकी वैज्ञानिकों के अनुसार मई से जुलाई के बीच अल नीनो के बनने की संभावना 82 फीसदी है, जबकि इसके सर्दियों तक बने रहने की संभावना 96 फीसदी बताई गई है। यह ऐसे समय सामने आया है, जब भारत में पहले ही कमजोर मानसून की आशंका जताई जा रही है। प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय हिस्से में समुद्र की सतह और उसके नीचे लगातार बढ़ती गर्मी संकेत दे रही है कि अल नीनो जल्द सक्रिय हो सकता है। यह घटना केवल समुद्र तक सीमित नहीं रहती, बल्कि दुनिया भर के मौसम चक्र को प्रभावित करती है। यह मौसमी घटना न केवल वैश्विक तापमान को बढ़ाएगी, बल्कि भारतीय मानसून के चरित्र को भी बदल सकती है। भारत जैसे देशों में इसका असर कम बारिश, सूखे, फसल नुकसान और बढ़ती खाद्य कीमतों के रूप में दिख सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि 2026 की दूसरी छमाही में एशिया में ज्यादा गर्म और शुष्क मौसम देखने को मिल सकता है। इसका सबसे बड़ा असर खेती पर पड़ेगा। धान जैसी फसलों की पैदावार घट सकती है। किसानों के सामने पहले से महंगे उर्वरक और ईंधन की समस्या है, ऐसे में मौसम की मार संकट को और गहरा कर सकती है। भारत जैसे देशों के लिए, यह चेतावनी अहम है क्योंकि भारतीय मानसून पर अल नीनो का सीधा असर पड़ता है। कमजोर मानसून से खेती, जल भंडार और खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा: क्या मप्र लोकायुक्त खुफिया संगठन है, जिसे आरटीआई से छूट दी?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश लोकायुक्त संगठन को सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम से मिली छूट पर गंभीर सवाल उठा दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जानना चाहा है कि क्या यह कोई खुफिया या सुरक्षा संगठन है, इसकारण लोकायुक्त संगठन को आरटीआई कानून 2005 की धारा 24(4) के तहत छूट दी जा सकती है। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टि सई की पीठ ने पाया कि मध्यप्रदेश सरकार रिकॉर्ड पर ऐसा कोई तथ्य पेश करने में विफल रही, जिससे साबित हो कि लोकायुक्त संगठन एक खुफिया या सुरक्षा एजेंसी है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस तरह के स्पष्टीकरण के अभाव में, 2011 में जारी की गई छूट संबंधी अधिसूचना आरटीआई कानून की मूल भावना के विपरीत और कानूनी आधार में कमजोर प्रतीत होती है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश सरकार के वकीलों के रवैये पर गहरी नाराजगी जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि अक्सर मध्यप्रदेश से जुड़े मामलों में सरकारी वकील मौजूद नहीं रहते। इस मामले में भी बहस खत्म होने के बाद बुलाए जाने पर वकीलों ने केस की पूरी जानकारी होने से इंकार किया। इस गंभीर स्थिति को देखकर सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव और महाधिवक्ता को नोटिस जारी किया है। इसकी एक प्रति प्रदेश के लॉ सेक्रेटरी को भी भेजी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी वकीलों के पैनल की समीक्षा करने को कहा है, ताकि अदालत में प्रभावी प्रतिनिधित्व नहीं करने वाले वकीलों पर निर्णय हो सके। गौरतलब है कि हाईकोर्ट पहले ही लोकायुक्त को 30 दिन में जानकारी देने और 5 हजार रुपये का जुर्माना भरने का आदेश दे चुका है।

ममता बनर्जी का बड़ा दावा : दिल्ली की सत्ता से जल्द हटेगी भाजपा सरकार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। कालीघाट स्थित अपने आवास पर पार्टी विधायकों की बैठक को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि आने वाले दिनों में भाजपा को केंद्र की सत्ता से हटा दिया जाएगा। राज्य के हालिया विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज की है, जिसके साथ ही राज्य में पिछले 15 सालों से चला आ रहा तृणमूल कांग्रेस का शासन समाप्त हो गया है। इस हार के बाद भी टीएमसी नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा के खिलाफ उनकी राजनीतिक लड़ाई जारी रहेगी।

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य में नई सरकार के आने के बाद से अल्पसंख्यक समुदायों और सड़क किनारे दुकान लगाने वाले हॉकर्स को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तथाकथित तानाशाही और बुलडोजर संस्कृति के कारण जनता में रोष बढ़ेगा, जो अंततः केंद्र की सरकार को सत्ता से बाहर कर देगा। इसके विरोध में टीएमसी ने कोलकाता, बालीगंज, हावड़ा जंक्शन और सियालदह रेलवे स्टेशन के आसपास बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू करने की घोषणा की है। उन्हें उम्मीद है कि यह जन-आंदोलन भाजपा के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी माहौल तैयार करेगा।

बैठक में टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी वर्तमान मुख्यमंत्री पर सीधा हमला बोला। उन्होंने साफ किया कि केंद्रीय एजेंसियों के नोटिस या दंडात्मक कार्रवाइयों के आगे वे झुकने वाले नहीं हैं और भाजपा के खिलाफ उनका संघर्ष जारी रहेगा।

दूसरी तरफ, चुनाव के नतीजे आने के बाद राज्य के कई हिस्सों से हिंसा, आगजनी और झड़पों की खबरें आई हैं। इस मामले में टीएमसी ने कानूनी रास्ता अपनाते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि चुनाव परिणामों के बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं और उनके कार्यालयों को निशाना बनाया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए ममता बनर्जी खुद वकील की पोशाक पहनकर कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की अदालत में पेश हुईं। उन्होंने अदालत से मांग की है कि प्रभावित कार्यकर्ताओं को तुरंत सुरक्षा दी जाए और इस पूरी हिंसा की कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच कराई जाए। उल्लेखनीय है कि इस विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक बहुमत के साथ राज्य में अपनी सरकार बनाई है, जबकि सत्ताधारी टीएमसी केवल 80 सीटों पर सिमट गई है। इस राजनीतिक उलटफेर के बाद राज्य में माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ है।

नेशनल आर्चरी कोच को हरियाणा कोर्ट से सजा

पॉक्सो एक्ट में 5 साल की कैद, होटल में प्लेयर का सेक्सुअल हरासमेंट किया था

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत की फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट ने नाबालिग आर्चरी प्लेयर से छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी नेशनल आर्चरी कोच को 5 साल की सजा सुनाई। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नरेंद्र की अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद कोच को पॉक्सो एक्ट के तहत कुलदीप कुमार वेदवान को 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। यह मामला अगस्त 2023 में मुरथल थाना क्षेत्र में दर्ज हुआ था, जिसमें राष्ट्रीय स्तर की आर्चरी प्लेयर ने अपने कोच पर आरोप लगाए थे। जिसके बाद कोच को जेल भेज दिया गया था। यह मामला सोनीपत की फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट में चला। स्पेशल प्रॉसिक्यूटर विजेंद्र सिंह खत्री ने बताया कि अदालत में दोनों पक्षों की दलीलें और साक्ष्यों पर सुनवाई के बाद 15 मई को दोषी करार दिया था, जबकि आज 20 मई 2026 को सजा सुनाई। कोर्ट ने आरोपी को धारा 354ए के तहत भी दोषी करार दिया। इस धारा में आरोपी को तीन वर्ष की कठोर कैद और पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में आरोपी को एक महीने की अतिरिक्त साधारण कैद काटनी होगी।

आरएसएस और प्रधानमंत्री संविधान को फाड़ने की कोशिश कर रहे-राहुल गांधी

रायबरेली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने संविधान की एक प्रति हाथ में लेकर कहा कि भाजपा, प्रधानमंत्री और आरएसएस इसे फाड़ने और फेंकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस ने तो इसे पहले ही फाड़ दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि यह संविधान की किताब सिर्फ कागज का पन्ना नहीं है, बल्कि इसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी और वीरा पासी जैसे अनगिनत लोगों का खून और पसीना मिला हुआ है, जिन्होंने इसे बनाने में अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया।

बुधवार को रायबरेली के लोधवारी में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वीरा पासी की प्रतिमा का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने बहुजन स्वाभिमान सभा को संबोधित किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि संविधान देश की आत्मा है और इसकी रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने एक बार फिर देश की आर्थिक स्थिति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि देश में एक बड़ा आर्थिक तूफान आने वाला है। उन्होंने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री पर देश के साथ धोखा करने का आरोप लगाया।

वहीं, गौरीगंज क्षेत्र के तेजी का पुरवा स्थित कार्यक्रम स्थल पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार, भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा। सम्मेलन में हजारों की संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश की रक्षा संविधान करता है और पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने लगातार संविधान पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि उनका काम अर्थव्यवस्था की रक्षा करना है, उनका काम देश की रक्षा करना है, लेकिन पिछले 12 साल में उन्होंने क्या किया? उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस से जुड़े लोगों को विश्वविद्यालयों में वाइस चांसलर बनाया जा रहा है और देश की संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने उद्योगपतियों का जिक्र करते हुए कहा कि अब गौतम अडानी और मुकेश अंबानी इस देश को नहीं बचा सकते। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि टॉफी बांटना बंद करो और किसानों को खाद उपलब्ध कराओ। उन्होंने आरोप लगाया कि अडानी आज भी करोड़ों रुपये का तेल विदेशों में एक्सपोर्ट कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी संविधान पर हमला है और अडानी-अंबानी को देश का धन देना भी संविधान पर आक्रमण है। उन्होंने कहा कि संविधान हिंदुस्तान की आवाज है।

चेक बाउंस मामले में मोहम्मद शमी को राहत

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अलीपुर कोर्ट ने चेक बाउंस मामले में राहत दी है। अदालत ने उन्हें बरी कर दिया है। दरअसल, शमी की पूर्व पत्नी हसीन जहां ने आरोप लगाया था कि शमी द्वारा घर के खर्च के लिए दिया गया एक लाख रुपये का चेक बाउंस हो गया था। इस मामले पर सुनवाई के बाद अलीपुर कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुनाते हुए शमी को इस मामले में सभी आरोपों से बरी कर दिया। मोहम्मद शमी और उनकी पूर्व पत्नी हसीन जहां के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है।

कुछ ना कहना

दवाओं की ऑनलाइन बिक्री के विरोध में केमिस्टों की देशव्यापी हड़ताल

नई दिल्ली। देशभर के केमिस्टों ने ऑनलाइन फार्मेसियों और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए दवाओं की बढ़ती बिक्री के विरोध में बुधवार को एक बड़े देशव्यापी आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। दवा विक्रेताओं के एक प्रमुख राष्ट्रीय संगठन के नेतृत्व में हो रही इस हड़ताल के कारण देशभर में दवाओं की सप्लाई चेन पूरी तरह प्रभावित होने की आशंका है। अनुमान है कि इस विरोध प्रदर्शन के चलते देश के करीब 12.4 लाख से अधिक निजी मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे, जिससे आम मरीजों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। दवा विक्रेताओं के संगठन ने आरोप लगाया है कि कई ई-फार्मेसी प्लेटफॉर्म बिना किसी उचित रेगुलेटरी निगरानी के धड़ल्ले से दवाएं बेच रहे हैं। उनका दावा है कि इन डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अक्सर डॉक्टरों के पर्चे (प्रिस्क्रिप्शन) की ठीक से जांच नहीं की जाती है। साथ ही, दवाओं के सुरक्षित भंडारण और उनकी डिलीवरी से जुड़े कड़े सरकारी नियमों का सख्ती से पालन नहीं हो रहा है, जिससे मरीजों की सुरक्षा और दवाओं की गुणवत्ता नियंत्रण को लेकर गंभीर चिंताएं खड़ी हो गई हैं। संगठन ने चेतावनी दी है कि ऑनलाइन दवाओं की इस बेरोकटोक बिक्री से बाजार में नकली दवाओं के आने, दवाओं के गलत इस्तेमाल और डॉक्टर के पर्चे पर मिलने वाली प्रतिबंधित दवाओं की अनाधिकृत बिक्री का जोखिम कई गुना बढ़ सकता है। दवा दुकानदारों और फार्मासिस्टों ने बिना किसी उचित जांच के ऑनलाइन नशीले पदार्थों और अनुसूची एच (शेड्यूल एच) जैसी बेहद संवेदनशील दवाओं की आसान उपलब्धता का मुद्दा प्रमुखता से उठाया है। उनका कहना है कि इस लापरवाही की वजह से युवाओं में दवाओं का गलत इस्तेमाल और नशा बढ़ रहा है, जो सीधे तौर पर समाज को नुकसान पहुंचा रहा है। पारंपरिक दवा विक्रेता हमेशा ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के कड़े प्रावधानों के तहत काम करते हैं, जिसके तहत हर पर्चे की बारीकी से जांच करना और बेची जाने वाली दवाओं की मात्रा को सीमित रखना कानूनी रूप से अनिवार्य है। इसके विपरीत, ई-फार्मेसियों में अक्सर ऐसी बुनियादी सुरक्षा व्यवस्थाओं की भारी कमी दिखाई देती है। दवा विक्रेताओं के प्रतिनिधियों का कहना है कि मरीजों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता, इसलिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही तरह की फार्मेसियों पर एक समान नियम और कानून लागू होने चाहिए।

नगर निगम ने दिया 7 दिन का अल्टीमेटम

कोलकाता,। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी की संपत्तियों के खिलाफ एक बड़ा कदम उठाया है। नगर निगम ने उनकी लगभग 17 संपत्तियों के अवैध हिस्सों को लेकर नोटिस जारी किया है, जिससे इन इमारतों पर ढहाने की कार्रवाई का खतरा मंडराने लगा है। जारी किए गए नोटिस में निगम ने अवैध निर्माण से संबंधित दस्तावेजों की मांग की है और बिना अनुमति बने हिस्सों को हटाने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, इस कार्रवाई को लेकर अभी तक प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक सार्वजनिक बयान सामने नहीं आया है।

जानकारी के अनुसार, नगर निगम ने कोलकाता नगर निगम अधिनियम, 1980 की धारा 400(1) के तहत यह नोटिस भेजा है। इस आदेश के माध्यम से मकान मालिक को नियमों के खिलाफ जाकर या बिना स्वीकृति के बनाए गए सभी हिस्सों को 7 दिनों के भीतर खुद गिराने का अल्टीमेटम दिया गया है। नोटिस में संबंधित इमारतों के विस्तृत स्केच, लिफ्ट और एस्केलेटर जैसी सुविधाओं की पूरी जानकारी भी मांगी गई है। नियमों के उल्लंघन की स्थिति में इन संपत्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है। दूसरी तरफ, नियमों के तहत मकान मालिकों को अपना पक्ष रखने का पूरा वैधानिक अवसर भी उपलब्ध कराया गया है। निगम के प्रावधानों के अनुसार, नोटिस का सामना कर रहे व्यक्ति के पास इसे कानूनी रूप से चुनौती देने का विकल्प मौजूद रहता है। उन्हें नगर निगम मुख्यालय में आयोजित होने वाली सुनवाई में यह स्पष्ट करना होगा कि उनके खिलाफ यह दंडात्मक कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए। इस विशेष सुनवाई में स्पेशल ऑफिसर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद ही कोई अंतिम फैसला लेते हैं।

सुनवाई के पश्चात स्पेशल ऑफिसर के पास मुख्य रूप से दो वैधानिक रास्ते होते हैं। वे या तो बिना अनुमति के तैयार किए गए अवैध निर्माण को पूरी तरह से ध्वस्त करने का अंतिम आदेश जारी कर सकते हैं, अथवा निर्माण की गंभीरता को देखते हुए भारी जुर्माना लगाकर उसे कानूनी रूप से वैध घोषित कर सकते हैं। जिन संपत्तियों को रडार पर लिया गया है, उनमें से अधिकांश आवासीय प्रकृति की हैं। ये संपत्तियां कोलकाता के कालीघाट, गरियाहाट और पॉडिटिया जैसे प्रमुख इलाकों में स्थित हैं। इनमें से कुछ इमारतों का मालिकाना हक सीधे तौर पर अभिषेक बनर्जी के पास है, जबकि कुछ अन्य संपत्तियां उनके करीबियों और उनसे जुड़ी कंपनियों के नाम पर दर्ज हैं। इसके अलावा कुछ बड़े अपार्टमेंट्स के फ्लैट्स का जुड़ाव भी उनके करीबियों से पाया गया है।

चुभन दे रही भीषण गर्मी, धूप के थपेड़ो ने किया जीना मुहाल

43 डिग्री सेल्सियस तापमान पर भट्टी की माफिक तप रहा बालाघाट, 4 दिन पूर्व ही नौतपा का हो रहा एहसास, लोग हलाकान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में पिछले कुछ दिनों से तापमान में लगातार उछाल देखा जा रहा है।लगातार बढ़ते जा रहे इसी तापमान ने जिले वासियों को हलाकान कर रखा है। जिसके चलते लोग अब रात दिन कूलर और पंखे के बिना नहीं रह रहे हैं। अब दिन और रात दोनों गर्म होने लगे हैं।बुधवार को पूरा दिन चली गर्म हवाओं के बीच शहर का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा वहीं मौसम विभाग ने नौतपा सहित इस पूरे माह तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने, लू व धूप के थपेड़ों के साथ गर्म हवा चलने की आशंका जताई है।उधर लगातार बढ़ते जा रहे इस तापमान के चलते जिले भर मे भीषण गर्मी का एहसास हो रहा है। वही मौसम विभाग ने नौतपा तक भीषण गर्मी से राहत नही मिलने की संभावना जताई है।

भीषण गर्मी ने किया जीना मुहाल

शहर का तापमान इन दिनों सातवें आसमान पर है और रोजाना ही तापमान में वृद्धि देखी जा रही है इस चिलचिलाती धूप से निजात पाने के लिए लोगो को चश्मा,टोपी गमछा आदि का सहारा लेना पड़ रहा हैं तो वहीं दुपट्टे से सर बाधकर ही लोग अपने घर से बाहर निकल रहे हैं। जबकि ज्यादातर लोग दोपहर के वक्त अपने घरों या दफ्तर में दुबककर रहने के लिए मजबूर हैं।वही दोपहर के वक्त जिले भर के विभिन्न मुख्य मार्गो में सन्नाटा सा छाया रहता है और लोग सड़कों के किनारे लगे वृक्ष की छाया में आराम फरमाते नजर आ रहे हैं। हालांकि शाम 4 बजे के बाद धूप कम होने पर शहर की सड़कों, बस स्टैंड, सहित बाजारों व अन्य स्थानों में लोगों की भीड़ दिखाई दे रही है। कुल मिलाकर कहा जाए तो इस भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा है।

अभी से नौतपा का हो रहा एहसास

शहर का तापमान इन दिनों सातवें आसमान पर है और रोजाना ही तापमान में वृद्धि देखी जा रही है। हालांकि नौतपा लगने को अभी 4 दिन शेष है फिर भी अभी से नौतपा का एहसास होने लगा है।वही तापमान लगातार बढ़ते जा रहा है।आलम कुछ इस तरह है कि लोग इस गर्मी से परेशान हो चुके है। वर्तमान समय में जब इतना अधिक तापमान बढ़ गया है और भीषण गर्मी पड़ रही है तो फिर नौतपा में क्या हाल होगा यह ख्याल लोगों को विचलित कर रहा है।

पेयजल की बढ़ी मांग

जैसे-जैसे तापमान में इजाफा हो रहा है वैसे वैसे शहर में शीतल पेयजल की मांग बढ़ने लगी है इसमें कोल्ड ड्रिंक, ठंडी पानी बोतल, पानी पाउच, ठंडाई, मॉकटेल सहित अन्य शीतल पेय जल की मांग में इन दिनों काफी बढ़ोतरी देखी जा रही है साथ ही शहर के शासकीय अर्द्धशासकिय व निजी कार्यालयों में पानी केन की मांग में एक बार फिर इजाफा हो चुका है।

कई क्षेत्रों में गहराया जल संकट

आग उगल रहे सूरज और हलाकान करने वाली गर्मी से जिला के कई ग्रामीण अंचलों में जल संकट गहरा गया है ग्रामीण क्षेत्र में जहां नदी,कुआ, तालाब का जलस्तर गिरने लगा है तो वहीं कई हैंडपंप पानी की जगह खाली हवा फेक रहे है।जिलें कें ऐसे कई ग्रामीण इलाके है।जहां जल संकट की स्थिति निर्मित होने लगी है।

मरीजों की संख्या में हुई वृद्धि

चुभन दे रही भीषण गर्मी, धूप के थपेड़े और जिले भर में चल रही गर्म हवाओं के चलते लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है और लोग बुखार, उल्टी, दस्त सिर दर्द सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधी शिकायत लेकर शासकीय व निजी अस्पताल पहुंचने लगे हैं साथ ही अस्पतालों में रोजाना ही मरीजों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है।

धूप से हर किसी को बचना चाहिए- जैन

जिला अस्पताल सिविल सर्जन डॉ निलय जैन ने दुरभाष पर चर्चा के दौरान बताया कि वर्तमान समय मे बहुत अधिक धूप पड़ रही है।इसलिए इससे बचना ही प्रथम उपाय है।लोगो ने सुबह या शाम काम करना चाहिए।धूप में निकलने से बचना चाहिए।अति आवश्यक होने पर गमछा या टोपी पहन कर ही धूप से निकले। पानी की समुचित व्यवस्था रखें ,वही घर में बने पेयजल जैसे नींबू शरबत,ओआरएस घोल, छाछ या आम का पना आदि का उपयोग करें।दोपहर में धूप में काम करने, या बाहर निकलने से उन्हें लू लग सकती है।ज्यादा से ज्यादा ठंडा स्वच्छ पानी का सेवन करे, और तबियत खराब होने पर तुरन्त नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाकर उपचार कराए, खास तौर पर बच्चो का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

डीएसपी के नाम पर साइबर ठगी, एआईं वीडियो कॉल से युवक से ठगे 40 हजार रुपए

पुराने नोट बदलने के नाम पर रचा गया जाल, डीएसपी संतोष पटेल ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में साइबर ठग लगातार बड़े अधिकारियों और चर्चित चेहरों के नाम का दुरुपयोग कर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। ऐसा ही एक ताजा मामला फिर सामने आया है, जिसमें बालाघाट में हॉकफोर्स में पदस्थ डीएसपी संतोष पटेल के नाम और फोटो का उपयोग कर साइबर ठगी की घटना को अंजाम दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार ग्वालियर क्षेत्र के एक युवक को साइबर ठगों ने एआई तकनीक के माध्यम से डीएसपी संतोष पटेल की फोटो लगाकर वीडियो कॉल किया। ठगों ने युवक को विश्वास दिलाया कि वे पुराने नोट बदलवा सकते हैं और इसके बदले उसे लाखों रुपये मिलेंगे। साइबर ठगों ने युवक से कहा कि इस जानकारी को वह अपने परिवार से साझा न करे। बताया गया कि ठगों ने युवक को लालच देते हुए कहा कि पुराने 5 रुपये के नोट के बदले उसे लगभग 48 लाख रुपये की राशि मिलेगी। डीएसपी की फोटो और वीडियो कॉल से प्रभावित होकर युवक ठगों के झांसे में आ गया। शुरुआत में उससे रजिस्ट्रेशन के नाम पर 750 रुपये जमा कराए गए। इसके बाद आधार कार्ड सहित अन्य जानकारी लेते हुए उसे बातों में उलझाकर अलग-अलग माध्यमों से करीब 40 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए गए। कुछ समय बाद युवक को एहसास हुआ कि उसके साथ साइबर ठगी हो चुकी है। मामले के सामने आने के बाद डीएसपी संतोष पटेल ने मीडिया से चर्चा में कहा कि इससे पहले भी कुछ लोग उनकी फोटो का उपयोग कॉइन बेचने के नाम पर कर चुके हैं और अब एआई तकनीक के जरिए वीडियो कॉल कर लोगों को ठगा जा रहा है। उन्होंने इसे पूरी तरह फर्जी और गैरकानूनी बताया। डीएसपी संतोष पटेल ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति लालच में आकर इस तरह की गतिविधियों पर भरोसा न करे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे किसी प्रकार के कॉइन बेचने, पुराने नोट बदलवाने या इस तरह की किसी योजना से जुड़े नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी सरकार या कानून पुराने नोट बदलने के नाम पर लाखों रुपये नहीं देता। उन्होंने लोगों से साइबर ठगी को लेकर सतर्क और सावधान रहने की अपील की तथा कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति को अपने बैंक संबंधी गोपनीय नंबर, ओटीपी, पासवर्ड और निजी जानकारी साझा न करें। यदि किसी के साथ साइबर ठगी की घटना होती है तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन और संबंधित वेबसाइट पर शिकायत दर्ज कराएं।

नाम सुधार सूचना

मैं सुनील दमाहे पिता श्री चमरूलाल दमाहे वार्ड क्रमांक 3 ग्राम घंसा तहसील लांजी जिला बालाघाट का निवासी हूं।

यह कि मेरे समस्त दस्तावेजो में मेरा नाम सुनील दमाहे पिता चमरूलाल दमाहे दर्ज है। त्रुटि वस ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम सुनील कुमार दमाहे पिता चमरूलाल दमाहे वार्ड नंबर 3 घंसा तहसील लांजी दर्ज हो गया है, जिसे सुधार कर सुनील दमाहे पिता चमरूलाल दमाहे किया जाए।

निवेदक
सुनील दमाहे
ग्राम घंसा (लांजी)

आईएसएससी-2026 में एआईआर-1 हासिल कर मयंक मात्रे बने ग्रैंड विनर

नासा एजुकेशनल टूर (यूएसए) के लिए हुआ चयन, कलेक्टर ने दी शुभकामनाएं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिले के वारासिवनी स्थित सांदीपनि विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र मयंक मात्रे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित

प्रतियोगिता इस्स्ट 2026 (इंटरनेशनल स्पेस साइंस कॉम्पिटिशन) में ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त कर जिले एवं प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। कक्षा 12वीं गणित संकाय (अंग्रेजी माध्यम) के छात्र मयंक ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रैंड विनर का खिताब अपने नाम किया। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं पूरे जिले में हर्ष का माहौल है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने मयंक की इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं प्रेषित की है। इसके साथ ही एसडीएम वारासिवनी कार्तिकेय जायसवाल, लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के संचालक डॉ डी.एस. कुशवाह, सहायक संचालक डॉ रंजन शर्मा, सुरेश मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय सहित पीपुल्स ग्रुप सांदीपनि सेल भोपाल ने भी छात्र एवं विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं प्रेषित कीं हैं। संस्था के प्राचार्य हुमराज पटले ने बताया कि यह प्रतियोगिता GoyGuru द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर के स्कूल एवं कॉलेज के हजारों विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का प्रथम चरण 08 अप्रैल 2026 को आयोजित हुआ था, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर केवल 17 छात्रों का चयन किया गया, जिसमें मयंक मात्रे ने ऑल इंडिया रैंक-05 स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता का अंतिम चरण 15 मई 2026 को लाइव ऑनलाइन टेस्ट के माध्यम से आयोजित किया गया। स्क्रीन शेयरिंग आधारित इस परीक्षा में मयंक मात्रे ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल कर ग्रैंड विनर बनने का गौरव प्राप्त किया। वहीं विद्यालय के छात्र प्रियांशु चौधरी, अश्मि बिसेन एवं उज्जवल बारमाटे ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ISSC 2026 में बेस्ट परफॉर्मर का स्थान प्राप्त किया। इस शानदार उपलब्धि के तहत मयंक मात्रे का चयन फ्री नासा एजुकेशनल टूर (यूएसए) के लिए किया गया है, जो संभावित रूप से सितंबर 2026 में आयोजित होगा। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को अमेरिका स्थित नासा कैनेडी स्पेस सेंटर, ओरलेण्डों इंटरनेशनल युनिवर्सिटी कैम्पस, थीम पार्क एवं डिजनी स्प्रिंग्स का भ्रमण कराया जाएगा। साथ ही नासा के उपग्रह अनुसंधान केंद्र में उपग्रहों के निर्माण, संचालन, विकास एवं असेंबलिंग प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन करने का अवसर मिलेगा। विद्यार्थियों को वैज्ञानिक नवाचारों एवं आधुनिक तकनीकी प्रक्रियाओं से भी रूबरू कराया जाएगा। भ्रमण से पूर्व छात्र की पासपोर्ट एवं वीजा प्रक्रिया भी पूर्ण कराई जाएगी।

मीनाक्षी तालाब योजना में गड़बड़ी का आरोप, खेत में अधूरा तालाब और कागजों में पूर्ण निर्माण

कटंगी जनपद की ग्राम पंचायत कोसमी का मामला, हितग्राही बोला- 20 प्रतिशत काम के बाद बंद हुआ निर्माण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कोसमी में मीनाक्षी तालाब निर्माण को लेकर गड़बड़ी का मामला सामने आया है। तालाब निर्माण के लिए आवेदन करने वाले एक हितग्राही ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराते हुए पूरे मामले की जांच और न्यायिक कार्रवाई की मांग की है। हितग्राही ने मीडिया से चर्चा करते हुए आरोप लगाया कि उनके खेत में तालाब निर्माण के नाम पर लगभग 2 लाख 80 हजार रुपये की राशि निकाल ली गई, लेकिन मौके पर केवल करीब 20 प्रतिशत ही काम कराया गया है। उनका कहना है कि वर्तमान में तालाब अधूरा पड़ा हुआ है, जबकि दस्तावेजों और रिकॉर्ड में उसे पूर्ण दर्शाया जा रहा है। उन्होंने इस मामले को लेकर पहले भी कई बार संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया है। उन्होंने बताया कि जनपद पंचायत सीईओ कटंगी, सीएम हेल्पलाइन और कलेक्टर जनसुनवाई में भी दो बार आवेदन दिया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। हितग्राही का आरोप है कि शासन की योजनाओं में लापरवाही के कारण पात्र लोगों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और अधूरे तालाब निर्माण कार्य को पूरा कराया जाए।

शासन द्वारा किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों के माध्यम से मीनाक्षी तालाब योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत किसानों के खेतों में छोटे तालाबों का निर्माण कराया जाता है, ताकि बारिश का पानी संरक्षित हो सके और किसानों को खेती में लाभ मिल सके। लेकिन जिले की कई ग्राम पंचायतों में इस योजना के नाम पर अनियमितताओं और गड़बड़ियों के आरोप लगातार सामने आते रहे हैं। अक्सर किसान और हितग्राही आरोप लगाते हैं कि तालाब निर्माण के नाम पर शासन से पूरी राशि निकाल ली जाती है, लेकिन धरातल पर निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया जाता है। कई मामलों में कागजों में तालाब को पूर्ण दर्शा दिया जाता है, जबकि मौके पर निर्माण अधूरा रहता है। इससे न केवल किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है, बल्कि शासन की योजनाओं और लाखों रुपए की राशि के उपयोग पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। इसी तरह का एक मामला कटंगी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कोसमी से सामने आया है। यहां के हितग्राही रविंद्र भगत ने ग्राम पंचायत और संबंधित अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है। रविंद्र भगत

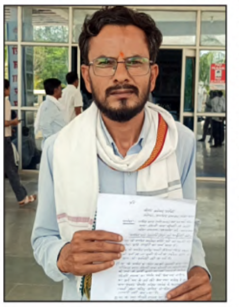

ने बताया कि उन्होंने अपने खेत में मीनाक्षी तालाब निर्माण के लिए ग्राम पंचायत में आवेदन दिया था। आवेदन के बाद उनका तालाब स्वीकृत किया गया और शासन से लगभग 2 लाख 80 हजार रुपए की राशि भी मंजूर हुई। लेकिन उनका आरोप है कि खेत में महज लगभग 20 प्रतिशत कार्य कराने के बाद निर्माण कार्य बंद कर दिया गया और आज तक तालाब पूरा नहीं बनाया गया। हितग्राही का कहना है कि यह उनकी ग्राम पंचायत का पहला मामला नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत कोसमी में लगभग 20 से 25 मीनाक्षी तालाब स्वीकृत किए गए थे, लेकिन अधिकतर तालाब धरातल पर अधूरे पड़े हैं। कहीं 10 प्रतिशत, कहीं 20 प्रतिशत तो कहीं 30 प्रतिशत निर्माण कार्य कराकर काम रोक दिया गया, जबकि कागजों में तालाब पूर्ण दर्शाकर शासन से पूरी राशि निकाल ली गई। रविंद्र भगत ने बताया कि उन्हें इस पूरे मामले की जानकारी तब मिली जब उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी मांगी। आरटीआई से प्राप्त दस्तावेजों में उनका तालाब पूर्ण निर्मित दिखाया गया था, जबकि वास्तविकता में निर्माण अधूरा पड़ा हुआ है। इसके बाद उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई और कई बार जनपद पंचायत कटंगी में भी आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि दो बार जिला मुख्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में भी शिकायत की गई, लेकिन अब तक किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे वे लगातार मानसिक और आर्थिक परेशानी का सामना कर रहे हैं। किसान का कहना है कि शासन की महत्वाकांक्षी योजना में बड़े स्तर पर गड़बड़ी की आशंका है और इसकी निष्पक्ष जांच होना बेहद जरूरी है। रविंद्र भगत ने मांग की है कि वर्ष 2023 से वर्ष 2026 तक ग्राम पंचायत में स्वीकृत सभी मीनाक्षी तालाबों की जांच कराई जाए और यह देखा जाए कि वास्तव में कितने तालाब धरातल पर पूर्ण हुए हैं। उन्होंने संबंधित सरपंच, सचिव और निर्माण से जुड़े जिम्मेदारों की भूमिका की भी जांच किए जाने की मांग की है।

जानकारी लेकर जांच कराई जाएगी-गायत्री कुमार

इस पूरे मामले को लेकर जब कटंगी जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गायत्री कुमार सारथी से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि फिलहाल उन्हें इस विशेष मामले की विस्तृत जानकारी नहीं है। हालांकि उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की जानकारी लेकर जांच कराई जाएगी और यदि कहीं अनियमितता पाई जाती है तो नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने यह भी कहा कि हितग्राही द्वारा जिस प्रकार सभी तालाबों को अधूरा बताए जाने की बात कही जा रही है, वह पूरी तरह संभव नहीं लगता। फिर भी यदि कुछ मामलों में शिकायतें सामने आई हैं तो उनकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस मामले के सामने आने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित मीनाक्षी तालाब योजना की पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत पाला
जनपद पंचायत किरनापुर, जिला बालाघाट (म.प्र.)
//निविदा सूचना//

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि वित्तिय वर्ष 2026-27 के विभिन्न निर्माण कार्यों मे मनरेगा,5 वां वित्त राज्य आयोग,15 वां वित्त आयोग,विधायक) सांसद विकास निधि,सर्व शिक्षा,परफार्मेंस ग्रांट, एसबीएम,जनपद/जिला स्तर के कार्य, मुख्यमंत्री ग्राम स ?क एवं अवसंरचना योजना सहित अन्य योजनाओं के निर्माण कार्यों हेतु आरसीसी पाईप,पुलिया,चेक डैम/स्टॉप डेम, सीसी सड़क, पेवर ब्लॉक,आरसीसी नाली निर्माण, शासकीय भवन निर्माण कार्य सहित अन्य निर्माण कार्यों के लिए रेत,खराड़ी,मुरम,मिट्टी परिवहन, सीमेंट गिट्टी, लोहा आदि क्रय करने तथा वाईब्रेटर, मिक्सर मशीन, सेंट्रिंग, टेंकर, ट्राली, पम्प, सेनेटरी, पानी टंकी,नल जल फिटींग सामग्री, नल जल मोटर रिपेयर सामग्री, हाईमास्क,एलईडी, लैम्प, बल्ब, स्ट्रीट लाईट, फर्नीचर,कंप्यूटर सामग्री,लैपटॉप, प्रिंटर क्रय व मरमत एवं स्टेशनरी अभिलेख की सामग्री उपलब्ध कराने के लिये निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता की फर्म रजिस्टर्ड होना आवश्यक है।निविदा के संबंध मे अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

श्रीमति लता उमराव चौधरी- सरपंच
सचिन राणा- उपसरपंच
दुर्गेश भीमटे- सचिव
योगेश्वरी खरे - ग्राम रोजगार सहायक
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत पाला

जाहिर सूचना

मैं लक्ष्मी ठाकरे पति स्व. श्री गुलाब ठाकरे (उर्फ गुलाबचन्द ठाकरे), निवासी ग्राम कुम्हारी, पोस्ट-मोरिया, जिला बालाघाट (म.प्र.) की निवासी हूँ। मेरे दस्तावेजों में मेरा नाम लक्ष्मी ठाकरे तथा मेरे पुत्र-पुत्रियों के दस्तावेजों में पुनीता ठाकरे अंकित है। ये दोनों नाम मेरे ही हैं एवं प्रचलन में हैं।

यदि किसी को आपत्ति हो तो 15 दिवस के भीतर दर्ज कराये, इसके बाद कोई दावा मान्य नहीं होगा। तत्पश्चात मैं राज्य गजट में दोनों नाम जारी रखने की प्रक्रिया प्रारंभ करूंगी।

संपर्क हेतु- +919174761062

शपथ पत्र

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै ललीताबाई भलावी पति स्व. श्री धनेन्द्र भलावी, ग्राम तुमड़ीटोला पो. मगरदर्रा तहसील व जिला बालाघाट मध्यप्रदेश की निवासी हूं। मेरी इकलौती पुत्री है, जिसका नाम राधा भलावी है, जिसकी जन्मतिथि ०१/०९/२०१० है किंतु मै इस नाम का पूर्णत: परित्याग करती हूं और उसके स्थान पर आरूषि भलावी **AARUSHI BHALAVI** अंगीकार करती हूं। मेरी पुत्री को अब अंगीकार किये गये नाम आरूषि भलावी **AARUSHI BHALAVI** से ही पुकारा जाये व जाना पहचाना जावे। तथा इसके समस्त अभिलेखों व विलेखों तथा लेखों में आरूषि भलावी **AARUSHI BHALAVI** का नाम दर्ज किया जाये।

शपथकर्ता
ललिता

आवश्यकता है

10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।

-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

—निर्माता—
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बहुजन मुक्ति पार्टी ने किया अनोखा प्रदर्शन

कलेक्ट्रेट गेट के सामने जलाया चूल्हा, बनाई चाय-रोटी

चूल्हा फूंककर गैस कीमतों में वृद्धि और बे-हताशा महंगाई किया विरोध, धरना प्रदर्शन कर की नारेबाजी, सौपा ज्ञापन, 31 मई को दे धक्का आंदोलन की दी चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर स्थित मुख्य द्वार पर एक अनोखा प्रदर्शन देखने को मिला। जहां बहुजन मुक्ति पार्टी द्वारा रसोई गैस के दाम बढ़ाए जाने सहित महंगाई के खिलाफ किए गए एक दिवसीय धरना प्रदर्शन में कलेक्ट्रेट गेट के पास चूल्हा जलाकर गैस के दामों में की गई वृद्धि का विरोध किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियो ने ना सिर्फ पेट्रोल-डीजल ,रसोई गैस के दाम व लगातार बढ़ती जा रही मंहगाई के खिलाफ आंदोलन किया बल्कि बेरोजगारी, स्मार्ट मीटर,ईवीएम मशीन बैन सहित वर्षो से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर भी अपनी आवाज बुलंद की। इस अनोखे प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पहले तो लकड़ियां इकठ्ठी कर चूल्हा जलाया,फिर उन्ही 2 चूल्हे में चाय और रोटी बनाकर गैस के दाम व महंगाई का पुरजोर विरोध भी किया। वही अपनी अन्य मांगो को लेकर जमकर नारेबाजी करते हुए, एक ज्ञापन भी सौपा है। जिसमे उन्होंने उनकी सभी मांगो को यथाशीघ्र पूरी कराए जाने की गुहार लगाते हुए, मांग पूरी ना होने पर 31 मई को दे धक्का आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

पहले चरण में प्रशासन को लालटेन भेंट कर, स्मार्ट मीटर का जता चुके है विरोध

आपको बताएं की बहुजन मुक्ति पार्टी द्वारा इसके पूर्व पहले चरण में 12 मई मंगलवार को लालटेन जलाओ आंदोलन किया गया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अंबेडकर चौक में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर, जमकर नारेबाजी की थी तो वही प्रशासन को लालटेन भेंट कर अपना विरोध जताया था। तो वही आज बुधवार 20 मई को कलेक्टर गेट के सामने चूल्हा जलाकर चाय रोटी बनाकर चरणबद्ध आंदोलन के तहत गैस के बढ़ते दामो को लेकर पुन: अपना विरोध जताया है।आयोजित इस धरना प्रदर्शन में बहुजन मुक्ति पार्टी मध्य प्रदेश अध्यक्ष करण सिंह नागपुरे,जिला अध्यक्ष हीरालाल भगत ,प्रभारी अध्यक्ष सदाशिव हरिनखेडे,भारत मुक्ति मोर्चा के जिला प्रभारी एवं बुद्धिस्ट इंटरनेशनल नेटवर्क के प्रदेश प्रभारी रामदास ठवकर राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद के जिलाध्यक्ष सुशील कुशराम, उपाध्यक्ष केवलसिंह उईके, बुद्धिस्ट इंटरनेशनल नेटवर्क के कार्यकारी जिला अध्यक्ष विकास खांडेलकर, भारत मुक्ति मोर्चा कार्यकारी जिलाअध्यक्ष विमल कुमार, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा कार्यकारी तहसील अध्यक्ष रघुनाथ यादव, भारत मुक्ति मोर्चा कार्यकर्ता सूरज बारेकर, श्री लिल्हारे व श्री पटले सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

3 चरणों मे किया जा रहा आंदोलन

पेट्रोल डीजल और रसोई गैस के दामों में लगातार हो रही बेहताशा वृद्धि, स्मार्ट मीटर पर रोक और ईव्हीएम हटाने सहित अपनी 15 सूत्रीय मांगों को लेकर बहुजन मुक्ति पार्टी द्वारा चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत की गई है।इसके पहले चरण के तहत 12 मई मंगलवार को बहुजन मुक्ति पार्टी के पदाधिकारियो द्वारा नगर के अंबेडकर चौक में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई थी।जहां उन्होंने पेट्रोल डीजल सहित रसोई गैस के दाम को आधे करने, जीएसटी सहित अन्य लगने वाले टैक्सों को हटाने, सभी चुनाव में ईव्हीएम को बैन करने, और स्मार्ट मीटर हटाकर पूर्व की भांति पारदर्शी मीटर लगाए जाने सहित अन्य मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई थी। जहा पार्टी द्वारा अपनी प्रमुख 15 सूत्रीय मांगों को लेकर डिप्टी कलेक्टर श्री कौरव को ज्ञापन सौंपकर, स्मार्ट मीटर के विरोध में लालटेन भेंट कर समस्त मांगे जल्द से जल्द पूरी

कराए जाने की गुहार लगाई थी, जिसके दूसरे चरण के तहत आज 20 मई बुधवार को कलेक्ट्रेट गेट के सामने चूल्हा जलाओ आंदोलन कर चूल्हे में चाय-रोटी बनाकर इसका विरोध किया गया है।जिन्होंने आंदोलन के तीसरे चरण के तहत 31 मई को दे धक्का आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी हैं। तो वही इन तीनों चरणों के बाद भी मांग पूरी न होने प्रदेश संगठन के आह्वान पर सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

इन मांगो को पूरा करने की लगाई गुहार

उक्त धरना प्रदर्शन के माध्यम से प्रदर्शनकारियो द्वारा स्मार्ट मीटर की जगह पूर्व की भांति पारदर्शी मीटर लगाए जाने, विद्युत सप्लाई के बगैर स्मार्ट मीटर द्वारा उपभोक्ता के ऊपर जो बिजली बिल थोपा गया है उस बिल का पैसा उपभोक्ताओं को वापस करने,स्मार्ट मीटर के माध्यम से जनता का आर्थिक नुकसान व शोषण किया गया है, इसीलिए स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट को अप्रूवल करने वाले चेयरमैन एवं केबिनेट के जिम्मेदारो पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने, घरेलू गैस 400रु में और कमर्शियल गैस 700रु में उपभोक्ता को उपलब्ध कराने ,घरेलू एवं कमर्शियल गैस की कालाबाजारी पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने, एजेंसी और एजेंटों के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने, कमर्शियल गैस की आपूर्ति ना के कारण होटल ढाबा एवं रेस्टोरेंट बंद थे,जिससे संबंधित होटल ढाबा एंड रेस्टोरेंट मालिकों को आर्थिक नुकसान पहुंचा है उसकी भरपाई करने, वर्षों से इन जगहों पर काम करने वाले श्रमिकों व मालिको को जो नुकसान पहुँचा है उसका मुआवजा दिए जाने और लगातार बढ़ती जा रही पेट्रोल डीजल की कीमतों को आधा किए जाने, ईव्हीएम पर बैन लगाने सहित अन्य मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई गई है।

महंगाई इतनी बढ़ गई है कि अब चूल्हा जलाने की नौबत आ गई है- नगपुरे

प्रदेश अध्यक्ष करन सिंह नगपुरे ने बताया कि भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही जनविरोधी नीतियों के विरोध में मूलनिवासियो द्वारा चरणबद्ध आंदोलन चलाया जा रहा है।यहां आंदोलन देश के 625 जिलों में एक साथ हो रहा है।उन्होंने आंदोलन के तीनो चरणों की जानकारी देते हुए बताया कि रसोई व कामर्शियल गैस के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं रसोई गैस आम आदमी की पहुंच के दूर हो चुकी है, लोग 50 वर्ष पूर्व की तरह चूल्हा जलाने के लिए मजबूर हैं। उसी का एहसास करने के लिए आज चूल्हा जलाओ आंदोलन कर कलेक्ट्रेट गेट परिसर में चूल्हे पर चाय रोटी बनाई गई है। यदि ऐसे ही दाम बढ़ते रहे तो हर किसी को चूल्हा जलाना पड़ेगा इसके अलावा हमारी अन्य मांगे भी है जिसको लेकर धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौपा गया है।

ये जनता की नही बल्कि ईव्हीएम से चुनी हुई सरकार है-नागवंशी

राष्ट्रीय मूलनिवासी महिला प्रकोष्ठ,संभागीय प्रभारी नर्मदा नागवंशी ने बताया कि हमारा तीन चरणों में यहां आंदोलन चल रहा है सरकार ने गैस के दाम बढ़ा दिए हैं आए दिनों पेट्रोल डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की जा रही है, स्मार्ट मीटर लगाकर जनता को लूटा जा रहा है गैस के दाम इतने अधिक है कि लोग खरीद नहीं पा रहे हैं, ऐसा लग रहा है कि पुराने दिन वापस आ गए, ग्रामीण क्षेत्रों में भी चूल्हा जलाने के लिए लकड़ी नहीं मिल रही है,इस सरकार में करीब 40 प्रतिशत वृक्ष काटे गए हैं उसी का हम सब यहां विरोध कर रहे हैं।ये सरकार महिलाओं के साथ अन्याय अत्याचार कर रही है, अन्याय अत्याचार व महिला उत्पीड़न के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं यह सरकार जनता की चुनी हुई सरकार नहीं बल्कि ईव्हीएम से चुनी हुई सरकार है। कई देशों में जिस ईव्हीएम को बैन कर दिया गया है लेकिन हमारे देश में ईव्हीएम से ही तानाशाही सरकार बनाई जा रही है।इसे हटाने की मांग भी हमारी प्रमुख मांगो में शामिल है।

मधुमखियो के हमले से व्यक्ति की मौत

मधुमक्खी के छाते से शहद निकालने जंगल गया था अधरसिंह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जंगल में मधुमक्खी के छत्ते से शहद निकालने गए एक व्यक्ति की मधुमक्खियो

के हमले से मौके पर ही मौत हो गई यह घटना उस वक्त हुई जब कुछ लोग जंगल में पेड़ पर चढ़कर मधुमक्खियो के छत्तों से शहद निकल रहे थे, इस दौरान मधुमक्खियां के झुंड ने एक व्यक्ति पर हमला कर दिया।अचानक हुए मधुमख्खियों के इस हमले से पेड़ पर चढ़ा व्यक्ति अनियंत्रित होकर जमीन पर आ गिरा, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामला लामता थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चिचोली जंगल बीट का बताया गया है। मृतक ग्राम पंचायत भालेवाडा के डोंगरबोडी निवासी 52 वर्षीय अधरसिंह परते है। जिसके शव का बुधवार की दोपहर पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वही लामता पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

कंटगनाला नहर पुल के समीप की बताई जा रही घटना

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना लामता ग्राम पंचायत भालेवाडा के डोंगरबोडी निवासी अधरसिंह परते मजदूरी का काम करता था। जो मंगलवार की रात गांव के ही अपने कुछ साथियो के साथ मधुमख्खियो के छातो से शहद निकालने के लिये जंगल गया था। बताया गया कि अधरसिंह, दक्षिण सामान्य चाचेरी के अन्तर्गत चिचोली बीट कंटगनाला के नहर पुल के समीप एक पेड़ में लगे मधुमक्खी के छाते को तोड़ने के लिए चढ़ा था।उसी दौरान मधुमखियो के झुंड ने उस पर हमला कर दिया।जिससे वह पेड के उपर से निचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया,उनके साथी द्वारा उसे बचाने का प्रयास किया गया।लेकिन पेड़ से गिरने एवं मधुमक्खी काटने से हालत बिगड चुकी थी, जहा जंगल से घर लाते समय रास्ते मे ही उसकी मौत हो गई।

पीएम के बाद सौपा गया शव, जांच में जुटी पुलिस

उधर अधरसिंह के साथियों ने इस पूरे मामले की जानकारी वन विभाग चाचेरी में पदस्थ सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी गजेन्द्र बिसेन को दी, जहा वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुचकर लामता थाना को मामले से अवगत कराया।जिसपर लामता थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह बैस, बख्तसिह परते, आरक्षक सतेन्द्र बघेल, एंव केशव सनोडिया घटना स्थल पर पहुचे। जहा बारीकी से स्थल निरिक्षण कर पुलिस द्वारा पंचनामा सहित अन्य कार्यवाही कर शव को अपने कब्जे में लिया गया।जिसके शव को पोस्टमार्टम के लिए लामता के अस्पताल पहुंचाया गया,जहां परिजनों के बयान दर्ज कर अन्य आवश्यक कार्रवाई पूरी की गई।वही शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।तो वही लामता पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।पुलिस ने बताया कि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

जंगल से बाहर लाते समय घायल ने तोड़ा दम- मोहन शिवप्रसाद

अधरसिंह के भाई मनोहर परते ने बताया कि उन्हें भाई के शव मिलने की जानकारी मिली थी। घर वालों से पूछने पर पता चला कि अधरसिंह पत्ता तोड़ने की बात कहकर घर से निकले थे। हालांकि, घटनास्थल पर आकर उन्हें पता चला कि अधरसिंह मधुमक्खी का छत्ता तोड़ने जंगल आए थे। अधरसिंह के साथ गए शिवप्रसाद उईके ने बताया कि अधरसिंह मधुमक्खी का छत्ता तोड़ने पेड़ पर चढ़े थे। इसी दौरान वे पेड़ से गिर गए, जिससे उनके मुंह पर चोट आई। उन्हें जंगल से बाहर लाने का प्रयास किया गया, रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

भाजपा नेता पर प्राणघातक हमला

पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं उप सरपंच पवन पारधी गंभीररूप से घायल- जिला अस्पताल में भर्ती, रेत कारोबार की रंजिश में वारदात की आशंका

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के हट्टा थाना क्षेत्र में मंगलवार रात भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द के उप सरपंच पवन पारधी पर प्राणघातक हमला किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस हमले में पवन पारधी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामले में तपेश रिनायत निवासी तिवड़ी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शादी समारोह से लौटते समय हुआ हमला

प्राप्त जानकारी के अनुसार पवन पारधी अपने साथी राधेश्याम बिसेन के साथ ग्राम रतनारा में धनलाल बोपचे के नाती के विवाह रिसेप्शन कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। रात लगभग 10:45 बजे दोनों मोटरसाइकिल से अपने गांव मोहगांव खुर्द लौट रहे थे। तभी ग्राम तिलपेवाड़ा पुलिया के पास अचानक चलती मोटरसाइकिल पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने भारी ठोस वस्तु फेंकी, जो सीधे पवन पारधी के सिर पर लगी। जोरदार चोट लगने से दोनों मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर पड़े। घटना के बाद जब पवन पारधी और राधेश्याम बिसेन संभलकर उठे, तब मौके पर तपेश रिनायत खड़ा दिखाई दिया। आरोप है कि उसने

पवन पारधी को गालियां देते हुए हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे राधेश्याम बिसेन को भी तपेश रिनायत के साथ आए 2-3 लोगों ने पकड़ लिया।बताया जा रहा है कि इस दौरान तपेश रिनायत ने पवन पारधी को जान से मारने की धमकी भी दी और फिर अपने साथियों के साथ मौके से फरार हो गया।घटना के दौरान शोर सुनकर अंकुर दमाहे सहित आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। घायल अवस्था में पवन पारधी को पहले पास के घर ले जाकर प्राथमिक सहायता दी गई। फिर हट्टा थाना पहुंचाया गया। सिर में गंभीर चोट और लगातार चक्कर आने के कारण पुलिस ने तत्काल उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराये। जहां उनका उपचार जारी है।

रेत कारोबार की रंजिश बनी हमले की वजह

जानकारी के मुताबिक पवन पारधी राजनीति के साथ खेती-किसानी से जुड़े हुए हैं और क्षेत्र में सक्रिय भाजपा नेता के रूप में पहचान रखते हैं। वे पूर्व में किरनापुर भाजपा मंडल अध्यक्ष रह चुके हैं तथा वर्तमान में मोहगांव खुर्द के उप सरपंच हैं।बताया जा रहा है कि गांव के गुड्डू उर्फ उमेश पारधी रेत कारोबार से जुड़े हैं। हाल ही में उनकी रेत पकड़े जाने की घटना हुई थी। जिसका शक वे पवन पारधी पर कर रहे थे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में लंबे समय से विवाद और रंजिश चली आ रही थी। तपेश रिनायत को उमेश पारधी का भांजा बताया जा रहा है। पुलिस इसी एंगल से मामले की जांच कर रही है।

हट्टा पुलिस ने दर्ज किया मामला

20 मई को हट्टा थाना के सहायक उप निरीक्षक दिनेश जायसवाल ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायल पवन पारधी के बयान दर्ज किए। प्रथम दृष्टया आरोपी तपेश रिनायत के खिलाफ अश्लील गालियां देने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने सहित भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक दिनेश कुमार जायसवाल द्वारा की जा रही है।

पवन पारधी अपने माता-पिता के इकलौते बेटे हैं। उनके परिवार में मां, पत्नी और दो बेटे हैं। घटना के बाद परिवार में भारी चिंता का माहौल बना हुआ है।

दो मासूम बच्चों के साथ पिता की आत्महत्या का मामला अब भी रहस्य, 7 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली

कटंगी के जरामोहगांव में हुई हृदयविदारक घटना की कई एंगल से जांच जारी, मोबाइल, सोशल मीडिया, डायरी और दोस्तों से पूछताछ कर रही पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम जरामोहगांव में दो मासूम बच्चों को साथ लेकर पिता द्वारा कुएं में कूदकर आत्महत्या किए जाने की दर्दनाक घटना को एक सप्ताह बीत चुका है, लेकिन अब तक पुलिस इस मामले की कोई ठोस वजह तलाश नहीं कर सकी है। शुरुआती जांच और पूछताछ के बावजूद पुलिस के हाथ ऐसा कोई स्पष्ट कारण नहीं लगा है, जिससे यह समझा जा सके कि आखिर एक पिता ने अपने मासूम बच्चों के साथ इतना बड़ा कदम क्यों उठाया। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया था। 13 मई को ग्राम जरामोहगांव में श्याम पिता भागवत नागेंद्र ने अपने पांच वर्षीय बेटे वंश और तीन वर्षीय बेटी भूरी के साथ कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली थी। बताया गया था कि घटना के एक दिन पहले शाम के समय श्याम अपने दोनों बच्चों को गांव में बारात दिखाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद अगले दिन मंगलवार सुबह गांव के एक कुएं में श्याम और उसके दोनों बच्चों के शव मिले थे। इस घटना का सबसे मार्मिक पहलू यह था कि दोनों मासूम बच्चे अपने पिता के शरीर से गमछे के सहारे बंधे हुए थे। घटना का दृश्य देखकर गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक और स्तब्धता का माहौल बन गया था।

मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों ने तीनों की मौत पानी में डूबने से होना बताया है। हालांकि अब तक की जांच में आत्महत्या के पीछे की वास्तविक वजह सामने नहीं आ सकी है। कटंगी एसडीओपी विकास कुमार ने बताया कि पुलिस इस पूरे मामले की अलग-अलग एंगल से जांच कर रही है, ताकि घटना की सच्चाई तक पहुंचा जा सके। उन्होंने बताया कि अभी तक मृतक श्याम नागेंद्र के परिजनों की ओर से किसी भी व्यक्ति पर अभी तक संदेह नही जताया गया है। एसडीओपी ने बताया कि पुलिस श्याम और उसकी पत्नी के सोशल मीडिया अकाउंट की जांच कर रही है। इसके अलावा मोबाइल फोन का तकनीकी परीक्षण भी किया जा रहा है। पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि घटना से पहले श्याम किन लोगों के संपर्क में था और उसकी मानसिक स्थिति कैसी थी। पुलिस के अनुसार श्याम एलआईसी का कार्य भी करता था, इसलिए उसकी डायरी, नोटबुक और दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। उसके दोस्तों और परिचितों से पूछताछ कर यह समझने की कोशिश की जा रही है कि क्या वह किसी आर्थिक, पारिवारिक या मानसिक तनाव से गुजर रहा था। हालांकि अब तक की पूछताछ में ऐसा कोई ठोस कारण सामने नहीं आया है, जिससे आत्महत्या की वजह स्पष्ट हो सके। घटना को लेकर गांव और आसपास के क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं भी जारी हैं। लोगों का मानना है कि कोई न कोई गंभीर कारण जरूर रहा होगा, जिसने एक पिता को अपने दो मासूम बच्चों सहित आत्मघाती कदम उठाने पर मजबूर किया। हालांकि पुलिस फिलहाल बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचे तथ्यों और सबूतों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। एसडीओपी विकास कुमार ने कहा कि पुलिस जल्दबाजी में किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचना चाहती। हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर अन्य तकनीकी एवं मनोवैज्ञानिक पहलुओं को भी जांच में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे नए तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के सात दिन बाद भी यह मामला रहस्य बना हुआ है और पूरे क्षेत्र की नजर पुलिस जांच पर टिकी हुई है।

मोटरसाइकिल की जोरदार टक्कर से ट्रक चालक गंभीर घायल हायर सेंटर रेफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बासी में मंगलवार देर रात एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्कर से ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल चालक रणदीप पिता दिनेश सहारे 25 वर्ष ग्राम तुमखेड़ा जिला गोंदिया निवासी है जिसे तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रणदीप पेशे से ट्रक चालक है और वह रंगलाल जी वनजारी का 12 चक्का टाटा ट्रक चलाता है। बताया गया कि 19 मई की रात रणदीप ट्रक में मक्का भरकर ग्राम बासी स्थित जेक्शन बायो फ्यूल कंपनी पहुंचे थे। कंपनी परिसर में ट्रक खड़ा करने के बाद रणदीप भोजन करने के लिए पैदल ही कंपनी गेट के बाहर स्थित एक होटल में गए थे।रात्रि लगभग 11 बजे भोजन कर वापस कंपनी लौटते समय रणदीप सड़क पार कर रहे थे। तभी वारासिवनी की ओर से तेज गति से आ रही मोटरसाइकिल ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि रणदीप सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत सहायता करते हुए 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से घायल को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल रणदीप का बयान लेकर इस मामले को जांच हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना वारासिवनी भिजवा दिया है।

उपेक्षा से नाराज भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ताओं ने अस्पताल परिसर पहुंचकर स्वयं किया भूमिपूजन

रेस्ट हाउस में बैठक कर जताई नाराजगी, वरिष्ठ व निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी का लगाया आरोप

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नवीन ५० बिस्तरों वाले अस्पताल भवन निर्माण को लेकर गत दिनों हुए भूमिपूजन कार्यक्रम को लेकर स्थानीय राजनीति में गर्माहट देखने को मिल रही है। शासकीय स्तर पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में कथित तौर पर उपेक्षा से आहत भाजपा के निष्ठावान और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर २० मई को शाम ५ बजे विश्राम गृह में बैठक आयोजित कर विरोध जताया और बैठक संपन्न होने के पश्चात् शाम ६ बजे बैड-बाजे के साथ बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता व पदाधिकारीगण अस्पताल परिसर पहुंचकर दोबारा ५० बिस्तरीय अस्पताल भवन निर्माण के लिए समारोहपूर्वक भूमिपूजन किया है। जबकि ५ दिन पूर्व १५ मई को बालाघाट-सिवनी सांसद श्रीमती भारती पारधी के मुख्य आतिथ्य एवं विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे की अध्यक्षता में ५० बिस्तरीय अस्पताल के भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन किया गया था। लेकिन भाजपा के अधिकांश कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में शामिल नही हुए थे और उन्होने उपस्थित जनप्रतिनिधियों पर उपेक्षा का आरोप लगाया था। जिसके बाद २० मई को भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ताओं ने अस्पताल पहुंचकर पुन: भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन किया है। जबकि भाजपा समर्थित सांसद के मुख्य आतिथ्य में १५ मई को भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ था। बावजूद उसके कार्यकर्ताओं ने एक ही निर्माण कार्य का दोबारा भूमिपूजन किया है। जिससे पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ताओं में विरोधाभास नजर आ रहा है। वहीं एक ही निर्माण कार्य का दो बार भूमिपूजन होने का मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

एक ही अस्पताल भवन निर्माण कार्य का दो बार हुआ भूमिपूजन, बना चर्चा का विषय

आपकों बता दें कि गत दिवस १५ मई को बालाघाट-सिवनी सांसद श्रीमती भारती पारधी के मुख्य आतिथ्य एवं बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे की अध्यक्षता में विधि-विधान से पूजा अर्चना कर करीब ९.९५ करोड़ रूपये की लागत से लालबर्रा में बनने वाले ५० बिस्तरों के अस्पताल निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया था और आमंत्रण कार्ड में भाजपा के कद्दावर नेताओं एवं पदाधिकारियों को अतिथि बनाकर सभी को आमंत्रित किया गया था। लेकिन कुछ भाजपा के कद्दावर, निष्ठावान और जमीनी कार्यकर्ताओं का आरोप था कि हमें आमंत्रित नहीं किया गया, जिससे कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश पनप गया और इस भूमिपूजन कार्यक्रम में उपेक्षा से आहत होकर भाजपा संगठन के विभिन्न मंडलों के अध्यक्षों एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों ने २० मई को शाम ५ बजे लालबर्रा रेस्ट हाउस में एक आवश्यक बैठक आयोजित की और बैठक में कार्यकर्ताओं ने खुलकर अपनी पीड़ा एवं नाराजगी व्यक्त की। कार्यकर्ताओं का कहना था कि पार्टी को सींचने वाले निष्ठावान कार्यकर्ताओं की इस तरह अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जायेगी। वहीं बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लेने के बाद सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता संयुक्त रूप से प्रस्तावित नवीन अस्पताल निर्माण स्थल (अस्पताल परिसर) पहुंचे। जहां उन्होंने पार्टी के बुजुर्ग एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के हाथों विधि-विधान से पुन: भूमिपूजन संपन्न करवाया। कार्यकर्ताओं ने संदेश दिया कि संगठन में निष्ठावान कार्यकर्ताओं का स्थान सर्वोपरि है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशासनिक अमले ने बनाई दूरी, कार्यकर्ता बोले- नहीं मिला था सम्मान

हैरानी की बात यह रही कि २० मई को हुए इस दूसरे भूमिपूजन कार्यक्रम में किसी भी स्तर का कोई प्रशासनिक अधिकारी या कर्मचारी उपस्थित नहीं रहा। कार्यकर्ताओं ने पूरी तरह अपने स्तर पर इस कार्यक्रम को अमलीजामा पहनाया। इस संबंध में अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट कहा कि १५ मई को संपन्न हुए शासकीय भूमिपूजन कार्यक्रम में भाजपा के मूल कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान नहीं दिया गया था और उनकी उपेक्षा की गई थी। इसी उपेक्षा का जवाब देने और भाजपा संगठन व कार्यकर्ताओं का गौरव बहाल करने के लिए आज दोबारा भूमिपूजन करने की आवश्यकता पड़ी।

उपेक्षित कार्यकर्ताओं ने पुन: किया भूमिपूजन - प्रसन्न

भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने बताया कि पूर्व में किये गये अस्पताल भूमिपूजन कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की गई थी। जबकि हमारा ही कार्यकर्ता मेहनत करके नेता तैयार करता है, जनप्रतिनिधियों को चुनकर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते है लेकिन भूमिपूजन कार्यक्रम में हमारे जनप्रतिनिधियों के नाम आमंत्रण कार्ड में नहीं छापे गये थे। जिससे नाराज होकर उपेक्षित कार्यकर्ताओं के द्वारा ५० बिस्तरीय अस्पताल भवन निर्माण कार्य का पुन: भूमिपूजन किया गया है। श्री अवधिया ने बताया कि हमारी डबल इंजन की सरकार है, सभी कार्यकर्ता एकजुट है और कार्यकर्ता ही सर्वोपरि है, पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन जी इस भूमिपूजन कार्यक्रम को हर्षोल्लास के साथ मानते, उनकी कमी हमें आज खली है, जिसे हम कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़े के साथ भूमिपूजन स्थल पर पहुंचकर पूरा किया है।

गौरी भाऊ के प्रयास से मिली है नवीन अस्पताल भवन की स्वीकृति - किशोर

जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने बताया कि पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन जी के प्रयासों से ९.९५ करोड़ रूपये की लागत से ५० बिस्तरीय अस्पताल भवन के निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली है। गत दिवस संपन्न हुए भूमिपूजन कार्यक्रम के फ्लेक्स से गौरी भाऊ की फोटो गायब कर दी गई थी। जिससे कार्यकर्ताओं में नाराजगी है और कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को सम्मान नही मिला था, कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की गई थी। श्री पालीवाल ने बताया कि २० मई को निष्ठावान कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित कर निर्णय लिया गया कि कार्यकर्ताओं के द्वारा भूमिपूजन किया जायेगा और वरिष्ठ कार्यकर्ता श्रवण भाऊ ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में अस्पताल निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया है और यह कार्यक्रम सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से सफल भी हुआ है।

जंगली भैंस के हमले से कुंजीलाल घायल, अस्पताल में उपचार जारी

सूखी लकड़ी बीनने गये ग्रामीणों पर वन्यजीव ने किया अचानक हमला, दो ने भागकर बचाई जान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा जनपद पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत धारावासी से लगे वन्य क्षेत्र में बुधवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जंगल में सूखी लकड़ी लेने गये ग्रामीणों पर एक जंगली भैंस ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में धारावासी निवासी ४८ वर्षीय कुंजीलाल उइके घायल हो गया है, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए लालबर्रा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। घटना के दौरान उनके दो साथी बाल-बाल बच गये। वहीं गांव के नजदीक वन्यप्राणी जंगली भैंस सहित अन्य हिंसक वन्यप्राणियों के दस्तक देने से ग्रामीणजन दहशत में है और जंगल से लगे खेतों की ओर जाने से डर रहे है जिससे उनका कृषि कार्य भी प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणजनों ने वन विभाग से जंगली भैंस सहित अन्य हिंसक वन्यप्राणियों को पकड़कर घने जंगल में छोड़ने एवं घायल को उचित मुआवजा दिलवाने की मांग की है।

ग्रामीणों में दहशत, मुआवजे की मांग

प्राप्त जानकारी के अनुसार धारावासी निवासी कुंजीलाल उइके बुधवार सुबह अपने दो अन्य साथियों के साथ जलाऊ सूखी लकड़ियां एकत्र करने के लिए पास के जंगल में गये हुए थे। तीनों साथी जंगल के अंदर लकड़ी बीन ही रहे थे कि तभी झाड़ियों के बीच से निकले एक जंगली भैंस ने कुंजीलाल पर सीधा हमला बोल दिया। जिसके बाद उन्होने बचाव-बचाव कहकर चिल्लाने लगा। जिसके बाद समीप में लकड़ी बीन रहे पवन नागेश्वर, श्रवण मानेश्वर ने वन्यजीव को समीप आते देखकर तत्परता दिखाते हुए भागकर जान बचाई और जमकर हल्ला किया। जिसके बाद जंगली भैंस उनकी आवाज सुनकर भाग गया नही तो कुंजीलाल सहित उनके साथियों पर हमला कर गंभीर रूप से उन्हे घायल कर सकता था। वहीं जंगली भैंस के हमले से कुंजीलाल घायल हो गया जिसके बाद उसके परिजनों व वन विभाग को घटना की जानकारी दी गई और तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाकर भर्ती किया गया जहां उपचार जारी है। इस घटना के बाद से धारावासी और आसपास के ग्रामीण अंचलों में भारी दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग के आला अधिकारियों से मांग की है कि वन्य क्षेत्र के आसपास विचरण कर रहे इस हिंसक जंगली भैंस को जल्द से जल्द पकड़े ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। इसके साथ ही ग्रामीणों ने पीड़ित कुंजीलाल उइके के इलाज के लिए वन विभाग से उचित मुआवजे दिलवाने की भी मांग की है। चर्चा में घायल कुंजीलाल उइके ने बताया कि अपने दो साथियों के साथ जंगल लकड़ी के लिए गया था तभी अचानक जंगली भैंस ने मुझ पर हमला कर दिया। जिसके बाद मेरे साथी आये जिनकी आहट सूनकर वह भाग गया नही तो जंगली भैंस मुझे गंभीर रूप से घायल कर देता। जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने बताया कि जंगली भैंस की हमले से ग्रामीण घायल हो गया है जिसे नाक व जबड़े में चोटे आई है जिसका उपचार लालबर्रा अस्पताल में जारी है। आगे बताया कि कुछ दिनों पूर्व बाघ के हमले से एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है, वन विभाग से मांग है कि वन्यप्राणियों को सुरक्षित पकड़कर घने जंगल में छोड़े और उचित मुआवजा दिलवाये।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में केमिस्टों का एक दिवसीय हड़ताल संपन्न

तहसीलदार को प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ऑनलाइन प्लेटफार्म्स के माध्यम से हो रही अवैध दवाओं की बिक्री अत्यधिक छूट और ई-प्रिस्क्रिप्शन के नाम पर हो रही धांधली के खिलाफ बुधवार को पूरे देशभर के दवा विक्रेताओं में भारी आक्रोश देखा गया। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्टस तथा मध्यप्रदेश राज्य केमिस्ट एंड ड्रगिस्टस एसोसिएशन के आव्हान में २० मई को लालबर्रा केमिस्टस एंड ड्रगिस्टस एसोसिएशन के द्वारा मेडिकल दुकाने पूर्णत: बंद रखकर एक दिवसीय हड़ताल की गई। जिसके बाद सभी मेडिकल संचालक तहसील कार्यालय पहुंचकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर इस गंभीर विषय पर तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। वहीं केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्टस एसोसिएशन के द्वारा की गई धरना प्रदर्शन (हड़ताल) के चलते लालबर्रा मुख्यालय की समस्त दवा दुकानें बंद रही। ऐसी स्थिति में जिन्हे दवाओं की आवश्यकता थी। उन्हे समय पर दवाई नही मिलने पर खासा परेशानियों का सामना करना पड़ा।

जनस्वास्थ्य और छोटे केमिस्टों के अस्तित्व पर गहरा संकट

सौंपे गये ज्ञापन के माध्यम से एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि देश और प्रदेश के लाखों दवा विक्रेता सदैव स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था और औषधि आपूर्ति तंत्र की रीढ़ रहे हैं। कोविड-१९ महामारी जैसे अत्यंत कठिन समय में भी इन स्थानीय दवा व्यापारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर देश के कोने-कोने में दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की थी परंतु वर्तमान में बिना किसी स्पष्ट वैधानिक प्रावधान के ऑनलाइन माध्यमों से दवाओं की धड़ल्ले से बिक्री की जा रही है। फ र्जी ई. प्रिस्क्रिप्शन और बिना वैध चिकित्सकीय परामर्श के घर-घर दवाएं पहुंचाई जा रही हैं। जो करोड़ों मरीजों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बन चुकी हैं। इसके अलावा कॉर्पोरेट ऑनलाइन कंपनियों द्वारा अपनाई जा रही प्रिडेटरी प्राइसिंग और अत्यधिक छूट के कारण देश के लाखों लाइसेंसधारी छोटे केमिस्टों और दवा व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी और अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। इसलिए सरकार से मांग है कि अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री के विरूध्द तत्काल एवं कठोर दंडात्मक कार्यवाही करे, बिना वैध एवं सत्यापित ई. प्रिस्क्रिप्शन के दवाओं की ऑनलाइन बिक्री और होम डिलीवरी को पूर्णत: प्रतिबंधित करने सहित अन्य मांगों को पूरा किये जाने की मांग की है। वहीं मांगे पूरी नही होने पर आगामी समय में भव्य आंदोलन करने की चेतावनी दी है। केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्टस एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं मेडिकल संचालक उपस्थित रहे।

व्यवसाय हो रहा प्रभावित - राजेश

मेडिकल संचालक राजेश गोस्वामी ने बताया कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के द्वारा ऑनलाइन दवाई बिक्री के विरोध को लेकर २० मई को सभी ने अपनी मेडिकल दुकानें पूर्णत: बंद रखकर एक दिवसीय हड़ताल की गई है और सरकार ने ऑनलाईन दवाई ब्रिकी पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। आगे बताया कि कुछ कंपनियां है जो ऑनलाइन दवाईयां विक्रय करती है और लोगों को घर तक दवाईयां पहुंचा कर देती है, ये बेहद ही सस्ते दामों में दी जाती है जिससे हमारे जो छोटे व्यापारी हैं उनका व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। सरकार से मांग है कि जो ऑनलाइन दवाईयों की खरीदी-बिक्री चालू है उस पर प्रतिबंध लगाये।

ऑनलाइन दवाई बिक्री पर प्रतिबंध लगाये सरकार - नरेश

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन अध्यक्ष नरेश जायसवाल ने बताया कि ऑनलाइन दवाईयां की बिक्री बढ़ चुकी है और यह दवाईयां नकली होने के साथ ही नशीली होती है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसलिए एसोसिएशन के राष्ट्रीय आव्हान पर ऑनलाइन दवाईयों की खरीदी-बिक्री को लेकर विरोध किया जा रहा है। सरकार से मांग है कि जो ऑनलाइन दवाईयां बिक्री हो रही है उस पर रोक लगाये ताकि लोगों को अच्छी दवाईयां मिल सके और यह दवाईयां डॉक्टरों की पर्ची पर मिलनी चाहिए एवं गुणवत्ता युक्त दवाई होनी चाहिए। इस ऑनलाइन दवाई बिक्री की वजह से जो व्यापार है वह कमजोर पड़ रहा है इसलिए इस पर प्रतिबंध लगना अत्यंत आवश्यक है।

आज मनाई जायेगी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में २१ मई को देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई जायेगी। यह कार्यक्रम जिला कांग्रेस महासचिव अनिल शर्मा के निवास स्थान पर शाम ५ बजे आयोजित किया गया है। नगर कांग्रेस अध्यक्ष एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीराम भोयर ने कांग्रेस के सभी वरिष्ठ मार्गदर्शकों, किसान कांग्रेस, युवा कांग्रेस, सेवादल, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस सहित समस्त ब्लॉक कार्यकारिणी के ऊर्जावान कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

अकीदत के साथ मनाया जायेगा ईद उल अजहा (बकरीद) का पर्व २७ को

बकरीद पर कुर्बानी के लिये बुधवार बाजार में बिकने आये बकरें, लोगों ने की खरीदी, महंगाई का दिखा असर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। हजरत इब्राहिम के त्याग व कुर्बानी की याद में मनाया जाने वाला पर्व ईद उल-अजहा (बकरीद) आगामी २७ मई को नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में मुस्लिम समुदाय के द्वारा हर्षोल्लास (अकीदत) के साथ जायेगा। जिसकी तैयारी में मुस्लिम समुदाय के लोग जुट चुके है। नगर मुख्यालय के हाईस्कूल मार्ग पर २० मई बुधवार को साप्ताहिक बाजार के दिन मुस्लिम समुदाय के त्याग व बलिदान का पर्व ईद उल अजहा में कुर्बानी के लिये सुंदर व आकर्षक बकरों की खरीदी के लिये बाजार गुलजार रहा है और ग्रामीण अंचलों व दूर दराज से बेहद आकर्षक व सुंदर बकरें इस साप्ताहिक बाजार में पहुंचे थे। जिनकी कीमत ५ हजार से लेकर ५० हजार रूपये तक थी और मुस्लिम भाईयों के द्वारा कुर्बानी के लिए इच्छा शक्ति के अनुसार बकरों की खरीदी की गई। इस दौरान बाजार में भीड़ भी रही और लोगों ने अपनी क्षमता के अनुसार कुर्बानी के लिए बकरे की खरीदी की भी है। आपकों बता दें कि मुस्लिम समुदाय के प्रमुख त्यौहारों में से एक ईद उल अजहा (बकरीद) का पर्व भी बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। जिसमें पुरानी मान्यताओं के आधार पर भेड़ या बकरे की कुर्बानी दी जाती है और यह पर्व रमजान के ७० दिनों के बाद मुस्लिम समुदाय के साल का अंतिम माह को मनाया जाता है। बकरीद को लेकर बुधवार साप्ताहिक लालबर्रा बाजार के दिन बाजार में रौनक दिखाई दी जिसमें दूर दराज से पहुंचे खरीददारों ने अपनी हैसियत के अनुसार बकरों की खरीदी की है। चर्चा में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बताया कि पिछले वर्षो की अपेक्षा इस वर्ष बकरों के दामों में बढ़ोतरी हुई है, पूर्व में ५ से १५ हजार रूपयों तक अज्छे बकरे मिल जाते थे परंतु महंगाई बढ़ने से बकरों के दामों में भी तेजी आ गई है। जिसका असर साफ तौर से बाजार में दिखाई दे रहा है और इस बाजार में ५ हजार से लेकर ५० हजार रूपयों से अधिक दामों के बकरे आये हुए है जिसकी खरीदी कर रहे है। वहीं विक्रेताओं ने बताया कि बकरों का पालन-पोषण कर विक्रय करने आये है और मेहताना के अनुसार उनके दाम तय करते है जो खरीददारों को उचित लगने पर तय राशि का भुगतान कर कुर्बानी के लिए बकरे अपने साथ लेकर जाते है। अफरोज खान ने बताया कि आगामी २७ मई को ईद उल अजहा (बकरीद) का पर्व मनाया जायेगा और इस पर्व पर बकरें की कुर्बानी दी जाती है एवं बुधवार बाजार के दिन ग्रामीण क्षेत्र के किसान भाई जो बकरी एवं बकरे पालन करते है वे बड़ी संख्या में बकरे लेकर आये है। यानि की बाजार में बकरें बिकने आये है जिसे खरीदने के लिए बालाघाट, सिवनी, वारासिवनी व लालबर्रा के मुस्लिम भाई बड़ी संख्या में पहुंचकर खरीदी करे रहे है और बाजार में ५ हजार से लेकर ५० हजार रूपये कीमत के बकरे आये है किन्तु महंगाई बढ गई है एवं मुस्लिम समुदाय के लोग अपनी हैसियत के अनुसार बकरे की खरीदी कर रहे।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में उतरे दवा व्यापारी

वारासिवनी में दवा दुकानें बंद रख तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री ई.फार्मेसी कंपनियों द्वारा दी जा रही अत्यधिक छूट और इसके कारण जनस्वास्थ्य व छोटे दवा व्यापारियों पर मंडरा रहे संकट के विरोध में देशव्यापी आह्वान पर वारासिवनी के समस्त केमिस्ट एवं दवा विक्रेताओं ने एकजुटता दिखाकर ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स तथा मध्य प्रदेश राज्य केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के आवाहन पर नगर के दवा व्यापारियों ने २० मई २०२६ को अपनी दुकानें पूरी तरह बंद रखकर एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की। इस दौरान केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार सुरेश उपाध्याय को सौंपकर इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की।

छोटे व्यापारियों के अस्तित्व पर संकट

एसोसिएशन ने ज्ञापन में बताया कि बिना किसी स्पष्ट वैधानिक प्रावधान के इंटरनेट के माध्यम से हो रही अवैध दवा बिक्री देश के करोड़ों मरीजों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर फर्जी ई.प्रिस्क्रिप्शन और बिना वैध चिकित्सीय परामर्श के घर घर दवाइयां पहुंचाई जा रही हैं। इसके अलावा ई.फार्मेसी कंपनियों के द्वारा अपनाई जा रही प्रिडेटरी प्राइसिंग और अत्यधिक छूट के कारण देश के लाखों लाइसेंस छोटे केमिस्टों के अस्तित्व पर सीधा संकट खड़ा हो गया है। दवा विक्रेताओं ने ध्यानाकर्षण कराया कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट १९४० एवं नियम १९४५ में ऑनलाइन दवा बिक्री को लेकर कोई स्पष्ट नियम नहीं हैं। वर्ष २०१८ में केवल जनमत आमंत्रित करने के लिए जारी की गई अधिसूचना अब पूरी तरह अप्रासंगिक हो चुकी है। इसी तरह कोविड महामारी के दौरान आपातकालीन परिस्थितियों के लिए जारी की गई अधिसूचना अब सामान्य दिनों में कोई आवश्यकता नहीं है। लेकिन विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स और क्विक कॉमर्स कंपनियाँ अनियंत्रित होम डिलीवरी के लिए इसका गलत इस्तेमाल कर रही हैं। ज्ञापन के माध्यम से दवा विक्रेताओं ने केंद्र सरकार से अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफतत्काल और कठोर दंडात्मक करने बिना वैध और सत्यापित ई.प्रिस्क्रिप्शन के दवाओं की बिक्री और होम डिलीवरी को पूर्णतः प्रतिबंधित करने पुरानी अधिसूचनाओं जीएसआर८१७ इ और जीएसआर २२० ई को तत्काल प्रभाव से वापस लेने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के द्वारा दी जा रही अत्यधिक छूट और बाजार को नुकसान पहुँचाने वाली मूल्य नीतियों पर रोक लगाने मांग की हैं। इस अवसर पर संजीव जायसवाल, दिलीप रुसिया ,सुरेश करन ,नरेंद्र रहांगडाले ,समीर बिसेन, संदीप रुसिया, स्वप्निल कुंभारे ,मंगेश चापुकर ,सुरेंद्र बाँगरे ,राजेश परयानी ,दिलेंद्र देशमुख सहित बड़ी संख्या में दवा व्यापारी मौजूद रहे।

ऑनलाइन दवा बिक्री बंद हो यह पूरी तरह से अवैध है-संजीव जायसवाल

संजीव जायसवाल ने बताया कि वारासिवनी में दवा दुकान पूरी तरह बंद है एसडीएम को ज्ञापन देने के लिए यहां पर हम सभी दवा व्यापारी आए हुए हैं। हम चाहते हैं कि यह ऑनलाइन दवा बिक्री बंद हो यह पूरी तरह से अवैध है। क्योंकि कई दवा पर्ची पर दी जाती है कुछ ऐसे ड्रग होते हैं जो बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं मिलते हैं परंतु ऑनलाइन में यह पुरानी पर्ची पर भी मिल जाते हैं जो अवैध है। इसी के साथ बड़ी कंपनियां ऐसा डिस्काउंट दे रही है कि जितना हमारा मार्जिन भी नहीं है यह हमारे हितो को प्रभावित करता है। यदि जल्द हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो आगे और आंदोलन होगा।

ऑनलाइन दवा बिक्री का दुष्परिणाम मानव जीवन पर बहुत ज्यादा प्रभावित हो रहा है-डिलेन्द्र देशमुख

डिलेन्द्र देशमुख ने बताया कि दवा व्यापारियों का यह देशव्यापी आंदोलन है यह क्रांति लगातार आगे बढ़ेगी और हर दवा व्यापारी से सहयोग हमेशा करता रहेगा। आज हम सभी की दवा दुकान बंद है ऑनलाइन दवा बिक्री का दुष्परिणाम मानव जीवन पर बहुत ज्यादा पड़ रहा है। प्रतिबंधित दवा आसानी से युवा वर्ग के हाथों में लग रही है। वहीं छोटा व्यापारी संघर्ष कर अपना व्यापार स्थापित करता है उसे इस ऑनलाइन दवा बिक्री का दुष्परिणाम झेलना पड़ता है कि उसकी बदनामी होती है। जो कॉर्पोरेट के माध्यम से चैन तैयार कर दवा पहुंचा रहे हैं इससे स्थानीय दवा विक्रेताओं को परेशानी आ रही है। कई बार पता चलता है कि ऑनलाइन में नकली दवा भी सप्लाई की जाती है जिससे संबंधित व्यक्ति के शरीर पर भी असर पड़ता है इसी विषय को लेकर हमारा विरोध है।

ऑल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट संगठन के तहत १२ लाख से अधिक दवा व्यापारियों ने बंद का आह्वान किया-समीम बिसेन

समीर बिसेन ने बताया कि ऑल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट संगठन के तहत १२ लाख से अधिक दवा व्यापारियों ने इस बंद का आह्वान किया है। तहसील से लेकर ग्राम और महानगरों में सभी प्रकार की दुकान बंद है। यह जो भारी डिस्काउंट के साथ दवा बेची जाती है ऑनलाइन दवा आसानी से उपलब्ध कराई जाती है ,कॉर्पोरेट लोग दुकानों की चैन बढ़ा रहे हैं इसका सीधा प्रभाव छोटे व्यापारियों पर पढ़ रहा है। जबकि सरकार छोटे व्यापारियों को बढ़ावा देने की बात करती है और हम भी चाहते हैं कि छोटा व्यापारी आगे बढ़े इसी उद्देश्य से हमने यह विरोध किया है और आज ज्ञापन भी दिया है।

कायदी के आम तालाब में मर रही

जलकुंभी और गंदगी से बदहाल हुआ तालाब

ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई सफाई की गुहार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनपद पंचायत वारासिवनी अंतर्गत ग्राम पंचायत कायदी का आम तालाब इन दिनों बदहाली और उपेक्षा का शिकार बना हुआ है।

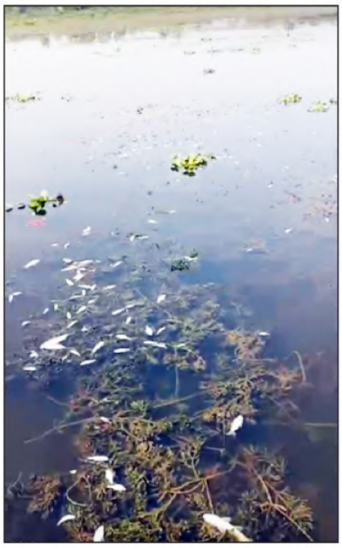

कभी लगभग 50 एकड़ क्षेत्र में फैला यह विशाल तालाब अब सिकुड़कर सीमित दायरे में रह गया है। तालाब में फैली जलकुंभी, बेशर्म की झाड़ियों और बढ़ती गंदगी के कारण यहां लगातार मछलियों की मौत हो रही है। जिससे स्थानीय मछुआरों के सामने आर्थिक संकट गहराने लगा है।

लगातार मर रही मछलियां, मछुआरों पर संकट

ग्रामीणों के अनुसार बीते कई दिनों से तालाब में मछलियां अचानक मरती हुई दिखाई दे रही हैं। तालाब में ऑक्सीजन की कमी, सड़ांध और दूषित पानी के कारण यह स्थिति उत्पन्न हो रही है। मछलियों की लगातार हो रही मौत से तालाब पर निर्भर मछुआरा समुदाय को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते स्थिति पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो तालाब की संपूर्ण मत्स्य संपदा नष्ट हो सकती है।

जलकुंभी और बेशर्म की झाड़ियों ने घेरा तालाब

ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से तालाब की साफ-सफाई नहीं होने के कारण जलकुंभी और बेशर्म की झाड़ियों ने पूरे तालाब को अपनी चपेट में ले लिया है। इससे तालाब का जल प्रवाह प्रभावित हो रहा है और पानी सड़ने लगा है। गर्मी बढ़ने के साथ जलस्तर भी काफी नीचे चला गया है, जिससे गंदगी और दुर्गंध की समस्या और गंभीर हो गई है।

मवेशियों के लिए भी अनुपयोगी हुआ पानी

स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि तालाब का पानी अब मवेशियों के पीने योग्य भी नहीं बचा है। तालाब के आसपास तेज दुर्गंध फैल रही है, जिससे ग्रामीणों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र सफाई नहीं करवाई गई तो आने वाले दिनों में यह तालाब बीमारियों का कारण भी बन सकता है।

जनपद पंचायत पर लापरवाही के आरोप

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि तालाब जनपद पंचायत वारासिवनी के अधीन होने के बावजूद इसकी नियमित देखरेख नहीं की गई। यदि समय रहते जलकुंभी और झाड़ियों की सफाई करवा दी जाती तो आज यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। लोगों का कहना है कि प्रशासनिक उदासीनता के कारण तालाब की प्राकृतिक व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ गई है।

ग्रामीणों की प्रशासन से मांग

ग्रामवासियों ने प्रशासन से तत्काल तालाब की व्यापक सफाई करवाने, जलकुंभी एवं बेशर्म की झाड़ियों को हटाने तथा पानी को स्वच्छ बनाने की मांग की है। साथ ही तालाब में मछलियों की मौत के कारणों की जांच कर उचित कदम उठाने की भी मांग की गई है, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो।ग्रामीणों का कहना है कि यह तालाब गांव की जीवनरेखा है और इससे न केवल मछुआरों की आजीविका जुड़ी है, बल्कि मवेशियों और आसपास के लोगों की जरूरतें भी पूरी होती हैं। ऐसे में प्रशासन को तत्काल जनहित में कार्रवाई करनी चाहिए।

वारासिवनी में दिनदहाड़े चोरी, सांदीपनि स्कूल की महिला कर्मचारी के सूने मकान में चोरो का धावा

वार्डोवासियों ने एक चोर को रंगेहाथ दबोचा, मुख्य आरोपी फरार

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर ३ से लगे ग्राम वारा के शिवधाम मोहल्ले में २० मार्च की दोपहर दिनदहाड़े चोरी का एक सनसनीखेज वारदात सामने आया है। यहाँ एक सूने मकान को निशाना बना रहे दो शातिर चोरों में से एक को स्थानीय वार्ड वासियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए मौके पर ही धर दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी को तत्काल पुलिस के हवाले कर दिया गया है। हालांकि घर के भीतर घुसकर मुख्य रूप से चोरी की वारदात को अंजाम दे रहा प्रमुख चोर नगदी रूपये लेकर मौके से फरार होने में कामयाब रहा। पुलिस फिलहाल पकड़े गए आरोपी से कढ़ाई से पूछताछ कर रही है।

ताला तोड़कर अंदर घुसा था चोर बाहर निगरानी कर रहा था एक साथी

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवधाम मोहल्ला निवासी श्रीमती आशा गेड़ाम सांदीपनि विद्यालय में कर्मचारी के पद पर कार्यरत हैं। रोज की तरह वे बुधवार को भी अपने घर के मुख्य गेट और मकान के अंदरूनी दोनों दरवाजों पर अच्छी तरह से ताले लगाकर ड्यूटी पर गई हुई थीं। दोपहर के समय मकान को सूना देख दो चोरों ने वहाँ धावा बोल दिया। योजना के मुताबिक मुख्य चोर मकान के दोनों दरवाजों के ताले तोड़कर भीतर दाखिल हो गया और अलमारियों को खंगालने लगा। वहीं उसका दूसरा साथी बाहर मोटरसाइकिल पर सवार होकर आसपास नजर बनाए हुए था ताकि किसी के भी आने की भनक अपने साथी को दे सके। दोपहर करीब ४ बजे जब श्रीमती आशा गेड़ाम अचानक अपने घर वापस लौटीं तो नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। बाहर गेट का ताला तो लगा था लेकिन अंदर के दरवाजों के ताले टूटे हुए थे। जैसे ही वे अंदर दाखिल हुई आहट पाकर घर के भीतर मौजूद चोर बाहर की तरफ भागा। इस दौरान मकान मालिक और चोर दोनों का आमना सामना हो गया। खुद को घिरता देख चोर ने श्रीमती गेड़ाम को जोरदार धक्का दिया और मौके से भाग निकला। श्रीमती गेड़ाम ने हिम्मत ना हारते हुए तुरंत शोर मचाना शुरू कर दिया। चीख.पुकार सुनकर आसपास के वार्डवासी और पड़ोसी तत्काल मौके की तरफ दौडे। भाग रहे मुख्य चोर को तो वे नहीं पकड़ पाए लेकिन घर के बाहर मोटरसाइकिल पर बैठकर रेकी कर रहे उसके साथी को सजग नागरिकों ने चारों तरफ से घेराबंदी करके मौके पर ही धर दबोचा। घटना की सूचना तुरंत डायल ११२ और वारासिवनी पुलिस थाना को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और पकड़ गए आरोपी को हिरासत में लेकर थाने आई। इस अज्ञात मुख्य चोर ने घर के भीतर रखी सभी अलमारियों के ताले तोड दिए थे और उसमें रखे नगद रुपयों पर हाथ साफ कर दिया। हालांकि गनीमत यह रही कि चोर मुख्य लॉकर को खोलने में नाकाम रहा जिससे एक बड़ी चोरी होने से बच गई।

जनता में बढ़ रहा खौफ

विदित हो कि वारासिवनी और आसपास के क्षेत्रों में बीते एक लंबे समय से चोरी की वारदातों पर पूरी तरह विराम लगा हुआ था जिससे नागरिक राहत महसूस कर रहे थे। परंतु पिछले कुछ दिनों से अचानक क्षेत्र में चोरियों की वारदातें दोबारा बढ़ने लगी हैं। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं के कारण अब स्थानीय निवासियों में भारी भय और असुरक्षा का माहौल व्याप्त है। दिनदहाड़े हो रही इन वारदातों से वे डरे हुए हैं कि कब कौन पीठ पीछे उनकी गाड़ी कमाई पर हाथ साफ कर दें। हालत यह है कि अब लोग अपने घरों को सूना छोड़कर कहीं भी बाहर जाने से कतराने लगे हैं। नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और फरार मुख्य आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजने की मांग की है।

आशा गेडाम के घर दिनदहाड़े हुई चोरी एक चोर पकडे दुसरा फरार हुआ-अमित दमाहे

वार्डवासी अमित दमाहे ने बताया कि मेरे पड़ोस में श्रीमती आशा गेड़ाम आंटी रहती है वह स्कूल गई हुई थी जहां से वापस आई तो उनके घर के अंदर चोर घुसा हुआ था। आहट मिलते ही चोर आंटी को धक्का देकर भागने लगा वह भाग गया उसका दूसरा साथी गाड़ी चालू कर रहा था तो उसे हमने पकड़ लिया। फिर डायल ११२ को बुलाया थाने हम उसे लेकर आए हैं घटना करीब दोपहर ४ बजे की है। उसके आधा घंटा पूर्व ही यह लोग घर के अंदर घुसे रहे होंगे चोरियां बढ़ रही है अभी इसके पहले श्री खरोले के घर चोरी हुई थी। उसके पहले भी कई बार चोरियां हुई है कुछ में आरोपी भी पकड़े गए हैं परंतु इस प्रकार की चोरियां होना ठीक नहीं है।

चोरो ने मुझे धक्का दिया और चोरी कर भाग गयें-आशा गेड़ाम

पीड़िता श्रीमती आशा गेड़ाम ने बताया कि मैं अपने घर में तीन ताले लगाकर स्कूल गई हुई थी। वहां से ३.४५ बजे घर वापस आई तो सामने का गेट जिस पर ताला लगा था वह मैंने खोला सामने और बीच का जो दरवाजा है उसका ताला टूटा हुआ था। अंदर चोर था मैं ताला खोल कर पैर धुलती हूं नल चालू की तो अंदर चोर सचेत हो गया जो मुझे धक्का देकर भाग गया। उसका साथी भी बाहर बैठा हुआ था जिस वार्डवासियों ने पकड़ लिया। इस चोर के द्वारा अंदर अलमारी के ताले तोड़ दिए गए थे पूरा सामान घर के अंदर बिखरा हुआ है बाहर जो मैंने करीब १०००० रुपये रखे थे वह चोरी हो गए हैं। लाकर खोलने का प्रयास किया जा रहा था परंतु मैं आ गई थी तो वह भाग गया हम थाने में शिकायत देने आए हैं पुलिस इस पर कार्यवाही करें।

सड़क हादसे में मोटरसाइकिल चालक घायल

सिविल अस्पताल में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मंगेझरी से महाराजपुर मार्ग पर बुधवार सुबह एक सड़क हादसा सामने आया है। इस दुर्घटना में एक मोटरसाइकिल चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है जिसे राहगीरों और परिजनों की मदद से तत्काल सिविल अस्पताल वारासिवनी में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मंगेझरी निवासी योगेंद्र पिता लक्ष्मीचंद शरणागत ३० वर्ष प्रतिदिन की तरह बुधवार की सुबह करीब ९ बजे अपने घर से मोटरसाइकिल पर सवार होकर वारासिवनी में अपने रोजगार के लिए निकले थे। इसी दौरान मंगेझरी महाराजपुर मार्ग पर अज्ञात कारणों से उनकी मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा इतना जोरदार था कि योगेंद्र गंभीर रूप से जख्मी होकर सड़क किनारे बेसुध स्थिति में गिर गए। वहां से गुजर रहे स्थानीय ग्रामीणों ने जब घायल युवक को देखा तो तुरंत इस घटना की सूचना उनके परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना समय गंवाए आपातकालीन सेवा डायल ११२ की मदद से घायल योगेंद्र को वारासिवनी के सिविल अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों के द्वारा घायल युवक का त्वरित उपचार शुरू कर दिया गया है।

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण

मध्य प्रदेश के धार में भोजशाला-कमाल मौला परिसर के मिश्रित वास्तु ने एक सदी से ज्यादा समय तक अपनी धार्मिक पहचान के बारे में अनिश्चितता को बनाये रखा है। राम जन्मभूमि गोलबंदी के समय के आसपास इस विवाद ने और जोर पकड़ा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने साल 2003 में अलग-अलग आस्थाओं के लोगों के लिए इसके बारी-बारी से इस्तेमाल का इंतजाम किया। यह मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में एक याचिका दायर होने तक चलता रहा, जिसमें इसका 'असल' चरित्र तय करने के लिए एक नये सर्वेक्षण की मांग की गयी। हाईकोर्ट ने साल 2024 में मांग स्वीकार कर ली। सुप्रीम कोर्ट ने भी कुछ सुरक्षा उपायों के साथ सर्वेक्षण की इजाजत दे दी। बीते 15 मई को, हाईकोर्ट ने इस बात पर जोर देते हुए कि वह केवल धार्मिक चरित्र निर्धारित कर रहा है, फैसला सुनाया कि यह परिसर हिंदू मंदिर रहा है और सुझाव दिया कि मुस्लिम पक्ष को राज्य से वैकल्पिक जगह मांगनी चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत द्वारा जनवरी में भोजशाला पर कानूनी कार्यवाही को पुनर्जीवित करने के बाद आया यह निष्कर्ष पुरातात्विक साक्ष्यों की कद्र और शीर्ष अदालत के साल 2019 के अयोध्या फैसले, खासकर ‘संभावना को अधिक महत्व’ और ‘आस्था व विश्वास’ के सिद्धांतों पर आधारित था। उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 ने सभी स्थलों का धार्मिक चरित्र 15 अगस्त, 1947 के दिन की स्थिति के मुताबिक स्थिर कर दिया था, लेकिन यह मामला धारा 4(3) में मौजूद उस छिद्र के जरिए बढ़ाया गया जो 'प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष अधिनियम 1958' के तहत 'प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारकों' को छूट प्रदान करता है। हाईकोर्ट द्वारा किये गये निर्धारण को देखते हुए, यह एक प्रक्रियात्मक चोर दरवाजा है जो इस अधिनियम की मूल भावना को भीतर से खोखला कर रहा है।

सीजेआई की संलिप्तता को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दीवानी मुकदमों को रोकने और लगभग समान नतीजे हासिल करने के लिए जनहित याचिकाओं (पीआईएल) को इजाजत देने के रूप में भी देखा जा सकता है। अदालतों को लग सकता है कि वे तटस्थ निर्णयकर्ता हैं, लेकिन वे राजनीतिक रूप से ध्रुवीकृत जमीन पर काम रही हैं। भोजशाला मुकदमेबाजी के कुछ हिस्सों की शुरुआत करने वाले 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' जैसे समूह राजनीतिक समर्थन प्राप्त संगठन हैं जो न्यायिक निष्कर्षों का इस्तेमाल विवादित धार्मिक स्थलों के इर्द-गिर्द आंदोलन मजबूत बनाने के लिए करते हैं। मध्यकालीन ढांचों में पुरातात्विक अस्पष्टता नयी नहीं है; हालांकि, अदालतों द्वारा यह पूछने के रूप में कि 'पहले' वहां क्या था, वाद-प्रतिवाद मुकदमेबाजी (एडवर्सेरियल लिटिगेशन) ऐसी मनमानी सीमाओं की शुरुआत कर सकती है जो बहुसंख्यक राजनीतिक माहौल के अनुकूल हों। एक स्वभाविक सवाल है- क्यों मध्यकालीन विजय पर ही यह लकीर खींची जाए और हिंदू-पूर्व इतिहास तक पीछे न जाया जाए? भोजशाला पर आये निर्णय से संकेत मिलता है कि अयोध्या फैसले ने अल्पसंख्यक धार्मिक स्थलों के दर्जे को बार-बार चुनौती देने का रास्ता बना दिया है, भले ही वे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित हों। इस बढ़ती सूची में पहले ही ज्ञानवापी, शाही ईदगाह और बीजामंडल परिसर शामिल हैं। सन् 1991 के अधिनियम को सख्ती से लागू करने की जरूरत है, और धार्मिक चरित्र का कोई निर्धारण नहीं होना चाहिए सिवाय उस स्थिति के जब मामला अधिनियम बनने के समय पहले से लंबित स्वामित्व विवादों से संबंधित हो। यह भी समान रूप से महत्वपूर्ण है कि साझा इस्तेमाल एक मानदंड होना चाहिए क्योंकि 'प्रथम' स्वामित्व के किसी भी सवाल से ज्यादा लोकतांत्रिक सह-अस्तित्व की अहमियत है।

क्या है भारत में विद्या व विद्यार्थियों का भविष्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्वारा देश से की जा रही मन की बात के 131वें एपिसोड में गत 22 फ़रवरी 2026 को छात्रों से परीक्षा पे चर्चा की थी। अपने इस संवाद कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने छात्रों को दिये गये उपदेशों में कहा कि अंकों से किसी की योग्यता तय नहीं होती। शिक्षा जीवन को संवारने का एक माध्यम है, जबकि परीक्षा केवल आत्म-मूल्यांकन का ज़रिया है। उन्होंने छात्रों से परीक्षा को किसी बड़े बोझ या हौवे के रूप में देखने के बजाय इसे एक उत्सव की तरह मनाने की अपील की थी। पढ़ाई, आराम, शारीरिक खेलकूद और अपने शौक़ के बीच एक सही संतुलन बनाने को ज़रूरी बताया था। मोदी ने छात्रों को सलाह दी थी कि कुछ छात्र रात में पढ़ना पसंद करते हैं तो कुछ सुबह जल्दी, अपनी इसी मूल शैली पर विश्वास रखें। उन्होंने छात्रों को यह सलाह भी दी कि वे अपने मन की चिंताओं को अपने माता-पिता और परिवार के साथ खुलकर साझा करें, जिससे मानसिक तनाव कम होता है। अभिभावकों को सलाह देते हुये उन्होंने कहा था कि माता-पिता को बच्चों पर उनकी इच्छा के विरुद्ध विशिष्ट करियर चुनने का दबाव नहीं बनाना चाहिए। हर बच्चा अपने आप में अनूठा होता है। इसी तरह उन्होंने शिक्षकों को भी सलाह दी कि उन्हें छात्रों की सीखने की गति को समझना चाहिए और उनके लिए ऐसे लक्ष्य तय करने चाहिए जो पहुंच में हों लेकिन जिन्हें प्राप्त करने के लिए थोड़ी मेहनत करनी पड़े।

प्रधानमंत्री के उपरोक्त कथन में यह बात पूरी तरह विरोधाभासी है कि अंकों से किसी की योग्यता तय नहीं होती। क्योंकि आज के दौर में एडमिशन,वरीयता सूची,श्रेणी निर्धारण,चयन आदि हर जगह अंक प्रतिशत की ही होड़ लगी हुई है। परन्तु

प्रधानमंत्री ने इन्हीं छात्रों को कभी यह नहीं बताया कि यदि आपकी जी तोड़ मेहनतों के बाद परीक्षा के पर्चे लीक हो जायें व परीक्षा ही स्थगित कर दी जाये तो आख़िर छात्रों को ऐसे सदमे से कैसे उबरना चाहिये। और जो छात्र इस कुप्रबंधन का शिकार होकर किसी कारणवश पुन: परीक्षा में बैठने योग्य न रह सके और इसी कारण उसका जीवन व भविष्य चौपट हो जाये उस छात्र को उसके अभिभावकों को या फिर सरकार अथवा इस दुर्व्यवस्था के ज़िम्मेदारों को क्या करना चाहिये ? हालाँकि प्रधानमंत्री मोदी पेपर लीक के मुद्दे पर जुलाई 2024 में संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान अपना आधिकारिक बयान दे चुके है। उन्होंने संसद में देश के हर छात्र और नौजवान को भरोसा दिलाते हुए कहा था कि सरकार परीक्षाओं में होने वाली ऐसी गड़बड़ियों और पेपर लीक को रोकने के लिए अत्यंत गंभीर है। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी दी थी कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी आरोपी या माफ़िया को क़तई बख़्शा नहीं जाएगा और उन्हें सख़्त से सख़्त सज़ा दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने परीक्षा प्रणाली और पूरे सिस्टम को पुख़्ता व पारदर्शी बनाने के लिए सरकार द्वारा युद्ध स्तर क़दम उठाने की बात कही थी।

परन्तु आश्चर्य की बात तो यह है कि प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद भी पेपर लीक की घटना समाप्त नहीं हुई है। अभी इसी मई 2026 में आयोजित हुई नीट परीक्षा को पेपर लीक विवादों और धांधली की शिकायतों के बाद सरकार द्वारा रद्द कर दिया गया है और अब इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। इस परीक्षा में 22,05,035 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे। आज इन 22 लाख से अधिक छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है। पेपर लीक और उसे रद्द किए जाने से उपजे मानसिक तनाव के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों से कम से कम 4 छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की दुखद ख़बरें सामने आई हैं। इनमें एक छात्र प्रदीप मेघवाल (उम्र 22 वर्ष) राजस्थान के झुंझुनूं ज़िले का था जबकि ऋतिक मिश्रा (उम्र 21 वर्ष) उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी का निवासी था। यह ऋतिक का नीट परीक्षा का तीसरा प्रयास था और वे इस बार चयन को लेकर बेहद आश्वस्त था। परीक्षा रद्द होने की ख़बर से वह मानसिक रूप से पूरी तरह टूट गया था। इसी तरह 20 वर्षीया अंशिका दिल्ली के आज़ादपुर (आदर्श नगर) इलाक़े की रहने वाली थी। जबकि 17 वर्षीय सिद्धांत हेगड़े दक्षिण गोवा के कर्टोरिम का रहने वाला था। हेगड़े पेपर लीक की घटना से इतना आहत था कि उसने अपने सुसाइड नोट में लिखा कि वह अब और प्रतियोगी परीक्षाएं नहीं देना चाहता।

एक तरफ़ तो नीट पेपर लीक के चलते 22 लाख से अधिक मेधावी छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है साथ ही देश में गत 10 वर्षों के दौरान भारत में लगभग एक लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं। तो दूसरी तरफ़ लाखों रूपये ख़र्च कर अयोग्य व निठल्ले लोग डॉक्टर्स की फ़र्ज़ी डिग्री लेकर मरीज़ों की जान से खिलवाड़ करते फिर रहे हैं। पिछले दिनों भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश के दमोह ज़िले से पुलिस ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत चल रहे सरकारी संजीवनी क्लीनिकों में MBBS की फ़र्ज़ी डिग्री के आधार पर नौकरी कर रहे 3 नक़ली डॉक्टरों को गिरफ़्तार किया। ग्वालियर निवासी कुमार सानू शाक्य, देवेंद्र चौधरी और जबलपुर के पल्लव जैन ने गिरफ़्तारी के बाद पूछताछ में स्वीकार किया कि उन्होंने अपनी MBBS की डिग्रियां और मध्य प्रदेश मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रेशन सर्टिफ़िकेट 8,00,000 से 10,00,000 तक में ख़रीदे थे। दमोह के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जब दस्तावेज़ों का वेरिफ़िकेशन कराया गया, तो डिग्री और रजिस्ट्रेशन नंबर पूरी तरह फ़र्ज़ी पाए गए।

सवाल यह है कि जब नीट जैसी अति महत्वपूर्ण परीक्षा के इतिहास में अब तक 5 बार बड़े स्तर पर पेपर लीक और धांधली के गंभीर मामले सामने आ चुके हों जिनकी आधिकारिक जांच या अदालती कार्यवाही भी हुई हो। इसके अतिरिक्त पिछले कुछ वर्षों में देश के अलग-अलग राज्यों में 70 से अधिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हों जिससे करोड़ों मेधावी छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है उधर 8 -10 लाख रुपये में डॉक्टरी की डिग्री हासिल की जा रही हो ऐसे में भारत में विद्या व विद्यार्थियों के भविष्य के बारे में आसानी से सोचा जा सकता है।

- निर्मल रानी

रक्तरंजित राहों पर शांति का संकल्प

किसी कवि ने क्या खूब लिखा है- आतंकवाद से धरा दूषित है, इसे शुद्ध हो जाने दो। हाथ खोल दो वीरों के अब महायुद्ध हो जाने दो। भारत ही नहीं पूरे विश्व के लिए वास्तव में आतंकवाद आज पूरी मानवता के लिए एक नासूर बन चुका है।सच तो यह है कि यह ऐसा दंश है, जिसमें केवल जहर ही जहर भरा है। आज भारत ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व आतंकवाद जैसी गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। गरीबी, जनसंख्या वृद्धि, निरक्षरता और असमानता जैसी समस्याएँ अपनी जगह हैं, किंतु आतंकवाद इन सबमें सबसे अधिक खतरनाक है, क्योंकि यह सीधे मानव सभ्यता, शांति और राष्ट्रीय एकता पर हमला करता है। आतंकवाद मानवता का दुश्मन है और इसका समूल नाश आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।

पाठक जानते होंगे कि प्रतिवर्ष 21 मई को भारत में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस (एंटी टेररिज्म डे) मनाया जाता है। यह दिन मुख्य रूप से भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के रूप में उनकी स्मृति में मनाया जाता है। वर्ष 1991 में तमिलनाडु के श्रीपेरुमबुदुर में एक आत्मघाती आतंकी हमले में उनकी हत्या कर दी गई थी। वास्तव में,इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आतंकवाद और उग्रवाद से दूर रखना तथा समाज में शांति, एकता और सद्भाव का संदेश देना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस लोगों को आतंकवाद और हिंसा के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का दिन है।दरअसल, इस दिवस का उद्देश्य केवल आतंकवाद का विरोध करना भर नहीं है, बल्कि समाज में भाईचारा, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना भी है। यह दिन युवाओं को आतंकवाद और कट्टरता के खतरों से अवगत कराता है तथा हिंसा के स्थान पर संवाद, लोकतांत्रिक सोच और मानवीय मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। साथ ही आतंकवाद से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करने और नागरिकों में आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता अर्थात जीरो टॉलरेंस की भावना विकसित करने का संदेश भी देता है।इस दिन देशभर के सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों द्वारा आतंकवाद विरोधी शपथ ली जाती है। इस प्रतिज्ञा में बिना किसी धर्म या संप्रदाय का नाम लिए मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव और आपसी समझ को बढ़ावा देने तथा विघटनकारी शक्तियों से लड़ने का संकल्प लिया जाता है। इसके अतिरिक्त विद्यालयों और संस्थानों में वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, सेमिनार, व्याख्यान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं तथा आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में शहीद हुए जवानों और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।

राजीव गांधी की हत्या भारतीय इतिहास की सबसे चर्चित आतंकी घटनाओं में से एक थी। यह हमला श्रीलंका के उग्रवादी संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ़ तमिल ईलम यानी एलटीटीई द्वारा किया गया था। एक महिला आत्मघाती हमलावर 'थानु' (धनु) ने फूलों का हार पहनाने के बहाने विस्फोट कर दिया, जिसमें राजीव गांधी की मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद भारत की आंतरिक सुरक्षा और वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किए गए। विशेष सुरक्षा समूह यानी विशेष सुरक्षा समूह(एसपीजी) के नियमों को अत्यंत सख्त बनाया गया तथा पूर्व प्रधानमंत्रियों और उनके परिवारों को भी सुरक्षा दायरे में लाया गया।

यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि एलटीटीई यानी कि लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम श्रीलंका का एक अलगाववादी गुरिल्ला संगठन था, जिसने श्रीलंका के उत्तर और पूर्वी भागों में तमिलों के लिए एक स्वतंत्र राष्ट्र तमिल ईलम की मांग को लेकर लगभग तीन दशकों तक सशस्त्र संघर्ष किया। इसकी स्थापना वर्ष 1976 में वेलुपिल्लई प्रभाकरन द्वारा की गई थी। प्रभाकरन अंत तक इस संगठन का सर्वोच्च और तानाशाही कमांडर बना रहा। एलटीटीई का आत्मघाती दस्ता ब्लैक टाइगर्स कहलाता था, जिसे दुनिया के सबसे खतरनाक और अनुशासित आत्मघाती दस्तों में गिना जाता था।दरअसल, श्रीलंका (तत्कालीन सीलोन) को वर्ष 1948 में स्वतंत्रता मिलने के बाद वहाँ बहुसंख्यक सिंहली समुदाय और अल्पसंख्यक तमिलों के बीच जातीय तनाव बढ़ने लगा। तमिलों का आरोप था कि सरकारी नौकरियों, शिक्षा और नागरिकता के मामलों में उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। इसी असंतोष ने धीरे-धीरे उग्रवाद का रूप ले लिया और एलटीटीई जैसे संगठन का जन्म हुआ। शुरुआत में श्रीलंका में तमिलों पर हो रहे अत्याचारों के कारण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में, एलटीटीई के प्रति सहानुभूति थी। वर्ष 1987 में भारत-श्रीलंका समझौते के तहत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भारतीय शांति सेना श्रीलंका भेजी, लेकिन एलटीटीई ने हथियार डालने से इनकार कर दिया और भारतीय सेना से ही संघर्ष शुरू कर दिया। इसके बाद संबंध बेहद तनावपूर्ण हो गए। अंतत: 21 मई 1991 को एलटीटीई ने आत्मघाती हमले में राजीव गांधी की हत्या कर दी, जिसके बाद भारत सरकार ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया। बाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एलटीटीई को आतंकवादी संगठन घोषित किया गया और उसकी फंडिंग कमजोर पड़ती गई। अंतत: वर्ष 2006 से 2009 तक चले चौथे ईलम युद्ध में श्रीलंकाई सेना ने एलटीटीई को पूरी तरह पराजित कर दिया तथा 18 मई 2009 को प्रभाकरन की मृत्यु के साथ ही संगठन का अंत हो गया।

वास्तव में, अपने राजनीतिक, धार्मिक या व्यक्तिगत उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हिंसात्मक तरीकों का प्रयोग ही आतंकवाद कहलाता है। आतंकवाद की सबसे ख़तरनाक बात यह है कि अंतत: यह उन लोगों को भी नष्ट कर देता है जो इसका समर्थन या अभ्यास करते हैं। आतंकवाद राष्ट्रीय सद्भाव, शांति और सामाजिक एकता को गहरी क्षति पहुँचाता है। सच तो यह है कि आतंकवाद का कोई धर्म, राष्ट्रीयता या मानवीय उद्देश्य नहीं होता। यह मानवता के विरुद्ध हिंसा और अमानवीयता की पराकाष्ठा है।महात्मा गांधी ने कहा था-मैं मरने के लिए तैयार हूँ, पर ऐसी कोई वजह नहीं है जिसके लिए मैं मारने को तैयार हूँ। गांधीजी ने सदैव अहिंसा, शांति और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कभी भी हिंसा और आतंकवाद को उचित नहीं माना। वास्तव में आतंकवाद स्वतंत्रता, लोकतंत्र और मानवीय मूल्यों पर सीधा हमला है। हिंसा कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती।

प्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार हरिओम पंवार की पंक्तियाँ भी इस संदर्भ में अत्यंत सार्थक प्रतीत होती हैं- बंदूकों की गोली का उत्तर सद्भाव नहीं होता।हत्यारों के लिए अहिंसा का प्रस्ताव नहीं होता। कोई विषधर कभी शांति के बीज नहीं बो सकता है, और भेड़िया शाकाहारी कभी नहीं हो सकता है। आज आतंकवाद केवल भारत की ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व की गंभीर समस्या बन चुका है। विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया के कई क्षेत्रों में आतंकवाद तेजी से फैल रहा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों, विशेषकर यूनाइटेड नेशंस में बार-बार यह चिंता व्यक्त की है, कि आतंकवाद को पनाह देने वाले देशों को उनके कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। भारत ने यह भी कहा है कि जिन देशों में आतंकवाद से निपटने की क्षमता का अभाव है, उनकी सहायता की जानी चाहिए। भारत सदैव पंचशील, शांति, संयम और सह-अस्तित्व के सिद्धांतों में विश्वास करता आया है तथा धर्म, जाति, संस्कृति और आस्था से परे हर प्रकार के आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता रहा है। हाल फिलहाल,यहाँ यह उल्लेखनीय है कि इस साल यानी कि वर्ष 2026 में भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा प्रहार नामक भारत की पहली व्यापक राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति जारी की गई है। इसका उद्देश्य आतंकवाद, कट्टरपंथ, साइबर हमलों, ड्रोन खतरों तथा संगठित आतंकी नेटवर्क से समन्वित तरीके से निपटना है। इतना ही नहीं, हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नार्वे में 19 मई 2026 मंगलवार को तीसरे भारत-नार्डिक समिट में हिस्सा लिया है, जहां नार्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड और स्वीडन के नेता जुटे। अच्छी बात यह रही कि इस समिट के दौरान सभी नेताओं ने हर प्रकार के आतंकवाद और कट्टरपंथ की कड़ी निंदा करते हुए सीमापार आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की जरूरत बताई है। इतना ही नहीं,इस समिट के दौरान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले की भी कड़े शब्दों में निन्दा की गई है।

बहरहाल, आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज में शांति, सद्भाव, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत किया जाए। आतंकवाद से लड़ना केवल सरकारों या सुरक्षा एजेंसियों का कार्य नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें मानव जीवन मूल्यों की रक्षा के लिए हर प्रकार की विघटनकारी शक्तियों के विरुद्ध सजग रहना होगा।

अंत में किसी कवि की इन प्रेरणादायक पंक्तियों के साथ बात समाप्त करना उचित होगा-हर घर में दीप जलाना होगा, आतंकवाद के अँधेरे को मिटाना होगा।'अ' से अमरुद, 'च' से चरखा छोड़, 'अ' से अमन, 'च' से चैन पढ़ाना होगा। मेरी धरती, मेरा देश छोड़, हमारी धरती, हमारा देश सिखाना होगा। हर एक देश के नागरिक को अब, देश का पहरेदार बनाना होगा। धरती माँ की छाती से 'आतंकवाद' शब्द को मिटाना होगा। वास्तव में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस हमें यह संदेश देता है कि हिंसा कभी भी किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। शांति, संवाद, शिक्षा और मानवीय मूल्यों के माध्यम से ही आतंकवाद जैसी चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। यह दिवस प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र की एकता, अखंडता और मानवता की रक्षा के लिए सजग रहने की प्रेरणा देता है।

-सुनील कुमार महला

हिमाचल के पुन्नर गांव से पत्रकारों द्वारा विश्व शांति की पहल!

देवभूमि हिमाचल प्रदेश की धौलाधार पर्वतीय श्रृंखला की तराई में बसे एक छोटे से गांव पुन्नर में हाल ही में मीडिया मनीषियों द्वारा विश्व में शांति और सद्भावना की स्थापना को लेकर गहन चिंतन किया गया। सभी ने एक स्वर में विश्व में शांति व सद्भाव की पुनर्स्थापना का संकल्प लिया। अवसर था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के मीडिया विंग द्वारा आयोजित मीडिया सेमिनार का। जिसमें देशभर से आये ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया विंग के सदस्यों के साथ कांगड़ा के पत्रकारों ने सहभागिता की थी।

मूल्य आधारित पत्रकारिता ही लक्ष्य- शांतनु भाई

माउंट आबू राजस्थान से आए ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया विंग के राष्ट्रीय समन्वयक ब्रह्माकुमार डॉ शांतनु भाई ने कि ब्रह्माकुमारीज़ विश्व की एकमात्र संस्था है,जिसका नेतृत्व महिलाएं करती है। उन्होंने कहा कि देश और समाज को मिलाकर मीडिया ही चल सकता है। चूंकि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है। इसे खबर पालिका भी कहा जाता है। मीडिया समाज को दिशा देती है व दशा भी बदल सकती है।लेकिन इसके लिए पत्रकारों का नैतिक उत्थान जरूरी है।

स्वयं को मूल्यनिष्ठ बनाएं-डॉ प्रो मानसिंह परमार

इंदौर से पधारे कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता व जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर के पूर्व कुलपति डॉ प्रो मानसिंह परमार ने कहा कि मीडिया केवल सूचना देने का काम नहीं करता बल्कि एक दृष्टिकोण देता है। मीडिया एक उत्प्रेक कि भूमिका निभाता है। शांति की स्थापना में मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मीडिया ने स्वतंत्रता आंदोलन में, स्वतंत्र भारत के विकास में अपनी भूमिका को सार्थक किया है। आज समाचार पत्रों के प्रथम पृष्ठ पर अपराध और नकारात्मक खबरों से पटे रहते हैं।इन सबके बजाए हम सकारात्मक पत्रकारिता, मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता को महत्व दें।

शांति लेने की नहीं, देने की वस्तु है- डीआईजी खुशहाल शर्मा

पुलिस के डीआईजी खुशहाल शर्मा ने कहा कि संसार में हम अशांति की आंधी से गुजर रहे हैं, इसे दूर करने में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। पत्रकारिता के सामने अपनी चुनौतियां हैं। इसलिए पत्रकारों को सपोर्ट करने की आवश्यकता है। पत्रकार हमारे नाक कान हैं, वे हमें अलर्ट करते रहें। उन्होंने स्वरचित कविता शांति की खोज सुनाकर सबकी वाह वाही भी बटोरी।

मीडिया में पारदर्शिता हो-डॉ डी डी मित्तल

देहरादून से पधारे डॉ डी डी मित्तल ने कहा कि मीडिया समाज का आईना भी है। इसलिए हमें सबसे पहले स्व-परिवर्तन करना होगा। मीडिया सकरात्मक व संतुलित पत्रकारिता करे। हालांकि वर्तमान में प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता में कमी आयी है।

अपने आचरण से पत्रकारिता की विश्वसनीयता सुदृढ करें- प्रियंका कौशल

रायपुर से आई प्रियंका कौशल ने कहा कि हमें अपने आचरण को इतना शुद्ध बनाना होगा कि समाज हम पर विश्वास व्यक्त कर सके। उन्होंने कहा कि बुद्धि के देवता गणेश जी से हमें शिक्षा लेनी चाहिए कि कैसे सब कुछ सुनते हुए भी उसे अपने उदर में समाने की क्षमता विकसित करें। समाज को वही दें, जो उसके लिए हितकारी हो।

हम खबर तो कर रहे हैं, पर फॉलो अप नहीं कर रहे हैं-संजीव बाघला

यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट पालमपुर के अध्यक्ष संजीव बाघला ने कहा कि हमें नकारात्मक व सकारात्मक दोनों ही तरह की खबरें लिखनी पड़ती है। हम खबर तो कर रहे हैं, पर फॉलो अप नहीं कर रहे हैं, यहीं से खबर का एक ही पक्ष सामने आता है।

हम निष्पक्ष, निडर, निर्भीक रहें-मधुकर द्विवेदी

छत्तीसगढ़ में रायपुर से आए मधुकर द्विवेदी ने कहा कि हम पत्रकारों को नारद जी का वंशज कहा जाता है। फर्क इतना है कि वे सतयुग के नारद थे, हम कलयुग के नारद है। लेकिन लक्ष्य वही लोकमंगल का है। नारद जी चारों लोकों का भ्रमण करते थे, लोक कल्याण के लिए। जिला स्तर के पत्रकार भारतीय पत्रकारिता की आत्मा है। जनता की, हमसे बहुत अपेक्षा है कि हम निष्पक्ष, निडर, निर्भीक रहें।

भगवान ने निमंत्रण देकर बुलाया है-बीके सरला दीदी

हैदराबाद से पधारीं ब्रह्माकुमारीज मीडिया विंग की उपाध्यक्ष बीके सरला ने कहा कि भगवान ने निमंत्रण देकर बुलाया है। मीडिया हरेक व्यक्ति से जुड़ा हुआ है। लोग आपसे प्रेम करते हैं। इसलिए आप जो परोसते हैं, वे स्वीकार करते हैं। आप भगवान के बहुत प्रिय है। भगवान के पास सत्य समाचार है। समस्याओं का समाधान भगवान के पास है। भगवान आप पत्रकारों की मदद चाहते हैं। आप भगवान के प्रतिनिधि बन गए हैं, तो सत्य समाचार को प्राथमिकता दें।

राजयोग के अभ्यास से की शांति की अनुभूति

दिल्ली से पधारी वरिष्ठ राजयोगी शिक्षिका ब्रह्माकुमारी सुनीता दीदी ने राजयोग की शक्तिशाली अनुभूति करवाई। कुछ क्षणों के मेडिटेशन अभ्यास से पत्रकार बन्धुओं को शांति की अनुभूति सुखद एहसास हुआ।जबकि मीडिया विंग छत्तीसगढ़ की स्टेट कॉर्डिनेटर बीके मंजू दीदी ने सेमिनार का सशक्त संचालन किया। कैलाश मानसरोवर के इंचार्ज बीके तिलकराज भाई ने माना कि हिमाचल की मीडिया हमेशा सकरात्मक मन से कार्य करते हैं। आज इस ईश्वरीय विश्वविद्यालय के प्रांगण में मीडिया के चरण पड़े। जिस पर परमात्मा की कृपा होती है, वही यहाँ पहुंचते हैं।मीडिया प्रतिनिधियों को चंडीगढ़ से पधारी राजयोगिनी पूनम दीदी ने ईश्वरीय सौगात देकर उन्हें सम्मानित भी किया।

(लेखक ब्रह्माकुमारीज मीडियाविंग के राज्य समन्वयक है)

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

इंदौर बाजार भाव

इंदौर । लेवाली के चलते बुधवार को अनाज मंडी में चना उछाल पर रहा। तुअर में बड़त दर्ज हुई। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में मजबूती रही। किराना जिंसों में नारियल घटाकर बोला गया। दिसावरी तेजी से साबूदाना चमक गया।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली आने से बाजार चमक गये। चना बढ़ि?या मालों में 6100-6150 रू. प्रति क्विं?टल पर आ गया। तुअर में बड़त रही। खाद्य तेलों में व्यापार के बावजूद भावों में मजबूती रही। तिलहनों में सोयाबीन में मजबूती देखी गयी। उधर, किराना जिंसों में नारियल की आवक 2 गाड़ी की रही। बाजार मंदी के रहे। साबूदाना में दिसावरी तेजी से भावों में सुधार बना। भाव इस प्रकार रहे -

किराना - शक्कर 4180-4240, खोपरा गोला 375-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 225-250, ऊंझा हल्का 250-280, बेस्ट 270-290, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारि?क 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीर्डि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2300-2350, (250) 2600-2650

तेल - सींगदाना 1580-1600, मुम्बई 1610, राजकोट तेलिया 2505, सोया साल्वेंट 1425-1430, सोया रिफाइंड 1495-1500, कपास्या 1500, धूलिया 1510, कड़ी 1510,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1575, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1490,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विं?टल)

तिलहन - सरसो 7700-8000, रायडा 6800-7000, सोयाबीन 7000-7200, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 6100-6150, एवरेज 5600-5700, विशाल 6000-6050, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशि?यन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7700-7800, मूंग पुराना बोल्ड 8500-8800, मीर्डि?यम 7800-7900, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल - चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडि?यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2525, लोकवन एवरेज 2550-2600, बेस्ट 2700-3000, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2000-2025, बेस्ट 1850-1900,

चावल - चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा - इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चॉंदी (9999) 259500, चॉंदी (99) 259000, टंच 258900, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 151200,

रुपया गिरावट पर बंद

मुम्बई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.85 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। ये पहली बार 96 के स्तर से आगे निकल गया। ये शुरुआती कारोबार में 96.89 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिरा। वहीं गत दिवस रुपया 96.53 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। बुधवार को इसकी शुरुआत 96.86 के स्तर पर हुई। पिछले पांच कारोबारी सत्रों में रुपया करीब 1 रुपये तक कमजोर हो चुका है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 117, निफ्टी 41 अंक उछला

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। आज एशियाई बाजारों में गिरावट के साथ ही दुनिया भर के बाजारों से मिलेजुले संकेतों से बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा पर रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और बजाज ऑटो के तेजी से भी बाजार को बल मिला। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 117.54 अंक बढ़कर 75,318.39 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 41 अंक उछलकर 23,659 अंक पर बंद हुआ।

आज रिलायंस के अलावा बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, इंडिगो, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही। वहीं दूसरी ओर बीईएल, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, भारती एयरटेल और इन्फोसिस के शेयरों में गिरावट आई। निफ्टी के शेयरों में हिंडाल्को में सबसे ज्यादा तेजी रही। वहीं ब्रॉडर बाजार में निफ्ट मिडकैप में 0.49 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 फीसदी तेजी आई। निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी ऑटो में तेजी रही जबकि निफ्टी मीडिया और निफ्टी एफएमसीजी में गिरावट आई।

वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत रही। सुबह सेंसेक्स 500 के करीब टूटकर 74,681 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी भी 150 अंकों से ज्यादा गिरकर 23,464 के स्तर पर पहुंच गया। आज दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में उछाल से एशियाई बाजारों पर दबाव पड़ा। अमेरिकी और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण भी अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में तेजी रही। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में जापान का निकेई 225 करीब 1.29 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 0.93 फीसदी नीचे आया। डाओ जोंस करीब करीब 0.65 फीसदी गिरा। वहीं एसएंडपी 500 भी 0.67 फीसदी नीचे आया। नेसडेक कंपोजिट भी 0.84 फीसदी टूटा।

मेटा ने किया हजारों कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान, एआई का असर

नई दिल्ली। मेटा प्लेटफॉर्म्स ने बुधवार को करीब 8,000 कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया। इसकी वजह एआई के कारण संगठन का पुनर्गठन है। इसकी जानकारी कई रिपोर्ट्स में दी गई। फेसबुक की पेरेंट कंपनी ने चरणबद्ध तरीके से छंटनी की सूचनाएं भेजना शुरू कर दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर उसके करीब 10 फीसदी कर्मचारियों के प्रभावित होने और भूमिकाओं में बदलाव होने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एक इंटरनल मेमो में मेटा की पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत करीब 7,000 कर्मचारियों को एआई-केंद्रित नई भूमिकाओं में स्थानांतरित करने की योजना का जिक्र किया है।

भारत के अरबपतियों की संपत्ति 1 ट्रिलियन डॉलर हुई, 26 नए अरबपति बने

मुंबई,। भारत के अरबपतियों की कुल संपत्ति पहली बार 1 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 83 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। हाल ही में 26 नए अरबपतियों के जुड़ने के बाद भारत अब अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा अरबपतियों वाला तीसरा देश बन गया है। देश में अरबपतियों की कुल संख्या बढ़कर 229 हो गई है।

फोर्ब्स की ताजा सूची के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी करीब 100 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ भारत और एशिया के सबसे अमीर इंसान बने हुए हैं। गौतम अडानी दूसरे नंबर पर हैं, जबकि उद्योगपति परिवार की प्रमुख सावित्री जिंदल देश की सबसे अमीर महिला के रूप में तीसरे नंबर पर हैं। इस सूची में स्टील कारोबारी लक्ष्मी मित्तल चौथे और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के संस्थापक शिव नादर पांचवें नंबर पर हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इस साल लक्ष्मी मित्तल की संपत्ति में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है, जिससे वे साल के सबसे बड़े गेनर बनकर उभरे हैं। वहीं, भारतीय उद्योग जगत में पारंपरिक कारोबारियों के साथ नए दौर के टेक उद्यमियों की मौजूदगी भी तेजी से बढ़ रही है। मुंबई अब भी भारतीय अरबपतियों का सबसे बड़ा केंद्र है। वित्त, उद्योग, शेयर बाजार और स्टार्टअप निवेश का प्रमुख केंद्र होने के कारण मुंबई में सबसे ज्यादा अरबपति रहते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज वृद्धि, डिजिटल कारोबार का विस्तार और स्टार्टअप संस्कृति ने संपत्ति निर्माण की रफ्तार को नई ऊंचाई दी है।

इस बार की सूची में कई युवा और नए चेहरे भी शामिल हुए हैं। खासतौर पर एआई, फिनटेक और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों से जुड़े उद्यमियों ने तेजी से अपनी पहचान बनाई है। इनमें 31 साल के अरविंद श्रीनिवास जैसे युवा फाउंडर्स का नाम भी प्रमुखता से सामने आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में बढ़ती उद्यमिता, निवेशकों का विश्वास और तकनीक आधारित कारोबार आने वाले सालों में अरबपतियों की संख्या और संपत्ति दोनों को और बढ़ा सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि- आज का दिन पुराने रिश्तों की मिठास और नई खुशियों की सौगात लेकर आ सकता है। पुराने दोस्तों से मुलाकात यादों का खजाना खोल देगी। घर में नए मेहमान के आने से खुशियों की रौनक बढ़ेगी। माता-पिता के साथ बिताया गया समय आपको उनके दिल की बात समझने का मौका देगा। संतान के करियर को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है, लेकिन आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी होने से मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ राशि- आज सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी होगी, क्योंकि मौसम का असर आपको कमजोर महसूस करा सकता है। बिजनेस में आपकी लंबी योजनाएँ धीरे-धीरे सफलता की राह पकड़ेंगी। यात्रा का प्लान बना रहे हैं तो बड़ों की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को मेहनत में कोई कमी नहीं छोड़नी चाहिए, क्योंकि सफलता करीब हो सकती है।

मिथुन राशि-आज प्रॉपर्टी और निवेश के मामलों में किस्मत आपका साथ दे सकती है। नई प्रॉपर्टी खरीदने का विचार लाभकारी साबित होगा। हालांकि घमंड या जल्दबाज़ी किसी काम को अधूरा छोड़ सकती है। मन में ईर्ष्या रखने से बचें और अपनी ऊर्जा सही दिशा में लगाएँ। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा, लेकिन पुरानी सेहत से जुड़ी परेशानी दोबारा परेशान कर सकती है।

कर्क राशि-आज नई संभावनाएं और अवसर आपके दरवाजे पर दस्तक दे सकते हैं। नई नौकरी का ऑफर उत्साह बढ़ा सकता है। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता लोगों को प्रभावित करेगी। नए कपड़े, मोबाइल या गैजेट खरीदने का मन बन सकता है। मेहनत से पीछे हटना नुकसान दे सकता है। दूसरों की बातों में आकर विवाद बढ़ाने से बचें।

सिंह राशि-आज सोच-समझकर कदम बढ़ाना ही आपके लिए फायदेमंद रहेगा। नए काम में जल्दबाज़ी करने से बचें और हर व्यक्ति को पहचानकर ही भरोसा करें। नौकरी बदलने का विचार सकारात्मक परिणाम दे सकता है। बचत योजनाओं में निवेश करने का अच्छा समय है। संतान की ओर से मिली खुशखबरी आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगी।

कन्या राशि-आज का दिन आपके लिए नई पहचान और नई उपलब्धियों का संकेत दे रहा है। आपके काम की तारीफ होगी और नए लोगों से संपर्क बढ़ेगा। बिजनेस को आगे बढ़ाने की आपकी मेहनत रंग लाएगी। लंबे समय से रुका सरकारी काम पूरा होने से राहत मिलेगी। परिवार में किसी की पुरानी बीमारी चिंता बढ़ा सकती है, जिससे भागदौड़ बनी रहेगी।

तुला राशि-आज आलस्य आपके लिए सबसे बड़ी रुकावट बन सकता है। कामों को टालने की आदत आगे परेशानी बढ़ा सकती है। जीवनसाथी के साथ शॉपिंग या घूमने का प्लान मन को खुश करेगा, लेकिन खर्च सोच-समझकर करें। प्रॉपर्टी के मामलों में सतर्क रहें, क्योंकि धोखे की संभावना है। किसी अनजान व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसानदायक हो सकता है।

वृश्चिक राशि-आज सफलता की राह पर आपके कदम तेजी से बढ़ सकते हैं। दोस्तों के साथ बिताया गया समय तनाव कम करेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को चुनौतियाँ मिलेंगी, लेकिन धैर्य से आगे बढ़ना होगा। रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है और सही जगह निवेश करने से भविष्य मजबूत होगा। आप अपनी सोच और लाइफस्टाइल में भी सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करेंगे।

धनु राशि-आज का दिन खुशी और मौज-मस्ती से भरा रह सकता है। माता-पिता के आशीर्वाद से रुका हुआ काम पूरा होने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में लापरवाही आपके साथियों को नाराज कर सकती है, इसलिए फोकस बनाए रखें। आत्मविश्वास के साथ लिया गया फैसला सफलता दिलाएगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें और लंबी यात्रा से फिलहाल बचें।

मकर राशि-आज धन और समृद्धि में बढ़ोतरी के संकेत हैं। बिजनेस की योजनाएँ उम्मीद से बेहतर परिणाम दे सकती हैं। नई पार्टनरशिप और घर खरीदने का सपना भी आकार ले सकता है। संतान से किया गया वादा पूरा करना जरूरी होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में लापरवाही भारी पड़ सकती है, इसलिए मेहनत जारी रखें।

कुंभ राशि- आज मेहनत और नए आइडिया आपकी सफलता की चाबी बन सकते हैं। बिजनेस में नई सोच आपको आगे बढ़ाने में मदद करेगी। जमीन-जायदाद से जुड़ा पुराना मामला सुलझने से राहत मिलेगी। घर में नए मेहमान के आने से खुशियों का माहौल बनेगा। परिवार में शादी-विवाह की बात आगे बढ़ सकती है। अपनों के साथ घूमने का प्लान भी बन सकता है।

मीन राशि- आज पारिवारिक उलझनें आपके मन को थोड़ा परेशान कर सकती हैं। भाई-बहनों के बीच छोटी बातों पर तनाव बढ़ सकता है। संतान का व्यवहार भी चिंता का कारण बनेगा। कार्यक्षेत्र में कोई आपके खिलाफ चाल चल सकता है, इसलिए सतर्क रहें। बैंकिंग या फाइनेंस से जुड़े लोगों को मेहनत का शानदार फल मिलेगा और उनकी तारीफ भी होगी।

शब्दजाल - 8265

चं	ज	गां	धी	ग	ब	ज	मं	प	सु	क
द्र	वा	भ	क	या	दों	का	ग	स	ख	ड़
शे	ह	या	ग	र्म	छ	स	ल	न	दे	क
ख	र	रा	र	त	वी	स	पां	ल	व	य
र	इ	म	म	सं	सिं	ल	डे	र	रा	ल
आ	ता	प्र	ई	र	ब	ह	फ	त	श	ज
जा	बा	सा	दा	ई	जी	स	प	ग	प	न
द	र	द	प	ता	ज	ज	र्द	न	प	स
क	ज	बि	ने	न	ला	तां	त्या	टो	पे	हो
क	म	स्मि	प	ला	या	स	मा	ब	प	य
का	न	ल	ला	लो	क	मा	न्य	ति	ल	क

शब्द जाल में 10 स्वतंत्रता सेनानियों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

गांधी, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, सुखदेव, नेताजी, लाला लाजपतराय, लोकमान्य तिलक, तांत्या टोपे, मंगल पांडे .

शब्दजाल - 8264 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7209

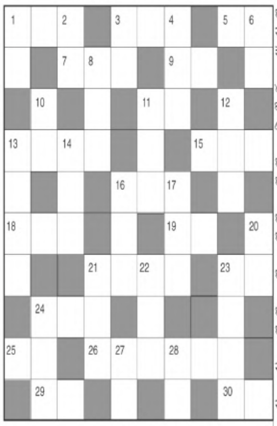

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्का की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरूद्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7208

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

21 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

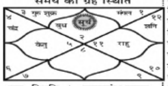

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	04.55 बजे से
चंद्र	कर्क में	मिथुन	06.57 बजे से
मंगल	मेष में	कर्क	09.11 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.27 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	13.39 बजे से
शुक्र	मिथुन में	तुला	15.50 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.04 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	20.20 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	22.25 बजे से
		कुंभ	00.12 बजे से
		मीन	01.45 बजे से
		मेष	03.15 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 141 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 08.27 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 02.50 बजे रात्र को समाप्त।
योग गण्ड 10.59 बजे को समाप्त।
करण बालव 08.27 बजे तदनन्तर कौलव 19.21 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 4.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 09'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872716
जूलियन दिन 2461181.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 04
विशेष अधिक स्कन्द षष्ठी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: मक्खी और मुर्गा

बाप रे बाप ! आज तो मैं बहुत ही थक गई मेरी भी जिंदगी क्या है ! मक्खी अपने मित्र मुर्गा से कहने लगी। मर्गा अपने पंजो से जमीन खुरच रहा था। मक्खी की बात सुनकर बोला, 'क्यों? आज तुम्हें इतनी उदासी और थकावट क्यों मालूम हो रही है?' 'अरे, तुम्हें मेरी मुसीबतों का क्या पता ! आज घर से मंडी तक एक ठेले को खींचने पड़ा।' मक्खी बताने लगी। 'क्यों, तुम्हें यह काम कैसे करना पड़ा गया? छकडे पर क्या लदा था?' मुर्गे ने पूछा। मक्खी ने उत्तर दिया, 'तुम तो मिट्‌टी खोदते रहते हो। तुम्हारे लिए ये सब बात समझना कठिन है। फिर भी बताती हूं। सुनो, मैंने एक आदमी को ठेला खींचते हुए देखा। मैं उसकी पीठ पर बैठ गई। उसके साथ मैं भी वह ठेला खींचकर मंडी तक लाई हूं।' 'अरे, तुममें इतनी ताकत कहां से आ गई? छकड़ा तो, मैंने सुना है, बहुत भारी होता है ! मुर्गे ने अचरज के साथ पूछा। 'भाई, काम करने के लिए दिल और उमंग चाहिए। ताकत तो अपने आप आ जाती है।' बड़े घमंड से मक्खी कहने लगी, 'घर से मंडी तक कई जगह सड़े-गले फल दुकानों पर टंगे हुए दिखाई दिए। मुंह में पानी भर आया। कई बार सोच भी कि रूक जाऊं। लेकिन इस विचार से कि मेरे बिना ये लोग ठेला नहीं खींच पाएंगे, मैं कहीं नहीं रूकी।' 'तुम ठीक कहती हो।' मुर्गे ने कहा। मुर्गे की आंखों में नींद आने लगी था। वह बोला, 'अब मैं सो जाना चाहता हूं, नहीं तो सुबह जल्दी उठना मुश्किल हो जाअगा। तुम तो जानती ही हो कि यह सूरज कितना आलसी है। मेरी 'कुकडु -कं' से ही वह जाग पाता है, नहीं तो सोता ही रह जाए।'

सूडोकु नवताल- 7518

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7517 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

शब्द पहेली - 8733

बाएँ से दाएँ

1. ईश्वरीय कृपा-4
4. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6. दुर्बल का विलोम-3
8. सुनसान, नीरव-3
9. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11. घोषवाक्य-2
13. चित्रपट, मायानगरी -3,2
15. सूर्य, भास्कर-2
16. उपनदी, कैनाल-3
18. व्यंग, परिहास-3
19. कौर, ग्रास-3
20. दफन करना-4
22. भूल, असावधानी-4

ऊपर से नीचे

1. अगुवा, रास्ता दिखाने वाला-4
2. सरुर, नशा, गरुर-2
3. चिंतन, विचारना-3
4. परजन भावना, गैरपन-5
5. भिड़ना, मुठभेड़-4
7. रेखा, लाईन-3
10. झाग बनना-5
12. सीमा, हद, बॉर्डर-4
14. शाखा, डाली-3
17. रिवाज, परंपरा-4
18. पाबंदी, रोक-3
21. स्वच्छ-2

शब्द पहेली -8732 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में मेडिकल संचालक उतरे सड़क पर, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

ऑनलाइन दवा कारोबार पर रोक लगाने उठी मांग, मेडिकल संचालकों ने सरकार से की सख्त कार्रवाई की अपील

पद्मेश न्यूज। लांजी। अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री, ई.कॉमर्स कंपनियों की मनमानी और छोटे दवा व्यापारियों के हितों की अनदेखी के विरोध में बुधवार 20 मई को लांजी क्षेत्र के मेडिकल संचालकों ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की। ‘ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एवं मध्यप्रदेश राज्य केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स ऐसोसिएशन के आह्वान पर लांजी क्षेत्र के दवा विक्रेताओं ने अपनी मेडिकल दुकानें बंद रखकर एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की तथा एसडीएम लांजी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में दवा विक्रेताओं ने कहा कि बिना किसी स्पष्ट वैधानिक प्रावधान के ऑनलाइन माध्यमों से धड़ल्ले से दवाओं की बिक्री की जा रही है। फर्जी ऑनलाइन चिकित्सीय पर्चों और बिना वैध चिकित्सकीय परामर्श के घर.घर दवाएं पहुंचाई जा रही हैंए जिससे जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। वहीं ऑनलाइन मंचों और त्वरित वितरण कंपनियों द्वारा दी जा रही अत्यधिक छूट एवं प्रतिस्पर्धा समाप्त करने वाली मूल्य नीति के कारण छोटे लाइसेंसधारी मेडिकल संचालकों का व्यापार प्रभावित हो रहा है। दवा व्यापारियों ने आरोप लगाया कि औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम 1940 तथा नियम 1945 में ऑनलाइन दवा बिक्री को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं होने के बावजूद कंपनियां मनमाने ढंग से कारोबार कर रही हैं। कोविड काल के दौरान जारी अस्थायी अधिसूचनाओं का वर्तमान परिस्थितियों में दुरुपयोग किया जा रहा है। ज्ञापन के माध्यम से दवा विक्रेताओं ने

अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री पर तत्काल रोक लगानेए बिना वैध एवं सत्यापित ऑनलाइन चिकित्सीय पर्चे के दवाओं की ऑनलाइन बिक्री एवं घर पहुंच सेवा प्रतिबंधित करनेए अत्यधिक छूट एवं प्रतिस्पर्धा समाप्त करने वाली मूल्य नीति पर रोक लगाने सहित विभिन्न मांगें शासन के समक्ष रखीं। ब्लॉक अध्यक्ष नाशिर खान एवं उप ब्लॉक अध्यक्ष जागेश्वर भागडकर ने कहा कि मेडिकल संचालक हमेशा से स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी रहे हैं। कोविड महामारी जैसे कठिन समय में भी दवा विक्रेताओं ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों तक दवाइयां पहुंचाईए लेकिन अब ऑनलाइन कंपनियों की अनियंत्रित गतिविधियों से छोटे व्यापारियों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। यदि सरकार ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। इस दौरान लांजी शहर प्रमुख राजेश रणदिवे ग्रामीण प्रमुख प्रकाश नगपुरे सहित क्षेत्र के अनेक मेडिकल संचालक उपस्थित रहे। ज्ञापन सौंपने के दौरान नासिर खान हिंद मेडिकल स्टोर लांजी, जितेंद्र रामटेक्कर ज्योति मेडिकल लांजी, भूपेंद्र मेहरबार मेहरबान मेडिकल लांजी, जागेश भागड़कर अंबिका मेडिकल भानेगांव, अनुपम मेडिकल लांजी, गीत मेडिकल लांजी, समर्थ मेडिकल लांजी, स्वास्तिक मेडिकल लांजी, कुलदीप मेडिकल बहेला, माहुले मेडिकल रिसेवाड़ा, अरुण मेडिकल पाथरगांव, बाबा मेडिकल पाथरगांव, मिलन मेडिकल लांजी, संजीवनी मेडिकल घोटी नंदोरा, सागर मेडिकल कालीमाटी, लक्ष्मण मेडिकल कालीमाटी, मां गायत्री मेडिकल बिरनपुर, चित्र मेडिकल लांजी, राकेश मेडिकल टेमनी, पारस मेडिकल पावनी एवं अविनाश मेडिकल भानेगांव के संचालक मौजूद रहे।

आमगांव मार्ग पर ट्रांसफार्मर के खुले कटआउट दे रहे दुर्घटना को न्यौता

स्कूल और मंगल भवन में मंडरा रहा हादसे का साया

पद्मेश न्यूज। लांजी। आमगांव मार्ग पर कलार समाज मंगल भवन के ठीक सामने लगा ट्रांसफार्मर दुर्घटनाओं को दावत दे रहा है। ट्रांसफार्मर के नीचे लगे कटआउट इतने नीचे और खुले में हैं कि कोई भी व्यक्ति या वाहन आसानी से उनसे टकरा सकता है। मंगल भवन में कार्यक्रमों के दौरान खड़े होने वाले वाहनों और पास ही स्थित एकीकृत शासकीय कन्या विद्यालय के बच्चों की जान को कभी भी खतरा पैदा हो गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप कर कटआउट को सुरक्षित बाक्स में बंद करने की मांग की है।

खुले कटआउट, कम ऊंचाई - हादसे की आशंका

आमगांव मार्ग पर स्थित इस ट्रांसफार्मर के नीचे लगे कटआउट न केवल बहुत नीचे हैं, बल्कि पूरी तरह खुले भी पड़े हैं। कोई ढक्कन या प्रोटेक्टिव बाक्स नहीं है। मंगल भवन में शादी-ब्याह, सामूहिक कार्यक्रम या अन्य आयोजनों के समय सैकड़ों वाहन सड़क किनारे खड़े किए जाते हैं। ऐसे में कोई भी वाहन या पैदल यात्री आसानी से ट्रांसफार्मर के नीचे आ सकता है। इसी ट्रांसफार्मर से कुछ ही दूरी पर एकीकृत शासकीय कन्या विद्यालय है, जहां कक्षा पहली से बारहवीं तक की सैकड़ों बालिकाएं अध्ययन करती हैं। स्कूल आने-जाने वाले बच्चों के लिए यह ट्रांसफार्मर घातक साबित हो सकता है। यदि कोई बच्चा अनजाने में कटआउट के पास पहुंच गया या कोई दुर्घटना हुई तो गंभीर परिणाम हो सकते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि हम हर दिन इस रास्ते से गुजरते हैं। ट्रांसफार्मर देखकर डर लगता है। मंगल भवन में कार्यक्रम हो तो गाड़ियां इतनी पास खड़ी हो जाती हैं कि कटआउट छूने की नौबत आ जाती है। बच्चों का स्कूल पास है, कोई हादसा हो गया तो कौन जिम्मेदार बनेगा?

जनहित की अपील, प्रशासन पर जिम्मेदारी

लोगों का कहना है कि ट्रांसफार्मर का स्थान पहले से ही सड़क किनारे है और ऊंचाई भी कम है। कटआउट को उचित ऊंचाई पर व्यवस्थित सुरक्षित बाक्स में बंद कर दिया जाए, ताकि दुर्घटना की कोई संभावना न रहे।

स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग और नगर प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा, जनहित में यह मामला है। छोटी-सी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। स्कूली बच्चों और मंगल भवन आने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

विद्युत विभाग पर सवाल

इस तरह के खुले और नीचे लगे कटआउट न केवल लांजी नगर बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी आम समस्या बने हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रांसफार्मर और कटआउट की सुरक्षा व्यवस्था मानकों के अनुरूप नहीं होने से दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं।

जनजातीय परिवारों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए चला सबसे दूर सबसे पहले अभियान

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद लांजी द्वारा प्रधानमंत्री जनमन योजना एवं DA-GJUA के अंतर्गत जनजातीय एवं PVTG समुदायों के उत्थान के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान सबसे दूर सबसे पहले के तहत 20 मई को वार्ड क्रमांक 01 बगदेही में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी मयूर वाहने के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में 40 परिवारों एवं 270 सदस्यों का सर्वेक्षण किया गया। शिविर का उद्देश्य जनजातीय समुदाय के हर परिवार को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना और उन्हें लाभ दिलाना था। शिविर में नगर परिषद लांजी की अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले ने जनजातीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और आवेदन प्रस्तुत करें। उन्होंने सभी को योजनाओं के बारे में जागरूक भी किया। शिविर में वार्ड पार्षद संजय सैयाम, नगर परिषद कर्मचारी संतोष भार्गव, मोनू वराडे, शैलेन्द्र दुर्गकर, वार्ड प्रभारी कृष्णा सातपुते, श्रीमती पूजा श्रीवास्तव, श्रीमती जयवती कच्छवाहे एवं प्रतीक मिश्रा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे और शिविर को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाई। नगर परिषद प्रशासन का प्रयास है कि दूरदराज के जनजातीय इलाकों में रह रहे अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। इस अभियान के तहत अन्य वार्डों में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे।

ग्रेसियस कॉलेज में फायर सेफ्टी टीम ने किया मॉक ड्रिल, छात्र-छात्राओं को दिए अग्नि सुरक्षा के महत्वपूर्ण टिप्स

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट स्थित ग्रेसियस कॉलेज में बुधवार को नगरपालिका बालाघाट की फायर सेफ्टी टीम द्वारा एक विशेष फायर सेफ्टी गाइड और मॉक ड्रिल कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कॉलेज के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्टाफ को आग लगने जैसी किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जागरूक और मानसिक रूप से तैयार करना था। इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु मानीय सूर्यप्रकाश उके जी मुख्य कार्यपालन अधिकारी नगर पालिका बालाघाट का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में दमकल विभाग के संदीप सोनेकर, गौतम ब्रम्हे, राहुल वैद्य एवं तानाजी बोरकर ने विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर अनुग्रहित किया गया अंत में ग्रेसियस परिवार की ओर से समस्त दमकल विभाग टीम का शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

छात्रों और शिक्षकों ने लिया व्यावहारिक हिस्सा

इस दौरान केवल प्रदर्शन ही नहीं किया गया, बल्कि कॉलेज के कई छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने खुद आगे आकर फायर एक्सटिंग्विशर चलाने का अभ्यास किया। आपात स्थिति में बिना घबराए धैर्यपूर्वक काम लेने और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचित करने के निर्देश भी दिए गए।

समस्त कार्यक्रम की रूप रेखा डा. अनुराग जैन डायरेक्टर ग्रेसियस ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट एवं मनोहर देशमुख प्रबंधन प्रमुख के द्वारा की गयी एवं कार्यक्रम का संचालन डा. चक्रेश पटले प्राचार्य ग्रेसियस कॉलेज ऑफ फार्मेसी एवं ग्रेसियस कॉलेज ऑफ नर्सिंग प्राचार्य मैथु टी जाय एवं समस्त शिक्षको के मार्गदर्शन पर किया गया। कॉलेज प्रशासन की ओर से कहा गया कि ऐसे आयोजन छात्रों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से बेहद जरूरी हैं। इससे न केवल जागरूकता बढ़ती है, बल्कि किसी भी अप्रिय घटना के समय जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में सभी को आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की सूची भी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर कॉलेज का पूरा स्टाफ और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एयर एम्बुलेंस से मुंबई भेजे गए मासूम अयांश की सफल सर्जरी

नारायण हृदयालय में हुआ ऑपरेशन, अब स्वास्थ्य लाभ कर रहा है अयांश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिले के चार माह के मासूम अयांश मसराम के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। गंभीर हृदय रोग से पीड़ित अयांश को मध्यप्रदेश शासन की पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से उपचार के लिए मुंबई भेजा गया था, जहां मुंबई स्थित नारायण हृदयालय अस्पताल में सोमवार 18 मई को उसकी सफल हृदय सर्जरी कर दी गई। वर्तमान में अयांश डॉक्टरों की निगरानी में स्वास्थ्य लाभ कर रहा है। गौरतलब है कि कटंगी विकासखंड के ग्राम देवरी बुजुर्ग निवासी अयांश मसराम को गंभीर हृदय बीमारी होने पर राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिला चिकित्सालय बालाघाट में आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविर में चिन्हित किया गया था। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा तत्काल सर्जरी की आवश्यकता बताए जाने पर जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की पहल पर संचालित पीएम श्री एयर एम्बुलेंस योजना के तहत उसे 14 मई को एयरलिफ्ट कर मुंबई भेजा था।

अयांश का उपचार आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पूरी तरह निःशुल्क किया जा रहा है। मुंबई के नारायण हृदयालय अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने सोमवार को सफल ऑपरेशन किया। सर्जरी सफल होने की सूचना मिलते ही अयांश के परिजनों ने राहत की सांस ली और मध्यप्रदेश शासन तथा बालाघाट जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। परिजनों ने कहा कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण इतने बड़े अस्पताल में इलाज कराना उनके लिए संभव नहीं था, लेकिन शासन की संवेदनशील योजनाओं और प्रशासन की तत्परता से उनके बच्चे को नया जीवन मिला है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह सहायता उनके परिवार के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अयांश की स्थिति अब पहले से बेहतर है और चिकित्सकों की निगरानी में उसका स्वास्थ्य तेजी से सुधर रहा है। यह पूरा मामला शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, स्वास्थ्य सेवाओं की संवेदनशीलता और प्रशासनिक तत्परता का प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आज मनाएंगी पूर्व प्रधानमंत्री स्व.राजीव गांधी की पुण्यतिथि

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, देश में संचार क्रांति के जनक एवं आधुनिक भारत के शिल्पी स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर गुरुवार 21 मई 2026 को लांजी में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला एवं नगर कांग्रेस कमेटी लांजी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन शाम 5ः00 बजे से वार्ड क्रमांक 11 मुख्य मार्ग लांजी स्थित सौरभ मोनू पशीने के निज निवास पर संपन्न होगा। आयोजकों द्वारा क्षेत्र के समस्त कांग्रेसजन, पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नागरिकों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की गई है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी के अध्यक्ष रेवाजी करहाटकरे, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला के अध्यक्ष ऋषि दशरिया तथा नगर कांग्रेस कमेटी लांजी के अध्यक्ष सौरभ पशीने ने संयुक्त रूप से कहा कि राजीव गांधी ने देश को आधुनिक सोच और तकनीकी दिशा प्रदान की। उनकी दूरदर्शी नीतियों के कारण भारत ने संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई पहचान बनाई। ऐसे महान नेता की पुण्यतिथि पर उन्हें स्मरण करना प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता का दायित्व है।

कांग्रेस को अपने विधायकों पर भरोसा नहीं!

भोपाल। मप्र में राज्यसभा की तीन सीटों पर चुनाव का बिगुल बजने वाला है। विधायकों की संख्या के आधार पर भाजपा दो सीटें जीतने की स्थिति में है। वहीं कांग्रेस में भी अपनी एक सीट लिए पर्याप्त विधायक हैं। लेकिन कांग्रेस का इस बात का डर सता रहा है कि उसके कुछ विधायक क्रॉस वोटिंग कर खेल बिगाड़ सकते हैं। यानी पार्टी को अपने विधायकों पर भरोसा नहीं है। इसलिए कांग्रेस अभी से अलर्ट मोड में आ गई है। दरअसल, दतिया से विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता शून्य किए जाने के बाद अब कांग्रेस के 64 सदस्य विधानसभा में हैं। श्योपुर जिले के विजयपुर से विधायक मुकेश मल्होत्रा की सदस्यता शून्य करने संबंधी निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक तो लगा दी है, लेकिन वह चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे।गौरतलब है कि प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटें जून में रिक्त हो रही हैं। इन सीटों पर निर्वाचन के लिए अधिसूचना शीघ्र जारी होने की आशा है। चुनाव नजदीक आते ही क्रॉस वोटिंग को लेकर कांग्रेस की चिंता बढ़ गई है। कारण, चार विधायक भी खिसक गए तो कांग्रेस के हाथ से सीट निकल जाएगी। बता दें कि विधायकों के संख्या बल की दृष्टि से दो सीटें भाजपा को मिलनी तय हैं। बची एक सीट वर्तमान की स्थिति में कांग्रेस के खाते में जाएगी, पर कुछ राज्यों में कांग्रेस विधायकों द्वारा क्रॉस वोटिंग या अनुपस्थित रहने की वजह से मप्र में भी पार्टी को डर सता रहा है। पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों ने गुपचुप तरीके से ऐसे विधायकों पर नजर रखना शुरू कर दिया है, जो क्रास वोटिंग कर सकते हैं।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

प्रदेश के विकास और जन-कल्याण को गति देने के लिए 30,055 करोड़ रूपये की कैबिनेट स्वीकृति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में मध्यप्रदेश के विकास और जन-कल्याण को गति देने के लिए कुल 30,055 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृतियां दी गई। मंत्रि-परिषद ने राज्य के कर्मचारियों की स्थानांतरण नीति -2026 को भी मंजूरी दी है। राज्य के विभिन्न वर्गों के हित में कई बड़े निर्णय लिए गए। इसमें वृद्धजनों, कल्याणी महिलाओं और दिव्यांगजनों की पेंशन योजना के लिए 15,184.42 करोड़ रुपये के साथ ही विभिन्न आपदाओं में किसानों को संबल देने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के निरंतर क्रियान्वयन के लिए 11,608.47 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके साथ ही श्रमिक कल्याण की योजनाओं के लिए 1,779.07 करोड़ रुपये, सिवनी और देवास की समूह जल प्रदाय योजनाओं के लिए 593 करोड़ 24 लाख रुपये, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के संचालन के लिए 373 करोड़ 38 लाख रुपये, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के क्रियान्वयन के लिए 360 करोड़ रुपये तथा महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित शौर्य दल और चाइल्ड हेल्पलाइन योजनाओं के लिए 156 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

- स्थानान्तरण नीति वर्ष-2026 का अनुमोदन- 1 जून से 15 जून तक हो सकेंगे तबादले
- किसानों के हक में बड़ा फैसला- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 11,608.47 करोड़ रूपये की स्वीकृति
- वृद्धजनों, कल्याणी महिलाओं और दिव्यांगजन की पेंशन योजना के लिए 15,184.42 करोड़ रूपये की स्वीकृति
- सिवनी की बंडोल और देवास की नेमावर समूह जल प्रदाय योजना के लिए 593 करोड़ 24 लाख रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति
- महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित योजनाओं के लिए 156 करोड़ रूपये की स्वीकृति
- लोक सेवा गारंटी अधिनियम के क्रियान्वयन के लिए 360 करोड़ रूपये की स्वीकृति
- श्रमिक कल्याण की विभिन्न योजनाओं के लिए 1779.07 करोड़ रूपये की स्वीकृति
- अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के लिए 373 करोड़ 38 लाख रूपये की स्वीकृति
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

स्थानान्तरण नीति वर्ष 2026 का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद ने राज्य एवं जिला स्तर पर अधिकारियों/कर्मचारियों की स्थानान्तरण नीति वर्ष 2026 का अनुमोदन किया है। स्वीकृति अनुसार इस वर्ष 01 जून 2026 से 15 जून 2026 तक की अवधि के लिये स्थानांतरण से प्रतिबंध शिथिल किया जायेगा। नीति में लिपिकीय त्रुटि सुधार, स्पष्टीकरण अथवा अन्य संशोधन करने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग को अधिकृत किया गया है।

पद एवं संवर्ग संख्या के आधार पर अधिकतम स्थानांतरण की संख्या का निर्धारण स्थानांतरण नीति में स्पष्ट किया गया है। पति-पत्नी को एक स्थान पर पदस्थ किये जाने तथा स्वयं की गंभीर बीमारियों के प्रकरण में स्थानांतरण को विभागों के निर्धारित प्रतिशत या संख्या के अतिरिक्त रखा गया है।

जिला एवं राज्य संवर्ग के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों का जिले के भीतर स्थानांतरण प्रभारी मंत्री के अनुमोदन से किया जायेगा। सभी विभागों के विभागाध्यक्ष तथा शासकीय उपक्रमों एवं संस्थाओं में पदस्थ प्रथम श्रेणी के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों का स्थानांतरण समन्वय में मुख्यमंत्री के अनुमोदन के बाद किया जायेगा।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 11,608.47 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने किसानों को फसल हानि या क्षति होने पर वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का आगामी 05 वर्षों (वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31) तक निरंतर क्रियान्वयन के लिए 11 हजार 608.47 करोड़ रूपये की वित्तीय स्वीकृति दी है।

स्वीकृति अनुसार पात्र कृषकों को प्रति कृषक प्रत्येक मौसम में न्यूनतम दावा राशि 1,000 रूपये का भुगतान करने के लिए दावा राशि और राशि 1000 के अंतर की राशि का भुगतान राज्य शासन द्वारा वहन किया जायेगा। योजना के क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक नियम/दिशा-निर्देश जारी करने के लिए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग को अधिकृत किया गया है।

वृद्धजनों, कल्याणी महिलाओं और दिव्यांगजन की पेंशन योजना के लिए 15,184.42 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अंतर्गत वृद्धजनों, कल्याणी महिलाओं और दिव्यांगजन की पेंशन योजना के लिए 15 हजार 184.42 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। स्वीकृति अनुसार राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एन.एस.ए.पी.) योजना अंतर्गत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के 1 अप्रैल 2026 से आगामी 05 वर्षों तक निरंतर संचालन के लिए 2,123 करोड़ 42 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई। योजना अंतर्गत गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाली 40 वर्ष से अधिक आयु की कल्याणी महिलाओं को पात्रतानुसार प्रतिमाह 600 रूपये पेंशन राशि का भुगतान किया जाता है।

राज्य शासन की समग्र सामाजिक सुरक्षा योजना अन्तर्गत समग्र सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना को 1 अप्रैल 2026 से आगामी 05 वर्षों तक निरंतर संचालन के लिए 13,061 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई। योजना अंतर्गत 60 वर्ष से अधिक आयु के निराश्रित वृद्ध, 18 वर्ष से अधिक आयु की कल्याणी (विधवा) महिलाएं एवं 06 वर्ष से अधिक आयु के दिव्यांग जिनकी निशक्तता 40 प्रतिशत या उससे अधिक है एवं 50 वर्ष या अधिक आयु की अविवाहिता को योजना के अंतर्गत पात्रतानुसार 600 रूपये प्रतिमाह पेंशन राशि का भुगतान किया जाता है।

सिवनी की बंडोल और देवास की नेमावर समूह जल प्रदाय योजना के लिए 593 करोड़ 24 लाख रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा सिवनी की बंडोल और देवास की नेमावर समूह जल प्रदाय योजना के लिए कुल 593 करोड़ 24 लाख रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी है। स्वीकृति अनुसार सिवनी की बंडोल समूह जल प्रदाय योजना की मूल स्वीकृत लागत राशि 232 करोड़ 57 लाख रूपये के स्थान पर पुनरीक्षित योजना लागत राशि 266 करोड़ 17 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है। देवास की नेमावर समूह जल प्रदाय योजना की मूल स्वीकृत लागत राशि 237 करोड़ रूपये के स्थान पर 327 करोड़ 07 लाख रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

बंडोल समूह जल प्रदाय योजना के क्रियान्वयन में 04 ग्रामों एवं 30 बसाहटों को तथा नेमावर समूह जल प्रदाय योजना के क्रियान्वयन में 21 ग्रामों और 11 छूटी हुई बसाहटों को अतिरिक्त रूप से सम्मिलित करने के साथ ही जल जीवन मिशन की गाइडलाइन अनुसार ग्रामीण परिवारों को क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन से जोड़ने करने के लिए जल वितरण नलिकाओं, क्लीयर वॉटर राइजिंग मैन, उच्च स्तरीय टंकियों एवं नल कनेक्शन के कार्यों में बढोत्तरी होने के कारण यह पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित योजनाओं के लिए 156 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा महिला एवं बाल विकास अंतर्गत महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित योजनाओं के वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक निरंतर संचालन के लिए कुल 156 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। स्वीकृति अनुसार चाइल्ड हेल्पलाइन के लिए 113 करोड़ 50 लाख रूपये, केयर एण्ड सपोर्ट टू विक्टिम अंडर पॉक्सो योजना के लिए 27 करोड़ 50 लाख रूपये और शौर्य दल योजना के लिए 15 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।

स्वीकृति अनुसार चाइल्ड हेल्पलाइन अन्तर्गत पूर्व से स्थापित 51 जिलों के साथ-साथ नवगठित 4 जिलों निवाड़ी, मैहर, पांढुर्णा एवं मऊगंज में जिला स्तरीय इकाईतथा 9 पूर्व से स्थापित हेल्प डेस्क के साथ-साथ 04 रेल्वे स्टेशन कटनी, बीना (सागर), मेघनगर (झाबुआ), सिंगरौली में रेल्वे स्टेशन हेल्प डेस्क और 08 बस स्टैंड छतरपुर, बुरहानपुर, सिवनी, ग्वालियर, झाबुआ, नीमच, सतना एवं बालाघाट में हेल्प डेस्क की स्थापना की जाएगी।

प्रदेश के 51 जिलों में मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 योजना को 100 प्रतिशत केंद्र प्रवर्तित योजना के रूप में संचालन किया जा रहा है। योजना के तहत् संकटग्रस्त बच्चों को एकल खिड़की के रूप में तत्काल आपातकालीन तथा दीर्घकालिक सेवाएँ जैसे मेडिकल, आश्रय, विधिक, भावनात्मक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

केयर एण्ड सपोर्ट टू विक्टिम अंडर पॉक्सो प्रदेश के 51 जिलों में मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत केयर एण्ड सपोर्ट टू विक्टिम अंडर पॉक्सो योजना का 100 प्रतिशत केंद्र प्रवर्तित योजना के रूप में संचालन किया जा रहा है। योजना में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (संशोधित 2019) की धारा 4 एवं 6 के तहत 18 वर्ष तक की बालिकाओं को निर्भया फण्ड से वित्तीय सहायता प्रदाय की जाती है।

शौर्य दल योजना अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं के विकास को अवरूद्ध करने वाली कुप्रथा, कुरीति, रिवाज, नकारात्मक भेदभाव पूर्ण सोच कों परिवर्तित करने के लिए ग्राम / वार्ड स्तर पर आंगनवाड़ी क्षेत्र में महिलाओं एवं बालिकाओं को सम्मिलित कर शौर्य दल का गठन किया गया है। शौर्य दल की ये सदस्य बालिकाएं एवं महिलाएं स्वंय और अन्य महिलाओं को जागरूक करने का कार्य कर रही हैं। महिला सशक्तिकरण, अपराधों की रोकथाम के लिए समुदाय की भागीदारी के रूप में शौर्यादल की अहम भूमिका है।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के क्रियान्वयन के लिए 360 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम का क्रियान्वयन कार्यक्रम को 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की अवधि 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतर संचालन के लिए 360 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत लोक सेवा केंद्रों की स्थापना एवं संचालन, सीएम हेल्प लाइन सेंटर का संचालन, सीएम डैशबोर्ड और अन्य महत्वपूर्ण कार्य किए जाते हैं।

मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम-2010 राज्य शासन द्वारा किए जा रहे सुशासन के प्रयासों की महत्वपूर्ण कड़ी होकर प्रदेश के नागरिक अधिकारों को सशक्त करने का एक अनूठा प्रयास है। मध्यप्रदेश देश का प्रथम राज्य है, जिसमें नागरिकों को अधिसूचित सेवाएं प्रदान करने की कानूनी गारंटी दी है। इसके लिए मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम-2010, 25 सितम्बर 2010 से प्रभावशील है।

प्रदेश के समस्त 55 जिलों और तहसील स्तर पर लोक सेवा केन्द्रों की स्थापना की गई है, वर्तमान में कुल 444 लोक सेवा केन्द्र (पी.पी.पी. मॉडल अनुसार) संचालित किए जा रहे है। अधिनियम अंतर्गत अब तक 733 सेवाएं अधिसूचित की जा चुकी हैं और 637 सेवाएं ऑनलाईन प्रदाय की जा रही है।

श्रमिक कल्याण की विभिन्न योजनाओं के लिए 1779.07 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा श्रम विभाग अंतर्गत श्रमिक कल्याण की विभिन्न योजनाओं के लिए 1,779 करोड़ 7 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है। स्वीकृति अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं संगठन अंतर्गत कर्मचारी राज्य बीमा योजना को आगामी 5 वर्षों (वित्तीय वर्ष 2026-2027 से वित्तीय वर्ष 2030-2031) तक निरंतर संचालन के लिये राशि 1,583 करोड़ 91 लाख रूपये तथा विभागीय परिसम्पत्तियों का संधारण योजना अंतर्गत परिसम्पत्तियों के संधारण के लिये राशि 50 लाख रूपये स्वीकृत किए गए है। कर्मचारी राज्य बीमा योजना का मुख्य उद्देश्य योजना के अन्तर्गत बीमित व्यक्ति एवं उनके परिवार के सदस्यों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करना है।

इसके साथ ही पंजीयक, औद्योगिक न्यायालय अंतर्गत औद्योयगिक न्यायालय के लिए 61 करोड़ 56 लाख रूपये, श्रम न्यायालय के लिए 132 करोड़ 10 लाख रूपये तथा विभागीय परिसंपत्तियों के संधारण से संबंधित योजनाओं के लिए 1 करोड़ रूपये की 16वें वित्त आयोग की अवधि (01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031) तक निरंतरता की स्वीकृति दी गई है।

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के लिए 373 करोड़ 38 लाख रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा लोक सेवा प्रबंधन विभाग अंतर्गत अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के कार्यों को वित्तीय वर्ष अप्रैल 2026-27 से मार्च 2030-31 तक निरंतर संचालन के लिए 348 करोड़ 38 लाख रूपये और जीव विज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के विकास के लिए 25 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के मुख्य उद्देश्यों में शासन के लिए प्रबुद्ध-मंडल के रूप में कार्य करते हुए गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य, नीति विश्लेषण, योजनाओं का प्रभाव आंकलन तथा शासन को समय-समय पर परामर्श देना सम्मिलित है। संस्थान द्वारा विभिन्न सामयिक सामाजिक, आर्थिक अन्य सरोकारों से संबंधित अध्ययन, विश्लेषण व अनुसंधान के साथ-साथ शासन की विभिन्न योजना के प्रभाव मूल्यांकन के कार्य भी शामिल है। इसके अंतर्गत मुख्यमंत्री यंग प्रोफेशनल फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम और मुख्यमंत्री यंग इंटर्न फॉर गुड गवर्नेंस प्रोग्राम का संचालन किया जाता है।

मप्र में अब 28 मई तक होगी गेहूं खरीदी

सीएम बोले- स्लॉट बुकिंग कराने वाले किसान बेच सकेंगे अपनी उपज

भोपाल। मप्र में अब गेहूं खरीदी 28 मई तक होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में गेहूं खरीदी की अंतिम तिथि 23 मई से बढ़ाकर 28 मई तक करने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अपने किसानों से किए गए वादों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकारी खरीदी केंद्रों पर जिन किसानों ने स्लॉट बुक कर लिए हैं, लेकिन लंबी कतारों के कारण अभी तक गेहूं नहीं बेच पाए हैं, उन सभी का गेहूं खरीदा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार ने गेहूं खरीदी में अपने ही पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। बीते वर्ष सरकार ने 75 लाख टन गेहूं खरीदा था, जबकि इस साल सरकार 100 लाख टन से अधिक खरीदी के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने जानकारी दी कि वर्तमान में मध्य प्रदेश पूरे देश में सर्वाधिक गेहूं खरीदने वाला राज्य बन गया है। अब तक 91 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद सरकार संकल्पबद्ध

डॉ. मोहन यादव ने स्वीकार किया कि भंडारण, वारदाने, बेमौसम बारिश और परिवहन जैसी चुनौतियां सामने हैं, लेकिन सरकार किसानों की उपज का एक-एक दाना खरीदने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार महिला, युवा, गरीब और किसान समेत सभी वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित है और उनकी हर समस्या के समाधान के लिए प्रयास कर रही है।

भोपाल के जंबूरी मैदान पर आयोजित सम्मेलन में सीएम ने किया ऐलान

रोजगार सहायकों के रिटारमेंट की उम्र 62 साल होगी

-भोपाल आ रहे रोजगार सहायकों की मौत पर सीएम ने दस-दस लाख की मदद का ऐलान

भोपाल। भोपाल के जंबूरी मैदान पर ग्राम रोजगार सहायकों का सम्मेलन हुआ। इस कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कई घोषणाएं कीं। सीएम ने कहा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से सरकार हर क्षेत्र में काम कर रही है। हर सेक्टर में काम कर रहे हैं। बिना मांगे आपकी तरफ ध्यान दे रहे हैं। सरकार आपके साथ खड़ी है। आपको जब काम का टारगेट देते हैं तो काम आप करो आपकी चिंता सरकार करेगी। ये आवश्वासन आपको दे रहा हूं। आप सबने पारिश्रमिक बढ़ाने की मांग की थी। तो 9 हजार से बढ़ाकर दोगुना 18 हजार किया था। अब पंचायत सचिव के रिक्त पदों के मामले में, आयु सीमा के मामले में, अनुकंपा के मामले में आपके जनप्रतिनिधियों की बैठक कराकर ठोस निर्णय लेने वाले हैं। सीएम ने कहा कि आपसे गांव के विकास की अपेक्षा करते हैं। हमने रोजगार सहायकों की आयु सीमा 62 साल की है। जो बहनें रोजगार सहायक हैं उन्हें प्रसूति अवकाश, मातृत्व अवकाश, ऐच्छिक अवकाश, पुरुष ग्राम रोजगार सहायक को 15 दिनों का पितृत्व अवकाश दिया जाएगा। ऐसे विषयों पर हम काम कर रहे हैं।

सीएम ने कहा कि किसी कारण से किसी रोजगार सहायक पर आपराधिक प्रकरण बन जाए और बाद में वो निर्दोष सिद्ध हो जाए तो उसे पुन: सर्विस में लेने की गारंटी हम सरकार के माध्यम से घोषणा करते हैं। जब कोई अपराध नहीं किया तो फिर क्यों बाहर करना? सबसे पहले आपके हितों के साथ सुरक्षा और सम्मान से गांव के विकास को जोडक़र देखने की दृष्टि हमने शुरु की है। सीएम ने कहा कि आज यहां आ रहे हमारे दो रोजगार सहायक मित्र हुरजी मेड़ा और लखन कमोदिया की असमय मृत्यु हुई है मैं दोनों साथियों के परिवारों को दस-दस लाख रुपए की सहायता देने की घोषणा करता हूं। जो घायल हैं उनके इलाज की व्यवस्था सरकार करेगी। गंभीर घायलों को एक लाख और अन्य घायलों को 50 -50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

अब 28 मई तक होगी गेहूं खरीदी

सीएम ने कहा कि अगली बार सरकार के माध्यम से बहुत सारे काम कराना है। अभी तो गेहूं खरीदी चल रही है। हमने यह घोषणा की थी कि हम 23 मई तक गेहूं खरीदी करेंगे। पूरे देश में सबसे ज्यादा गेहूं मप्र सरकार के माध्यम से खरीदा गया है। पिछले साल 75 लाख मीट्रिक टन खरीदा था। इस बार सौ लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदेंगे। स्लॉट बुकिंग के आधार पर यदि किसी कारण से कोई किसान गेहूं नहीं बेच पाते तो 28 मई तक गेहूं खरीदा जाएगा। जिन किसानों ने स्लॉट बुक किया है उनका गेहूं खरीदेंगे।

ग्राम पंचायतों में कार्यरत पेसा मोबिलाइजर्स (प्रेरकों) की सेवाएं निरन्तर जारी रखी जाएं

भोपाल । मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने ग्राम पंचायतों में कार्यरत पेसा मोबिलाइजर्स (प्रेरकों) की सेवाएं निरन्तर जारी रखी जाने के संबंध में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखा हे।

उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि मध्यप्रदेश में पंचायत उपबंध अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार अधिनियम 1996 (पेसा एक्ट) के क्रियान्वयन हेतु प्रेरकों की नियुक्ति की गई थी, लेकिन राज्य सरकार द्वारा अपने बजट से इनकी सेवाएं जारी न रखते हुए सेवा समाप्त कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से प्रदेश के आदिवासी जिलों में कार्य प्रभावित होंगे। पत्र में उल्लेख किया गया है कि शिवराज सिंह चौहान सरकार के दौरान प्रेरकों की नियुक्ति हुई थी तथा 15 नवम्बर 2022 को महामहिम राष्ट्रपति द्वारा इसका औपचारिक शुभारंभ किया गया था। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि पेसा एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लगभग 5000 प्रेरकों के हित को ध्यान में रखते हुए उनकी सेवाएं निरन्तर जारी रखने के संबंध में ठोस निर्णय लिया जाए। इस मामले को लेकर श्री सिंघार ने एक वीडियो जारी कर कहा कि प्रदेश सरकार ने एक झटके में हजारों मोबिलाइज़र्स की नौकरियां खत्म कर दीं। यही मोबिलाइज़र्स गांव-गांव, घर-घर जाकर सरकार की छोटी-छोटी योजनाओं के फॉर्म भरते थे, आज वही लोग सरकार की बेरुखी का शिकार हो गए हैं। किसी ने घर चलाने के लिए कर्ज लिया होगा, किसी ने बच्चों की पढ़ाई और परिवार के भविष्य के सपने देखे होंगे... लेकिन भाजपा सरकार ने बिना संवेदनशीलता, बिना विकल्प और बिना भविष्य की चिंता किए हजारों परिवारों को संकट में धकेल दिया।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या सरकार इनकी जगह आरएसएस से जुड़े लोगों की भर्ती करना चाहती है?

क्या मुख्यमंत्री जवाब देंगे कि इन मोबिलाइज़र्स को वापस लिया जाएगा या नहीं?

भाजपा के लिए ये सिर्फ आंकड़े होंगे, लेकिन हजारों परिवारों के लिए यह फैसला जिंदगी उजाड़ देने वाला है।

उज्जैन में होगी मध्य क्षेत्रीय परिषद की अगली बैठक

भोपाल। डॉ. मोहन यादव कैबिनेट की बैठक में राज्य सरकार की तबादला नीति-2026 को मंजूरी मिल गई है। वहीं बैठक की शुरूआत में मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्य क्षेत्रीय परिषद की अगली 27वीं बैठक वर्ष-2027 में उज्जैन में होगी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह इस बैठक के बाद सिंहस्थ-2028 की तैयारियों और व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण करेंगे। हाल ही में बस्तर में हुई बैठक में शाह ने उज्जैन में बैठक की सहमति दी। उन्होंने कहा कि जिस बस्तर क्षेत्र को कभी नक्सलवाद का गढ़ माना जाता था, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री ने मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक कर देश को नक्सलवाद की समाप्ति का संदेश दिया है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश को नक्सल मुक्त बनाने में योगदान देने वाले पुलिस अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, विशेष पुलिस महानिदेशक पंकज श्रीवास्तव सहित नक्सल उन्मूलन अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया है। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धान, ज्वार-बाजरा, कपास, तिल और सोयाबीन समेत अलग-अलग फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि पर केंद्र सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को बड़ी सौगात दी है।

भोजशाला पर हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत

मुख्यमंत्री ने धार जिले के भोजशाला परिसर को लेकर उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश शांति और सौहार्द का प्रदेश है और कानून व्यवस्था बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि करीब 750 वर्ष पुराने धार्मिक विवाद पर न्यायालय ने सकारात्मक और शांतिपूर्ण निर्णय दिया है। राज्य सरकार सभी पक्षों की भावनाओं का सम्मान करते हुए फैसले का पालन सुनिश्चित करेगी।

वाग्देवी की प्रतिमा लाने का प्रयास करेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां वाग्देवी की वास्तविक प्रतिमा को विदेश से वापस भारत लाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार केंद्र सरकार के साथ समन्वय कर हर संभव प्रयास करेगी। साथ ही प्रदेशवासियों से शांति, सौहार्द और सद्भाव बनाए रखने की अपील की।

कार्यशाला सरकार का नवाचारी प्रयास

उन्होंने कहा कि यह सरकार का नवाचारी प्रयास है। इसमें नये पदाधिकारियों को पदीय दायित्वों के निर्वहन, नियम-कायदे और वित्त प्रबंधन के संबंध में प्रशिक्षित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देकर प्रदेश के विकास के लिए काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह हमारी सरकार का एक नवाचारी प्रयास है। इसमें सभी नये पदाधिकारियों को उनके पदीय दायित्वों के निर्वहन की रीति-नीति, नियम-कायदे और वित्त प्रबंधन के संबंध में प्रशिक्षित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देकर सभी से मन लगाकर प्रदेश के विकास के लिए काम करने की अपील की।

ट्रांसपोर्टर-ऑपरेटरों ने दी चेतावनी

भोपाल। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी होना है। सूत्रों का कहना है कि 10 से 15 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ोतरी संभव है, जो किश्तों में यानी धीरे-धीरे बढ़ाई जाएगी। अभी दो किश्तों में लगभग 4 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि हो गई है, जिसके चलते यात्री और माल भाड़ा 20 फीसदी तक बढ़ सकता है। इससे रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ेंगी। ट्रांसपोर्टरों और ऑपरेटरों ने दर वृद्धि की चेतावनी भी दी है। साथ ही वैट सहित अन्य टैक्स घटाने की मांग भी प्रदेश सरकार से की है।

पेट्रोल की कीमत वर्तमान में 110 रुपए 70 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमत 95.02 प्रति लीटर हो गई है, जिसके चलते निजी दुपहिया, चार पहिया वाहन चालकों की जेब पर इस दर वृद्धि का अतिरिक्त भार पड़ ही रहा है। वहीं अब रोजमर्रा की वस्तुएं भी महंगी हो जाएंगी, क्योंकि डीजल की कीमत बढने के कारण मालभाड़ा भी बढ़ेगा। लॉजिस्टिक से जुड़े परिवहन ऑपरेटरों का कहना है कि कम से कम 20 फीसदी की वृद्धि करना होगी, क्योंकि ईंधन के साथ-साथ पार्ट्स, टैक्स सहित अन्य खर्चे भी ट्रांसपोर्टरों के बढ़ गए हैं। इतना ही नहीं, माल भाड़ा बढने के साथ रोजमर्रा की वस्तुएं, जिनमें फल, दही, दूध, किराना, खाद तेल सहित एफएमसीजी उत्पादों की कीमतों में भी बढ़ोतरी होगी। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि उनकी संचालन लागत का 40 से 50 फीसदी हिस्सा केवल ईंधन यानी डीजल पर ही खर्च होता है, जिसकी कीमत अभी लगातार बढ़ाई जा रही है। इसके साथ-साथ टायर, स्पेयर पार्ट्स, ल्यूबरीकेंट्स और रख-रखाव के अन्य खर्चों में भी बढ़ोतरी हुई और टोल टैक्स सहित करों की मार भी लगातार बढ़ रही है। अभी माल की ढुलाई भी युद्ध के चलते कम हो गई, जिसके चलते ट्रांसपोर्टरों को पहले से ही घाटा उठाना पड़ रहा है और अब डीजल की कीमतें सीधी बढ़ा देने से संचालन लागत 20 फीसदी से अधिक बढ़ गई है। ऐसी स्थिति में ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि जल्द ही हमें कम से कम 20 फीसदी की वृद्धि तो करना ही पड़ेगी। मध्यप्रदेश में वैसे भी पड़ोसी राज्यों की तुलना में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अधिक है, क्योंकि प्रदेश सरकार वैट सहित अन्य करों की वसूली अधिक करती है। इसी तरह यात्री भाड़ा यानी बसों का किराया भी बढ़ जाएगा।

ई-केवायसी नहीं कराई तो बंद होगी सब्सिडी!

भोपाल । पेट्रोलियम मंत्रालय ने उन एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए निर्देश जारी किया है जिन्होंने अब तक ई-केवायसी नहीं कराया है। निर्देश में कहा गया है तय समय सीमा में ई-केवाईसी नहीं कराया गया तो सब्सिडी बंद हो जाएगी। इसके बाद ग्राहकों को बाजार दर पर गैस सिलेंडर मिलेगा।

निर्देश के मुताबिक डीबीटीएल और उज्ज्वला योजना के तहत आने वाले घरेलू गैस उपभोक्ता, जिन्होंने कनेक्शन लेने के बाद अब तक एक बार भी बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है, उन्हें 30 जून तक ई-केवाईसी कराना होगा। उपभोक्ताओं से कहा गया है कि निर्धारित तारीख तक ई-केवाईसी ना कराने पर उनकी सब्सिडी हमेशा के लिए बंद हो जाएगी। मंत्रालय द्वारा संबंधित कंपनियों को एसएमएस, फोन कॉल के साथ-साथ रजिस्टर्ड डाक से नोटिस देने की बात कही है। मध्य प्रदेश में डीबीटीएल से लाभान्वित होने वाले उपभोक्ताओं की संख्या करीब 48 लाख और उज्ज्वला योजना के ग्राहकों की संख्या 80 लाख है। इन दोनों के उपभोक्ता ई-केवाईसी नहीं कराते हैं तो सब्सिडी बंद हो जाएगी।

आज होगा गुजरात टाइटंस और सीएसके में मुकाबला

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस की टीम गुरुवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से खेलेगी। गुजरात की टीम पहले ही प्लेऑफ में पहुंच गयी है पर उसका लक्ष्य इस मैच में भी अपनी जीत के सिलसिले को बरकरार रखना रहेगा जिससे वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच सके। वहीं अगर सीएसके की बात करें तो वह अभी अंकतालिका में छठे स्थान पर है और उसका लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा।

सीएसके को अगर इस मैच को जीतना है तो उसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। बल्लेबाजी में अधिक से अधिक रन बनाने होंगे और उसके गेंदबाजों का ही सटीक गेंदबाजी करनी होग। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 9 मैच खेले गये हैं। जिसमें से गुजरात टाइटंस ने 5 जबकि सीएसके ने 4 मैच जीते हैं।

गुजरात की टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है, इसलिए वह इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। उसकी बल्लेबाजी कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन पर टिकी है। वहीं गेंदबाजी की कमान कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान संभालेंगे।

दूसरी ओर रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली सीएसके की बल्लेबाजी संजू सैमसन के अलावा कार्तिक शर्मा और डेवाल्ड ब्रेविस पर निर्भर करेगी। गेंदबाजी की जिम्मेदारी अंशुल कंबोज, स्पेंसर जॉनसन और नूर अहमद संभालेंगे।

गुजरात टाइटंस - शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, निशांत सिंधु, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, साई किशोर, राशिद खान, अरशद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज

इम्पैक्ट प्लेयर- प्रसिद्ध कृष्णा

चेन्नई सुपर किंग्स - रुतुराज गायकवाड (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), उर्विल पटेल (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, प्रशांत वीर, अकील होसेन, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, अंशुल कंबोज

इम्पैक्ट प्लेयर- मुकेश चौधरी

भारतीय टीम में जगह मिलने के बाद से ही मानव के घर में जश्न का माहौल

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिले के युवा स्पिनर मानव सुथार को अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम में शामिल किये जाने के बाद से ही उनके घर के साथ ही पूरे राजस्थान क्रिकेट जगत में जश्न का माहौल है। एक दशके बाद राज्य के किसी खिलाड़ी को भारतीय टीम में जगह मिली है। जिससे क्रिकेट प्रशंसक उत्साहित हैं। बाएं हाथ के इस गेंदबाज को 6 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ शुरू होने वाली एक टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इससे उनके पैतृक जिले श्रीगंगानगर में जश्न का माहौल है, जहां हर कोई इस युवा सितारे की सफलता पर गर्व महसूस कर रहा है।

माना जा रहा है कि मानव को अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की जगह मौका दिया गया है, जो उनकी बढ़ती परिपक्वता और क्षमता को दिखाता है। मानव पिछले कुछ वर्षों से लगातार भारतीय चयनकर्ताओं की नजर में थे। साल 2023 के एकदिवसीय विश्व कप से पहले बेंगलुरु में आयोजित अभ्यास शिविर में उन्हें बुलाया गया था, जहां उन्होंने अपनी बेहतरीन स्पिन गेंदबाजी से कप्तान रोहित शर्मा और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों को काफी प्रभावित किया था। तभी से माना जा रहा था कि वह भविष्य के एक बेहतरीन टेस्ट स्पिनर के रूप में उभरेंगे। हालांकि, उनका सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। आईपीएल में गुजरात टाइटंस के साथ लंबे समय तक बेंच पर बैठने और इंडिया-ए व दलीप ट्रॉफी में चयन न होने के बावजूद उन्होंने अपना हौसला बनाए रखा।

अगरकर बोले, शमी के नाम पर बात तक नहीं हुई

मुम्बई। पिछले काफी समय से भारतीय टीम में वापसी का प्रयास कर रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को एक बार फिर झटका लगा है। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज के लिए उन्हें टीम में जगह नहीं मिली है। इससे साफ है कि अब उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त हो गया है। इसका अंदाज चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर के बयान से होता है। अगरकर का कहना है कि चयनसमिति की बैठक में शमी के नाम पर बात तक नहीं हुई थी। अगरकर ने कहा, हां, वह लगातार घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं पर हमें बताया गया है कि इस समय वह टी-20 क्रिकेट के लिए तैयार हैं, इसलिए शमी को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। अगरकर की इस टिप्पणी से प्रशंसकों और क्रिकेट विशेषज्ञों ने हैरानी जताया है। उनका मानना है कि एक अनुभवी गेंदबाज जो विभिन्न प्रारूपों में अपनी क्षमता साबित कर चुका है, उसे अचानक केवल एक प्रारूप तक के लिए सीमित किसी प्रकार से किया जा सकता है।

यह बात इसलिए, भी तर्कसंगत नहीं लगती है क्योंकि शमी ने हाल में घरेलू रणजी सत्र में शानदार प्रदर्शन किया था। इसके बाद भी उनकी उपेक्षा समझ से परे है। उन्होंने बंगाल के लिए महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। इससे पहले भी उन्हें दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के साथ-साथ हाल ही में टी-20 विश्व कप स्क्वाड में भी जगह नहीं मिली थी, जिससे उनके भविष्य पर पहले ही सवाल खड़े कर दिए थे। अब ऐसा लगता है कि चयनकर्ता उनसे आगे बढ़ गये हैं और उनका लक्ष्य अब युवाओं को ही अवसर देना है। शमी जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज का इस तरह से हाशिये पर चले जाना भारतीय क्रिकेट के लिए एक चिंता का विषय है। एक खिलाड़ी जिसने देश के लिए इतने बड़े मंच पर असाधारण प्रदर्शन किया हो, उसे बिना किसी स्पष्ट कारण के नजरअंदाज करना, खासकर अगरकर के कार्यकाल में, कई सवालों को जन्म देता है। ऐसा लगता है कि शमी का अंतरराष्ट्रीय करियर अब एक ऐसे चौराहे पर आ खड़ा हुआ है, जहां से उनकी टीम में वापसी असंभव दिख रही है।

ऋषभ की जुबान फिसली, प्रजेंटर इयान बिशप ने हालात संभाले

लखनऊ। लखनऊ सुपर जॉइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल 2026 के प्लेऑफ से बाहर होने के बाद से ही निराश हैं । ऐसे में जब लखनऊ सुपर जॉइंट्स की टीम राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपना अंतिम लीग मैच भी हार गयी तो उनका गुस्सा फूट पड़ा। हार के बाद अवार्ड समारोह के दौरान ऋषभ ने कुछ ऐसा कह दिया, जिसके लिए तत्काल प्रजेंटर इयान बिशप को दर्शकों से माफी मांगनी पड़ी। दरअसल, मैच के प्रदर्शन का विश्लेषण करते समय ऋषभ की जुबान फिसल गई और उन्होंने एक अपशब्द का प्रयोग कर दिया। ऐसे में हालात को संभालते हुए, प्रजेंटर इयान बिशप ने तुरंत हस्तक्षेप किया और दर्शकों तथा प्रसारण देखने वालों से इसके लिए खेद व्यक्त किया। इस अप्रत्याशित घटना ने मैच के बाद की चर्चा में एक अलग मोड़ ला दिया।

अपनी टीम की हार और विवादित टिप्पणी के बाद ऋषभ ने अपनी टीम और खिलाड़ियों का मजबूती से बचाव । उन्होंने कहा, 'हमें अपनी टीम पर गर्व है, भले ही स्थितियां कैसी भी हों। टेबल में हमारी स्थिति चाहे जो भी हो, हम एक आत्मविश्वास से भरी टीम हैं। यह हमारे हिसाब से नहीं हुआ और यह बात हर कोई जानता है। लेकिन इससे यह सच नहीं बदलता कि हम एक अच्छी टीम हैं।' लखनऊ सुपर जॉइंट्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 220 रनों का विशाल स्कोर खड़ा

किया था पर , वैभव सूर्यवंशी की 38 गेंदों में 93 रन की विस्फोटक पारी के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 225 रन बनाकर शानदार जीत दर्ज की।

ऋषभ ने स्वीकार किया कि बेहतर शुरुआत के बाद उनकी टीम आखिरी ओवरों में तेजी से रन बनाने में नाकाम रही। उन्होंने प्रसारकों से बातचीत में कहा, इसे कई तरीकों से देखा जा सकता है। बीच के ओवरों में और आखिरी ओवर में जिस तरह जोफ्रा आर्चर ने गेंदबाजी की, वह बेहद शानदार थी। लेकिन इस तरह की बल्लेबाजी पिच पर जब आपको इतनी अच्छी शुरुआत मिले तो पांच-दस रन और बनाने चाहिए थे। आखिरी ओवरों में हम उस शुरुआत का पूरा फायदा नहीं उठा सके।

कप्तान ने बल्लेबाजों के लिए मददगार पिच पर बड़े लक्ष्य को बचाने की चुनौती पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित तौर पर मुश्किल होता है, क्योंकि आप हमेशा अपने गेंदबाजों का समर्थन करना चाहते हैं, लेकिन कई बार हालात कठिन हो जाते हैं। ऐसी विकेट पर गेंदबाजों के पास गलती की गुंजाइश बहुत कम होती है। बहुत ज्यादा सलाह देना भी काम नहीं करता। ऐसे में योजना को सरल रखना, हर गेंद पर ध्यान देना और उसे सही तरीके से लागू करना जरूरी होता है।'

नबी को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने पर गांगुली ने सवाल उठाये

मुम्बई (ईएमएस)। पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भी जम्मू-कश्मीर के युवा तेज गेंदबाज आकिब नबी भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाये हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट ओर एकदिवसीय के लिए मंगलवार को भारतीय टीम घोषित की गयी थी पर उसमें भी नबी को जगह नहीं मिली। नबी ने रणजी ट्रॉफी के लगातार दो सत्र में कुल 104 विकेट लिए हैं। इसे बाद भी उनके नाम पर विचार न होना हैरानी की बात है। इसके लेकर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली सहित कई दिग्गज खिलाड़ियों ने सवाल उठाये हैं।

आकिब ने रणजी ट्रॉफी 2024-25 में 44 विकेट लिए जबकि 2025-26 में उन्होंने 60 विकेट लेकर घरेलू सर्किट में अपने को साबित किया। रणजी के फाइनल मुकाबले में उन्होंने केएल राहुल और करुण नायर जैसे बल्लेबाजों को आउट कर सभी का ध्यान खींचा। उनकी सटीक लाइन-लेंथ और गेंद को दोनों तरफ घुमाने की स्वाभाविक क्षमता को घरेलू क्रिकेट में काफी महत्व दिया जाता है।

इसके बाद भी उन्हें जगह नहीं मिलने को लेकर जो तर्क दिया गया है वह ये है कि उनकी गेंदबाजी की गति कम है। मान्य तौर पर नबी 130 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। जबकि भारतीय टीम प्रबंधन और चयन समिति इस समय विदेशी दौरों को ध्यान में रखते हुए ऐसे तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रही है, जिनकी गति 140 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक हो। चयन समिति का यह मानना है कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी तेज और उछाल भरी पिचों पर केवल स्विंग गेंदबाजी, अतिरिक्त गति के बिना, उतनी घातक साबित नहीं हो सकती। इसके अतिरिक्त एक कारण ये भी सामने आया है कि चयनकर्ता किसी भी किसी भी युवा खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जल्दबाजी में नहीं उतारना है। इसी कारण चयन समिति आकिब नबी को पहले इंडिया-ए दौरों और अन्य बड़े मंचों पर अवसर देकर उनकी क्षमता और दबाव झेलने की ताकत का आंकलन करना चाहती है।

विराट विश्व के शीर्ष 10 प्रभावशाली एथली टों में शामिल होने वाले एकमात्र

भारतीय बने

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को विश्व के शीर्ष 10 प्रभावशाली एथलीटों की सूची में जगह मिली है। विराट को इसमें पांचवें नंबर पर रखा गया है। इस प्रकार विराट के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गयी है। इस प्रभावशाली सूची में विराट को शामिल किये जाने से भारत का गौरव भी बढ़ा है। इस सूची में पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो, अर्जेंटीना के लियोनल मैसी के अलावा बास्केटबॉल सहित कई खेलों के स्टार खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसे में इस सूची में जगह हासिल कर विराट ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि उनका प्रभाव सिर्फ क्रिकेट मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि वह वैश्विक खेल जगत के सबसे बड़े चेहरों में शामिल हो चुके हैं। वह दुनिया के शीर्ष 10 एथलीटों की प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। विराट की ये उपलब्धि उनके साथ ही पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है।

इसका करण ये है कि फुटबॉल और बास्केटबॉल जैसे खेलों की वैश्विक लोकप्रियता क्रिकेट की तुलना में कहीं अधिक है। इसके बाद भी विराट ने अपनी शानदार बल्लेबाजी, अद्वितीय फिटनेस, आक्रामक खेल शैली और बेजोड़ सोशल मीडिया लोकप्रियता के बलपर इस विशिष्ट सूची में अपना स्थान बनाया है। उनका सूची में पांचवें स्थान पर होना इस बात का प्रमाण है कि उनका वैश्विक प्रभाव किसी भी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल या बास्केटबॉल स्टार से कम नहीं है।

विराट की इस सफलता के पीछे उनकी मजबूत ब्रांड वैल्यू और विशाल सोशल मीडिया पहुंच की भी अहम भूमिका है। इंस्टाग्राम पर 27 करोड़ से अधिक फॉलोअर्स के साथ, वह दुनिया के सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले क्रिकेटरों में से एक हैं, उनसे आगे केवल फुटबॉल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मैसी जैसे खिलाड़ी ही हैं। दुनिया की कई बड़ी कंपनियां उन्हें अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करती हैं, जो उनकी व्यापक लोकप्रियता का सीधा संकेत है। उनकी फिटनेस के प्रति प्रतिबद्धता, खेल के प्रति समर्पण और अनुशासित जीवनशैली ने भारतीय युवाओं में एक नई ऊर्जा भरी है और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने की प्रेरणा दी है।

वैभव ने संजीव गोयनका के पैर छुए

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल के इस सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया है। वैभव ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अहम मुकाबले में 93 रनों की तेज पारी खेलने के बाद जो किया उससे अंदाज होता है कि उनके संस्कार भी काफी अच्छे हैं। टीम की जीत के बाद वैभव ने लखनऊ सुपर जायंट्स मालिक संजीव गोयनका से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान, जब वैभव गोयनका और उनकी पत्नी के पास पहुंचे, तो उन्होंने सम्मानपूर्वक उनके पैर छुए। वैभव के इस सहज और विनम्र संस्कार को देखकर सुपरजायंट्स के मालिक गोयनका भावुक हो गए और उन्होंने वैभव की जमकर प्रशंसा की। वैभव हमेशा ही बड़े और वरिष्ठ व्यक्तियों से मिलने पर अक्सर उनके पैर छूकर सम्मान व्यक्त करते हैं, एक ऐसी परंपरा जो उन्हें मैदान के अंदर और बाहर, दोनों जगह प्रशंसकों का चहेता बनाती है।

रियान पराग कमेंटेटर्स पर भड़के, बोले निजी जिंदगी नहीं खेल की बात करें

लखनऊ । राजस्थान रॉयल्स की टीम के कप्तान रियान पराग के लिए आईपीएल को ये सत्र अच्छा नहीं रहा है और खेल के अलावा वे अन्य बातों के लिए अधिक चर्चाओं में रहे है। रियान इस सत्र में अब तक अधिक रन बनाने में तो सफल नहीं हुए हैं पर उनकी टीम प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। इसी कारण लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत के बाद रियान भड़क गये और उन्होंने कमेंटेटर्स को नसीहत दे दी कि क्रिकेटरों की निजी जिंदगी में दखल देने की जगह पर वे खेल पर ही ध्यान दें। पराग हाल ही में ई सिगरेट पीने को लेकर विवाद में आ गये थे। ऐसे में जब उनसे पूछा गया कि वह अपने बारे में हो रही आलोचनाओं और चर्चाओं को कैसे संभालते हैं, तो उन्होंने कहा, पिछले चार साल में मैंने एक बात तो समझ ली है कि मैं कुछ भी करूं, लोग बातें तो करेंगे ही। इन बातों का मेरे खेल, मेरी फॉर्म या मेरी मानसिकता पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। इस साल आईपीएल में जो कुछ भी हो रहा है, बहुत सी बातें बाहर हो रही हैं।

उन्होंने आईपीएल विशेषज्ञों और कमेंटेटर्स पर तंज कसते हुए कहा कि खिलाड़ी भी इंसान होते हैं और उनसे गलतियां हो सकती हैं पर उनकी निजी जिंदगी पर टिप्पणी करना गलत है। उन्होंने आगे जोड़ा, जब कोई टीम 75 या 80 रन पर सिमट जाती तो लोग कह देते हैं कि खिलाड़ियों को खेलना नहीं आता या वो खेलना नहीं चाहते पर उस मैच से पहले तीन-चार दिन की तैयारी होती है। खिलाड़ी 220-250 रन बनाने की सोचकर उतरते हैं, लेकिन हर दिन वैसा नहीं होता। हम भी इंसान हैं, हमसे भी गलतियां होती हैं। मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि जिन कमेंटेटर्स की आवाज लाखों लोगों तक पहुंचती है, वो क्रिकेट से प्यार करें और क्रिकेट की ही बात करें । पराग ने इस दौरान युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उसकी इस सत्र में काफी अच्छी भूमिका रही है।

जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट ने क्रिकेटर माजिद डार के खिलाफ जन्मतिथि हेराफेरी का केस रद्द किया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने केंद्रशासित प्रदेश के पूर्व रणजी क्रिकेटर माजिद डार के खिलाफ जन्मतिथि में हेराफेरी के आरोप में दर्ज एफआईआर और संबंधित जांच को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति वसीम सादिक नरगल ने डार की याचिका पर सुनवाई कर आदेश पारित किया, जिसमें कश्मीर क्राइम ब्रांच द्वारा दर्ज एफआईआर, मूल शिकायत और आर्थिक अपराध शाखा द्वारा जारी संबंधित संचार को रद्द करने का अनुरोध किया गया था।

यह मामला जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) के तत्कालीन मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा 12 सितंबर, 2020 को दर्ज कराई गई शिकायत से शुरु हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि डार ने रणजी ट्रॉफी प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण के दौरान अपनी जन्म तिथि 30 दिसंबर 1970 के बजाय 30 दिसंबर 1978 बताकर एक फर्जी जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया था। ऐसा उन्होंने कथित तौर पर धोखाधड़ी से लाभ प्राप्त करने के लिए किया था, जिसके बाद कश्मीर अपराध शाखा ने प्राथमिक जांच शुरू की थी। हालांकि, बाद में जांच के दौरान, जेकेसीए ने स्वयं अपनी आंतरिक जांच की और पाया कि पूर्व क्रिकेटर के खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार थे। एसोसिएशन ने 16 मार्च 2022 को रिपोर्ट के माध्यम से अपनी शिकायत वापस ले ली और अपराध शाखा को सूचित किया कि आरोप झूठे और बेबुनियाद थे। याचिकाकर्ता के वकील ने न्यायालय को बताया कि जेकेसीए की उप-समिति इस निष्कर्ष पर पहुंची थी कि शिकायत माजिद डार को परेशान करने के उद्देश्य से की गई थी, खासकर जब एसोसिएशन ने पहले ही उनकी जन्मतिथि को स्वीकार कर लिया था।

उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में पाया कि इस मामले में न तो सार्वजनिक धन के गबन का आरोप था और न ही कोई वित्तीय अनियमितता। न्यायालय ने यह भी कहा कि यह मामला एसोसिएशन के भीतर के आंतरिक विवादों से प्रेरित प्रतीत होता है। न्यायमूर्ति नरगल ने टिप्पणी की कि जब शिकायतकर्ता एसोसिएशन ने स्वयं आरोपों को निराधार प्रमाणित कर दिया है और अभियोजन को आगे नहीं बढ़ाना चाहती है, तो आपराधिक कार्यवाही जारी रखना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। न्यायालय ने जेकेसीए के प्रशासनिक सदस्य ब्रिगेडियर अनिल गुप्ता के बयान पर भी ध्यान दिया, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया था कि रणजी ट्रॉफी मुकाबलों में भाग लेने के लिए कोई आयु सीमा नहीं है और माजिद डार को प्राप्त पारिश्रमिक जम्मू-कश्मीर की ओर से खेले गए मैचों के लिए वैध भुगतान था।

बांग्लादेश डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में पांचवे स्थान पर पहुंचा

सिलहट । बांग्लादेश ने यहां पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप करने के साथ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक तालिका में भारतीय टीम को पीछे छोड़ दिया है। बांग्लादेश की टीम इस जीत के साथ, ही 58.33 प्रतिशत अंक (पीसीटी) के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि भारतीय टीम 48.32 पीसीटी के साथ अब छठे पायदान पर फिसल गयी है।

इसका करण है कि बांग्लादेश ने इस सत्र में अब तक कुल तक कुल चार टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से दो में उन्हें जीत मिली है। विशेष बात ये है कि ये दोनों जीत उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ हासिल की हैं। एक मैच ड्रॉ रहा है, जबकि एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। वहीं दूसरी ओर, भारतीय टीम के लिए यह डब्ल्यूटीसी चक्र अब तक खास नहीं रहा है। टीम ने कुल नौ टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से उन्हें केवल चार में जीत मिली है, जबकि चार में हार का सामना करना पड़ा और एक मैच ड्रॉ रहा है। इसी कारण भारतीय टीम का पीसीटी घटकर 48.32 हो गया है। जिसने वह अंक तालिका में बांग्लादेश के नीचे आ गया है। इस साल भारतीय टीम ने अभी तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है।

इस चक्र में भारत को घरेलू टेस्ट सीरीज में दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा है। इंग्लैंड में भी उन्हें दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही थी। टीम की रैंकिंग अंकों से नहीं, बल्कि पीसीटी के आधार पर तय की जाती है, और इसी कारण बांग्लादेश, कम मैचों में अधिक सफलता दर के साथ भारत से आगे निकल गया है। भारतीय टीम को इस साल के अंत में श्रीलंका और न्यूजीलैंड का दौरा करना है, जहां वह दो-दो टेस्ट मैच खेलेगी, और फिर 2027 में घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। ये आगामी मुकाबले भारत के लिए अपनी स्थिति सुधारने के महत्वपूर्ण अवसर होंगे। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम 87.50 पीसीटी के साथ आठ टेस्ट मैचों में सात जीत दर्ज कर पहले स्थान पर मजबूती से बनी हुई है। उसके बाद न्यूजीलैंड की टीम दूसरे स्थान पर है, जिसके तीन मैचों में 77.78 पीसीटी हैं। दक्षिण अफ्रीका तीसरे और श्रीलंका चौथे स्थान पर हैं।

बांग्लादेश ने दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान को 78 रनों से हराया, 2-0 से सीरीज जीती

सिलहट। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने यहां पाकिस्तान के खिलाफ हुए सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच को 78 रनों से जीतकर 2-0 से सीरीज अपने नाम की है। इसी के साथ ही मेजबान बांग्लादेश टीम अपनी धरती पर पाक के खिलाफ पहली सीरीज जीतने में सफल रही है। इस मैच में पाकिस्तान की टीम जीत के लिए मिले 437 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान मैच के चौथे दिन के पहले सत्र में 358 रनों के स्कोर पर ही सिमट गयी। बांग्लादेश की ओर से स्पिनर गेंदबाज तैजुल इस्लाम ने घातक गेंदबाजी करते हुए 114 रन देकर 6 विकेट लिए। तैजुल की फिरकी के आगे पाक बल्लेबाज टिक नहीं पाये। इसके अलावा तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने भी 2 विकेट लिए, जबकि शोरिफुल इस्लाम और अनुभवी मेहदी हसन मिराज को भी एक-एक विकेट मिला।

वहीं पाक की ओर से दूसरी पारी में मोहम्मद रिजवान ने सबसे अधिक 94 रन बनाए पर वह टीम को हार से नहीं बचा पाये। वह शोरिफुल इस्लाम की गेंद पर आउट हुए। रिजवान के अलावा शान मसूद और सलमान आगा ने भी 71-71 रनों का योगदान दिया, जबकि कप्तान बाबर आजम ने भी 47 रनों की अच्छी पारी खेली। हालांकि इसके बावजूद पाकिस्तान के अन्य बल्लेबाज बड़ी साझेदारी बनाने और लक्ष्य तक पहुंचने में विफल रहे, जिसके कारण उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा ।

इस मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। पहली पारी में लिटन दास ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 126 रनों की शतकीय पारी खेली, जिसकी बदौलत टीम 278 रन बनाने में सफल रही। जवाब में पाकिस्तान की टीम 232 रन ही बना पाई, जिससे बांग्लादेश को पहली पारी में 46 रनों की बढ़त हासिल हुई। इस बढ़त ने बांग्लादेश की टीम मैच में हावी हो गयी।

अपनी दूसरी पारी में बांग्लादेश ने एक बार फिर शानदार बल्लेबाजी का नजारा पेश किया। मुशफिकुर रहीम ने137 रनों की जबरदस्त शतकीय पारी खेली, वहीं लिटन दास ने भी 69 रन बनाकर अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखी। इन पारियों के बल पर बांग्लादेश ने अपनी दूसरी पारी में 390 रन बनाए और पाकिस्तान के सामने जीत के लिए कुल 437 रनों का एक बेहद मुश्किल लक्ष्य रखा, जिसे वह हासिल नहीं कर पाया।

तेल संकट के बीच भारत का साहसिक दांव

होर्मुज के रास्ते टैंकर भेजने की तैयारी

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में पैदा हुई अस्थिरता ने वैश्विक तेल बाजार में भूचाल ला दिया है। कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं, इससे भारत सहित दुनिया भर के देशों में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति व दामों पर गहरा असर पड़ा है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने दुनिया भर के घरेलू बाजारों को प्रभावित कर दिया है, यहां तक कि अमेरिका में भी पेट्रोल-डीजल के दाम में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि कर चुका है। भारत में भी ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं और एलपीजी की आपूर्ति भी बुरी तरह से प्रभावित हुई है। इसी गंभीर संकट के बीच भारत ने एक बड़ा और साहसिक कदम उठाने का फैसला किया है। वह अपने तेल टैंकरों को होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते फारस की खाड़ी में भेजेगा, अमेरिकी और ईरानी धमकियों की परवाह नहीं करेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी कंपनी शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) के टैंकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से फारस की खाड़ी में जाने के लिए तैयार खड़े हैं। उन्हें बस भारतीय नौसेना और देश की तेल रिफाइनरियों से अंतिम मंजूरी मिलने का इंतजार है। एक बेहद विश्वसनीय सूत्र के हवाले से इसकी जानकारी सामने आई है। ये टैंकर मध्य-पूर्व के प्रमुख तेल उत्पादक देशों से कच्चे तेल की खेप लाने के लिए निकलने वाले हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच जंग भड़कने के बाद ऐसा पहली बार होगा कि कोई देश इस विवादास्पद समुद्री मार्ग का उपयोग करेगा। पूरी योजना को अंतिम रूप दिया जा चुका है और जैसे ही केंद्र सरकार की हरी झंडी मिलती है, भारतीय जहाज होर्मुज की ओर रवाना हो जाएंगे। हालांकि, जहाजों की संख्या और उनके रवाना होने के समय के बारे में अभी कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे व्यस्त तेल मार्गों में से एक है, जिससे वैश्विक तेल का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। पिछले करीब तीन महीनों से यह मार्ग बाधित है, जिससे वैश्विक ऊर्जा संकट गहरा गया है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक देश है, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए इस मार्ग पर अत्यधिक निर्भर है।

यह अभी स्पष्ट नहीं है कि भारत को इस योजना को अमेरिका या ईरान, या दोनों की ओर से मंजूरी मिली है या नहीं। चूंकि ये दोनों देश इस क्षेत्र में आमने-सामने हैं, इसलिए उनकी सहमति के बिना होर्मुज में प्रवेश करना खतरनाक साबित हो सकता है। हालांकि, हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन में भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात की थी, जिससे कूटनीतिक हल निकालने के प्रयासों का संकेत मिलता है। भारत अपने पारंपरिक मध्य-पूर्वी आपूर्तिकर्ताओं से तेल आयात जारी रखना चाहता है, क्योंकि वैकल्पिक स्रोतों से तेल मंगाने में न केवल अधिक समय लगता है, बल्कि लंबी दूरी के कारण वह महंगा पड़ता है। इस बीच, भारतीय नौसेना ने इलाके में अपने युद्धपोतों की संख्या दोगुनी कर दी है, ताकि स्थिति पर पैनी नज़र रखी जा सके और भारतीय ध्वज वाले टैंकरों को सुरक्षा प्रदान की जा सके। हालांकि, इस पूरी योजना पर भारत के पोर्ट, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय तथा भारतीय नौसेना ने कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

सीएम सुवेंदु की बड़ी सौगात, ऐम्स-आईआईटी और कैंसर अस्पताल का ऐलान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने बुधवार को उत्तर बंगाल के लिए कई बड़ी घोषणाएं करते हुए क्षेत्र में एम्स, आईआईटी और कैंसर अस्पताल स्थापित करने का वादा दोहराया। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार उत्तर बंगाल पहुंचे अधिकारी ने कहा कि उनकी सरकार इस क्षेत्र के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और विकास को नई गति देने के लिए प्रतिबद्ध है।

बागडोगरा एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी का भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उत्तर बंगाल ने हमेशा भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार इस विश्वास का सम्मान करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए ठोस कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि उत्तर बंगाल के भाजपा मंत्री सप्ताह में एक बार 卐जनता दर्शन卐 कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इसके माध्यम से मंत्री सीधे नागरिकों से संवाद करेंगे और प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर विकास योजनाओं की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि नियमित बैठकों के जरिए हर परियोजना के कार्यान्वयन की निगरानी की जाएगी ताकि योजनाओं का लाभ लोगों तक समय पर पहुंच सके।

सुवेंदु अधिकारी ने भाजपा के घोषणापत्र में किए गए प्रमुख वादों का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तर बंगाल में एम्स, आईआईटी और अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल की स्थापना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों के बनने से न केवल स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

इस मौके पर भाजपा सांसद राजू बिस्टा ने भी पिछली सरकारों पर उत्तर बंगाल की उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक इस क्षेत्र के साथ भेदभाव हुआ, लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में उत्तर बंगाल अपनी पहचान और विकास दोनों वापस हासिल करेगा।

सूर्यास्त्र रॉकेट का सफल परीक्षण, 300 किलोमीटर तक दुश्मन को नेस्तनाबूद करेगा

निजी क्षेत्र की कंपनी एनआईबीई लिमिटेड ने बनाया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय सेना के लिए महत्वपूर्ण और खुश कर देने वाली खबर सामने आई है। निजी क्षेत्र की कंपनी एनआईबीई लिमिटेड ने अपने स्वदेशी सूर्यास्त्र यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का सफल परीक्षण किया है, जो 150 से 300 किलोमीटर तक की रेंज में दुश्मन के ठिकानों को भेदने की क्षमता रखता है। यह परीक्षण 18 और 19 मई, 2026 को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में सफलतापूर्वक हुआ।

यह उपलब्धि भारत के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र को बड़ा बढ़ावा देती है और लंबी दूरी की रॉकेट तोपखाना व सटीक-हमला प्रणालियों के विकास में निजी क्षेत्र की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करती है। एनआईबीई लिमिटेड ने अपने स्वदेशी सूर्यास्त्र यूनिवर्सल रॉकेट लांचर सिस्टम की घोषणा के साथ ही, भारतीय सेना के लिए तैयार किए गए 150 किमी और 300 किमी रेंज वाले सटीक-निर्देशित रॉकेटों की क्षमता को भी प्रमाणित किया है।

सूर्यास्त्र कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आयातित लंबी दूरी के स्ट्राइक सिस्टम पर भारत की निर्भरता को खत्म करना है। इसका लक्ष्य एक मजबूत घरेलू रॉकेट आर्टिलरी इकोसिस्टम का निर्माण करना है, जो भविष्य के युद्धक्षेत्र की बदलती जरूरतों को पूरा करने में पूरी तरह सक्षम हो। उम्मीद है कि यह नया सिस्टम भारतीय सेना के स्वदेशी लंबी दूरी के सटीक मारक हथियारों के बढ़ते जखीरे को और मजबूती देगा, जिसमें पहले से ही गाइडेड पिनाका रॉकेट सिस्टम और विकास के दौर से गुजर रहे अन्य टैक्टिकल मिसाइल प्रोग्राम शामिल हैं।

300 किलोमीटर रेंज वाले रॉकेट सिस्टम का आगमन भारतीय सेना के लिए रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। यह सेना को दुश्मन की सीमा के काफी अंदर मौजूद महत्वपूर्ण ठिकानों, जैसे लॉजिस्टिक्स हब, कमांड सेंटर, रडार इंस्टॉलेशन और सैनिकों के जमावड़ों पर सटीक और गहरी मार करने की अद्वितीय क्षमता प्रदान करता है। इस क्षमता के साथ, सेना को इसतरह के हमलों के लिए पूरी तरह से बैलिस्टिक मिसाइलों या हवाई ताकत पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिससे सैन्य विकल्पों में विविधता आती है और दुश्मन पर दबाव बनाने की रणनीति में लचीलापन आता है।

नीट पेपर लीक : लातूर के कोचिंग संचालक का 1500 करोड़ का नेटवर्क

-पिछले साल भी लीक हुए थे पेपर

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने नीट पेपर लीक मामले में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। जांच एजेंसी को पुख्ता सुराग मिले हैं कि बीते साल भी मेडिकल प्रवेश परीक्षा का पेपर लीक होकर महाराष्ट्र के लातूर स्थित रेणुकाई करियर सेंटर (आरसीसी) तक पहुंचा था। इस कोचिंग सेंटर के संचालक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर पर एक बड़े पेपर लीक नेटवर्क का हिस्सा होने का आरोप है, जिसकी नेटवर्थ 1500 करोड़ आंकी गई है। बताया जा रहा है कि मोटेगांवकर ने कभी एक पार्ट-टाइम टीचर के रूप में करियर शुरू किया था।

रिपोर्ट के अनुसार, मोटेगांवकर की कोचिंग से बीते नीट चक्र में 19 छात्रों का एम्स में चयन हुआ था, जिसमें दिल्ली एम्स में 2, हैदराबाद में 5, भोपाल और वाराणसी में 3-3, तथा अन्य शहरों के एम्स में एक-एक छात्र शामिल थे।

सूत्रों के मुताबिक, मोटेगांवकर आर्थिक रूप से मजबूत और पढ़ाई में औसत से बेहतर छात्रों को निशाना बनाता था। परिजनों से डील होने के बाद इन छात्रों को नियमित बैच में शामिल कराता था। परीक्षा से ठीक पहले अंतिम 15 दिनों में उन्हें 'वन-ऑन-वन मेंटरिंग कोर्स' के तहत पेपर के सवाल-जवाब रटवाए जाते थे। सीबीआई को इससे जुड़े कई वीडियो भी हाथ लगे हैं।

सीबीआई के अनुसार, मोटेगांवकर कई वर्षों से पुणे की ब्यूटीशियन मनीषा वाघमारे के जरिए प्रो.पीवी कुलकर्णी और मनीषा मांढरे जैसे लोगों के संपर्क में था। इस नेटवर्क की कड़ियां गुरुग्राम के यश यादव से होकर जयपुर के विकास बिवाल तक पहुंचती थीं, जिसे पेपर नासिक के शुभम खैरनार से मिला था। जांच एजेंसी को संदेह है कि पुणे नेटवर्क के माध्यम से लीक पेपर 15 लाख प्रति छात्र के हिसाब से बेचा गया। इसी क्रम में, सीबीआई ने 19 मई को नागपुर के सेंट्रल एवेन्यू और इतवारी इलाकों में दो छात्रों के घरों पर छापे मारे, जहां से मोबाइल फोन, लैपटॉप और हस्तलिखित नोट्स सहित कई डिजिटल उपकरण जब्त किए गए। इन छात्रों का भी मनीषा वाघमारे और केमिस्ट्री लेक्चरर पीवी कुलकर्णी से संपर्क होने के संकेत मिले हैं। इस बीच, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को नीट री-एग्जाम की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि 21 जून को परीक्षा को सुरक्षित, निर्बाध और पूरी तरह फुलप्रूफ बनाया जाए। उन्होंने पिछली परीक्षा प्रक्रिया की सभी खामियों को खत्म करने पर जोर दिया।

लोकतंत्र में विरोध के नाम पर हिंसा स्वीकार नहीं की जा सकती

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के सरकारी आवास के बाहर पुतला जलाने के मामले में आरोपितों को राहत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध के नाम पर हिंसा स्वीकार नहीं की जा सकती। कोर्ट ने आरोपितों की आरोपमुक्त किए जाने की याचिका खारिज करते हुए उनकी कार्रवाई को बेहद विघटनकारी गतिविधि करार दिया।

न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया ने कहा कि आरोपित जगदीप सिंह उर्फ जग्गा और अन्य लोगों ने केवल सड़क पर पुतला नहीं जलाया, बल्कि सुरक्षा कर्मियों के विरोध के बावजूद सड़क, फुटपाथ और सर्विस लेन पार कर जलते हुए हिस्सों को सुरक्षा कक्ष की छत पर फेंका। कोर्ट ने कहा कि इस तरह की हरकत को विरोध प्रदर्शन नहीं कहा जा सकता। अभियोजन के मुताबिक 21 जून 2022 को जेपी नड्डा के सरकारी आवास के बाहर आरोपित एकत्र हुए थे। उन्होंने नारेबाजी की और पुतला जलाया। आरोप है कि आरोपित जलते हुए पुतले को लकड़ी की मदद से उठाकर गेट और सुरक्षा कक्ष की छत की ओर फेंककर मौके से फरार हो गए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई, जिसकी फुटेज चार्जशीट का हिस्सा है। आरोपितों की ओर से कोर्ट में दलील दी गई कि घटना में किसी को चोट नहीं लगी और किसी की हत्या करने का इरादा भी नहीं था, इसलिए हत्या के प्रयास की धारा लागू नहीं होती है।

तमिलनाडु की सत्ता में 59 साल के बाद वापसी करेगी कांग्रेस, सीएम विजय की कैबिनेट में कल होगी शामिल

चेन्नई । तमिलनाडु की राजनीति में करीब छह दशक बाद बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय गुरुवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करने जा रहे हैं और इस विस्तार में कांग्रेस की सरकार में औपचारिक एंट्री लगभग तय मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस के दो विधायक मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। इस तरह करीब 59 साल बाद कांग्रेस तमिलनाडु की सत्ता में सीधे भागीदारी करती नजर आएगी।

सूत्रों के मुताबिक, टीवीके और कांग्रेस के बीच सत्ता में हिस्सेदारी को लेकर सहमति बन चुकी है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी संकेत दिए हैं कि पार्टी सरकार में शामिल होने जा रही है। लंबे समय तक द्रविड़ राजनीति के प्रभाव वाले तमिलनाडु में कांग्रेस ज्यादातर समय डीएमके या एआईएडीएमके के साथ गठबंधन में रही, लेकिन उसे कभी सरकार में जगह नहीं मिली। अब विजय सरकार में कांग्रेस की एंट्री को दक्षिण भारतीय राजनीति में बड़े बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है।

राजनीतिक जानकार मान रहे हैं कि यह कदम 2026 के चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। एक तरफ विजय अपनी सरकार को और मजबूत करना चाहते हैं, वहीं कांग्रेस दक्षिण भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है।

इस बीच टीवीके ने अपने अन्य सहयोगी दलों को भी सरकार में शामिल होने का न्योता दिया है। मंत्री आधव अर्जुना ने कहा कि मुख्यमंत्री चाहते हैं कि वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन भी मंत्रिमंडल का हिस्सा बनें। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के साथ भी बातचीत जारी है।

पीएम मोदी की तारीफ कर पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने विपक्ष में डाली फूट?

नई दिल्ली। वरिष्ठ राजनीतिज्ञ और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) गुट के प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं का समर्थन कर कहा है कि राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार कर देश के सम्मान को सर्वोपरि रखना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी तब आई है जब विपक्षी दल, खासकर कांग्रेस, पीएम मोदी की विदेशी यात्राओं की कड़ी आलोचना कर रहे हैं, लेकिन पवार के बयान से विपक्ष की एकता पर सवाल उठ खड़े हुए हैं।

एक कार्यक्रम में पवार ने स्पष्ट किया कि भले ही उनके राजनीतिक विचार अलग हों, लेकिन जब देश के बाहर भारत की प्रतिष्ठा की बात होती है, तब सभी को एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी भारत के बाहर देश की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं। हमारे राजनीतिक विचार अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन जब देश के सम्मान की बात आती है, तब राजनीतिक मतभेदों को बीच में नहीं लाना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि राष्ट्रीय हित में काम करने के मौके पर दलों को भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत करने के साझा उद्देश्य के साथ आना चाहिए। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) गुट के प्रमुख पवार ने पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी, पी.वी. नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह का उदाहरण दिया, जिन्होंने अपने नेतृत्व में देश के भविष्य और प्रतिष्ठा को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनकी यह टिप्पणी लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की चल रही पांच देशों की यात्रा की आलोचना करने के तुरंत बाद आई है। राहुल गांधी ने कहा था कि इस संकट के समय में प्रधानमंत्री मोदी लोगों से विदेश यात्रा न करने की अपील कर रहे हैं, जबकि वे स्वयं दुनिया घूम रहे हैं। एक प्रमुख विपक्षी नेता द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन में दिए गए बयान ने निश्चित रूप से समूचे विपक्ष की एकजुटता और साझा रणनीति पर नए सिरे से चर्चा छेड़ दी है, खासकर तब जब आगामी चुनावों के मद्देनजर विपक्षी मोर्चा बनाने की कवायद चल रही है।

महानायक बिल्कुल फिट, अस्पताल में भर्ती होने की खबरें निकलीं अफवाह

मुंबई। बीते मंगलवार को दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन के अस्पताल में भर्ती होने की खबरें सामने आई थीं, इस खबर ने उनके लाखों प्रशंसकों की चिंता बढ़ा दी थी। हालांकि, ताजा रिपोर्ट्स ने इन खबरों को कोरी अफवाह बताया है। दरअसल, अमिताभ बच्चन नियमित जांच के लिए नानावटी अस्पताल गए थे, न कि किसी आपातकालीन स्थिति के चलते भर्ती हुए थे। रिपोर्ट के अनुसार, एक सूत्र ने बताया कि बिग बी हर महीने नियमित चेकअप के लिए अस्पताल जाते हैं और जांच के बाद अपने घर लौट आते हैं। सूत्र ने पुष्टि की कि वे बिल्कुल ठीक हैं और अपने जुहू स्थित घर पर हैं। उन्हें जलसा से जनक तक गाड़ी चलाते भी देखा गया, जो उनकी सामान्य दिनचर्या का हिस्सा है।

शुभेंदु के पीए की हत्या में इस्तेमाल कार का मालिक निकला कॉन्ट्रैक्ट किलर ज्ञानेंद्र

बलिया। पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या में इस्तेमाल हुई कार का कनेक्शन यूपी के बलिया से जुड़ गया है। हत्या में इस्तेमाल निशान माइक्रा कार बलिया से खरीदी गई थी। सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी राज सिंह के साथी और कॉन्ट्रैक्ट किलर ज्ञानेंद्र सिंह मोनू ने यह कार खरीदी थी। बलिया के ही सत्यम सिंह से ज्ञानेंद्र सिंह उर्फ मन्नू ने 1 मई को 50 हजार रुपये में यह कार खरीदी थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बलिया के बांसडीह रोड के फुलवरिया गांव के रहने वाले सत्यम सिंह के पिता जितेंद्र सिंह ने कार का राज खोला और मीडिया को बताया कि उसने अक्टूबर महीने में उन्हीं के गांव के रहने वाले मिठू उर्फ दीपक ने यह कार उन्हें 35 हजार रुपए में दिलवाई थी फिर उसी कार को मिठू ने ही हिस्ट्रीशीटर ज्ञानेंद्र उर्फ मोनू को 50 हजार रुपए में 1 मई को दिलवा दी। कार के मालिक रहे जितेंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें नहीं पता था कि वह मोनू एक अपराधी है। उन लोगों ने कार खरीदने के बाद नाम ट्रांसफर करने की बात कहने पर कहा कि पहले गाड़ी बनवा लें फिर नाम ट्रांसफर करवा लेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक जितेंद्र सिंह ने कहा उसी सिलसिले में सीबीआई की टीम उनके घर पूछताछ करने आई थी कि गाड़ी किसे और कब बेची। मोनू को इस गैंग का सरगना बताया जा रहा है, जिसके घर सीबीआई की टीम ने छापेमारी की है लेकिन वह फरार है, जिसका लाइव वीडियो भी सामने आया है तो वहीं इसी हत्याकांड में मुजफ्फरनगर से गिरफ्तार राजकुमार सिंह इसी मोनू के गैंग का सदस्य है। दोनों की एक साथ की तस्वीरें भी सामने आई हैं। चंद्रनाथ रथ मर्डर मामले का यूपी के पूर्वांचल से कनेक्शन खुलकर सामने आ रहा है। सीबीआई और एसटीएफ टीम की छापे की यह लाइव तस्वीर बांसडीह थाना क्षेत्र के शीतल दवनी गांव की है। ज्ञानेंद्र एक कॉन्ट्रैक्ट किलर है।

मोदी ने इटली की पीएम मेलोनी को दी मेलोडी टॉफी- कूटनीति में घुली मिठास

सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा ये वीडियो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच देशों के दौरे का अंतिम चरण इटली में जाकर समाप्त हुआ, जहाँ अहम कूटनीतिक चर्चाओं के बीच बेहद खास और दिलकश लम्हा सामने आया। रोम में, प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी को पारले मेलोडी चॉकलेट का पैकेट भेंट किया, जिसकी एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। वीडियो को खुद पीएम मेलोनी ने अपने एक्स हैंडल पर साझा किया है, और दोनों नेताओं के बीच की गहरी दोस्ती और बेहतरीन केमिस्ट्री का सबूत बन गया है।

वायरल हुए सेल्फी वीडियो में प्रधानमंत्री मेलोनी और प्रधानमंत्री मोदी एक साथ नजर आ रहे हैं। मुस्कुराते हुए मेलोनी कहती हैं, प्रधानमंत्री मोदी मेरे लिए एक बहुत अच्छी टॉफी गिफ्ट लेकर आए हैं। उनके बयान के तुरंत बाद, पीएम मोदी कैमरे के सामने मेलोडी चॉकलेट का पैकेट दिखाकर बड़े ही मजाकिया अंदाज में मेलोडी! कहते हैं। इसके बाद दोनों नेता ठहाके लगाकर हंस पड़ते हैं। यह मजेदार और आत्मीय पल वैश्विक मंच पर दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच की सहजता और मैत्रीपूर्ण संबंधों को दिखाता है।

दरअसल, मेलोडी शब्द इंटरनेट और सोशल मीडिया पर खूब ट्रेंड हुआ है, जो इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उपनामों को जोड़कर बनाया गया है। मेलोनी+ मोदी = मेलोडी। इस शब्द ने पहली बार तब सुर्खियां बटोरी थीं, जब बीते वर्षों में दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। उस समय पीएम मेलोनी ने खुद एक सेल्फी वीडियो पोस्ट करते हुए कहा था, हैलो फ्रॉम द मेलोडी टीम। सोशल मीडिया यूजर्स ने दोनों की इस कूटनीतिक दोस्ती को मेलोडी नाम दिया था।

पीएम मोदी ने अब इसी वैश्विक सोशल मीडिया ट्रेंड का बड़े ही शानदार और मजाकिया अंदाज में जवाब देकर उन्हें सचमुच की मेलोडी टॉफी तोहफे में दे दी है। यह सिर्फ एक मीठा पल नहीं, बल्कि कूटनीतिक नजरिए से भी गहरे मायने रखता है। डिनर और रोम के ऐतिहासिक कोलोसियम के दौरे के साथ शुरू हुई पीएम मोदी की इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत और इटली के बीच व्यापार, रक्षा, तकनीक, स्वच्छ ऊर्जा और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) जैसे अहम प्रोजेक्ट्स पर अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना था। मेलोडी चॉकलेट का यह वाकया स्पष्ट रूप से दिखाता है कि भारत और इटली के कूटनीतिक रिश्ते अब केवल औपचारिक नहीं, बल्कि पहले से कहीं अधिक प्रगाढ़, मधुर और व्यक्तिगत सौहार्द से भरे हुए हैं, जो भविष्य के सहयोग के लिए एक मजबूत नींव तैयार करते हैं।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बिक्री पर आबकारी विभाग की कार्रवाई

दो मदिरा दुकानों पर 3.26 लाख रुपये से अधिक का लगाया जुर्माना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिले में निर्धारित अधिकतम विक्रय मूल्य से अधिक दर पर मदिरा बिक्री के मामलों में आबकारी विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। कटंगी एवं गर्रा स्थित कम्पोजिट मदिरा दुकानों पर कुल 3 लाख 26 हजार 743 रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई है। जिला आबकारी अधिकारी श्री अजीत एक्का ने बताया कि आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त कटंगी द्वारा 4 मई 2026 को कम्पोजिट मदिरा दुकान कटंगी-ए में आकस्मिक निरीक्षण एवं टेस्ट परचेस की कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान विदेशी मदिरा स्प्रिट आइकॉनिक व्हाइट व्हिस्की पाव (180 एमएल) को 230 रुपये में विक्रय किया जाना पाया गया, जबकि उसका निर्धारित एमआरपी 211 रुपये था। इस प्रकार प्रति बोतल 19 रुपये अधिक वसूली प्रमाणित हुई। मामले में लायसेंसी नॉरविच ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई। जवाब असंतोषजनक पाए जाने पर प्रथम अपराध मानते हुए 2 लाख 28 हजार 950 रुपये की शास्ति तथा अनुज्ञप्ति शर्तों के उल्लंघन पर 10 हजार रुपये का अतिरिक्त जुर्माना लगाया गया। इसी प्रकार आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त वारासिवनी द्वारा 29 अप्रैल 2026 को गर्रा स्थित कम्पोजिट मदिरा दुकान में निरीक्षण किया गया। यहां विदेशी मदिरा मेकडावल व्हिस्की पाव (180 एमएल) को 220 रुपये में विक्रय किया जाना पाया गया, जबकि निर्धारित एमआरपी 201 रुपये था। इस मामले में भी प्रति बोतल 19 रुपये अधिक वसूले जाने की पुष्टि हुई। प्रकरण में लायसेंसी स्मोकिन लिकर्स प्राइवेट लिमिटेड को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। प्रस्तुत जवाब समाधानकारक नहीं पाए जाने पर प्रथम अपराध मानते हुए 77 हजार 793 रुपये की शास्ति तथा अनुज्ञप्ति शर्तों के उल्लंघन पर 10 हजार रुपये का अतिरिक्त जुर्माना लगाया गया। आबकारी विभाग ने दोनों मामलों में प्रकरणों का शमन करते हुए भविष्य में निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर मदिरा विक्रय नहीं करने की सख्त चेतावनी दी है।

ई-फार्मेसी के विरोध में जिलेभर की 1300 मेडिकल दुकानें रही बंद, केमिस्टों का बड़ा प्रदर्शन

24 घंटे तक थोक और चिल्लर दवा व्यापार रहा प्रभावित, ऑनलाइन दवा बिक्री को बताया रोजगार और जनस्वास्थ्य के लिए खतरा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

देशभर में तेजी से बढ़ रही ई-फार्मेसी व्यवस्था के विरोध में 20 मई को बालाघाट जिले के मेडिकल व्यवसायियों ने बड़ा आंदोलन किया। बालाघाट मेडिकल एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर जिलेभर की लगभग 1300 मेडिकल दुकानें 24 घंटे तक पूरी तरह बंद रहीं। इस दौरान थोक दवा व्यापारी, मेडिकल संचालक और मेडिकल दुकानों में कार्यरत कर्मचारियों ने एकजुट होकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और ई-फार्मेसी को बंद किए जाने की मांग उठाई। मेडिकल व्यवसायियों का कहना है कि ऑनलाइन माध्यम से दवाओं की बिक्री लगातार बढ़ रही है, जिससे वर्षों से दवा व्यापार से जुड़े हजारों परिवारों की आजीविका प्रभावित हो रही है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सरकार पारंपरिक मेडिकल व्यवसायियों की समस्याओं की अनदेखी कर रही है और ई-फार्मेसी कंपनियों को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों की सुविधा के लिए ई-फार्मेसी को अनुमति दी गई थी, लेकिन महामारी समाप्त होने के बाद भी यह व्यवस्था लगातार जारी है। उनका कहना है कि अब यह स्थायी रूप लेती जा रही है, जिससे छोटे मेडिकल व्यवसाय आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।

एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुरेश सोनी और वाइस प्रेसिडेंट प्रियंक वर्मा के नेतृत्व में जिलेभर के मेडिकल व्यवसायियों ने बंद आंदोलन में भाग लिया। सुबह से ही शहर सहित तहसील स्तर तक अधिकांश मेडिकल दुकानें बंद रहीं। आंदोलन के दौरान मेडिकल व्यवसायी कालीपुतली चौक पर एकत्रित हुए, जहां धरना और प्रदर्शन किया गया। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों बालाघाट तहसीलदार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि ई-फार्मेसी पर सख्त नियंत्रण लगाया जाए या इसे पूरी तरह बंद किया जाए। व्यवसायियों का कहना था कि दवा कोई सामान्य वस्तु नहीं, बल्कि सीधे लोगों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ा विषय है, इसलिए इसकी बिक्री पर कठोर निगरानी जरूरी है। एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट प्रियंक वर्मा ने आरोप लगाया कि कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना उचित भौतिक सत्यापन के दवाओं की बिक्री कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक ही प्रिस्क्रिप्शन पर बार-बार दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे दुरुपयोग की आशंका बढ़ रही है। उनका कहना है कि एंटीबायोटिक और नियंत्रित दवाओं की आसान ऑनलाइन उपलब्धता भविष्य में एंटी-माइक्रोबियल रेसिस्टेंस जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकती है। मेडिकल व्यवसायियों ने यह भी चिंता जताई कि कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित फर्जी प्रिस्क्रिप्शन के जरिए दवाओं की खरीद संभव हो रही है। उनका कहना है कि स्थानीय मेडिकल दुकानों में फार्मासिस्ट मरीज से प्रत्यक्ष बातचीत कर दवा की पुष्टि करता है, जबकि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर यह निगरानी सीमित हो जाती है। एसोसिएशन ने बताया कि यह आंदोलन केवल बालाघाट तक सीमित नहीं था, बल्कि ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के आह्वान पर देशभर में दवा दुकानों का बंद रखा गया। संगठन लंबे समय से सरकार से ई-फार्मेसी के खिलाफ स्पष्ट नीति और सख्त कार्रवाई की मांग कर रहा है।

विभाग ने की यह वैकल्पिक व्यवस्थाएं

दूसरी ओर मरीजों को परेशानी न हो, इसके लिए जिला प्रशासन और खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने पहले से वैकल्पिक व्यवस्थाएं की थीं। जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर और जन औषधि केंद्रों में आवश्यक दवाओं का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया गया था। इस दौरान प्रमुख रूप से बालाघाट केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुरेश सोनी, जबलपुर जोन उपाध्यक्ष प्रियंक वर्मा, संदीप पिछोड़े, रिशु जायसवाल, अविरल चावड़ा, सचिन हीरावत, तारेन्द्र शरणागत, गिरीश कावड़े, डॉ. रमेश सेवलानी, सहित अन्य शामिल रहे।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन,
स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान,
शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि
सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

गोविंद पैलेस लॉन में हुई चोरी का खुलासा-आरोपी गिरफ्तार

सोने-चांदी के जेवरात सहित करीब 70 हजार रुपये का माल बरामद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली पुलिस ने त्वरित और सराहनीय कार्रवाई करते हुए गोविंद पैलेस लॉन में शादी समारोह के दौरान हुई चोरी की वारदात का सफल खुलासा कर आरोपी त्रिलोकचंद उर्फ सौरभ गजभिए 23 वर्ष देवी चौक बालाघाट निवासी को गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाली पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए हैं। जिनकी कीमत लगभग 70 हजार रुपये बताई जा रही है।

शादी समारोह के दौरान हुई थी चोरी

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी गुनेन्द्र कुमार बिसेन ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 15 मई की रात गोविंद पैलेस लॉन में आयोजित शादी के रिसेप्शन कार्यक्रम के दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने कमरे में रखे सूटकेस की चैन काटकर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी चोरी कर ली। चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग 75 हजार रुपये बताई गई थी।फरियादी की शिकायत पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 309/2026 धारा 303(2), 331(4) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

सीसीटीवी फुटेज से मिला सुराग- चोरी के जेवरात हुए जप्त

मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने शहर के विभिन्न मार्गों और संभावित रास्तों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों और फुटेज के आधार पर पुलिस ने संदेही की पहचान सुनिश्चित की।जांच के दौरान पुलिस ने त्रिलोकचंद उर्फ सौरभ गजभिये देवी चौक बालाघाट निवासी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने गोविंद पैलेस लॉन से चोरी करना स्वीकार कर लिया।पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए जेवरात बरामद किए हैं।जिनमें,एक जोड़ी चांदी की पायल,एक जोड़ी चांदी की बिछिया,एक जोड़ी सोने की टॉप्स शामिल हैं। बरामद मशरूका की कीमत लगभग 70 हजार रुपये आंकी गई है। कोतवाली पुलिस अब आरोपी से जिले में हुई अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। संभावना जताई जा रही है कि आरोपी अन्य मामलों में भी शामिल हो सकता है।

पुलिस टीम की रही सराहनीय भूमिका

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक संजय सिंह किरार के नेतृत्व में पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्रवाई में प्रधान आरक्षक गजेन्द्र माटे, रामकिशोर पटले, युल पटले, आरक्षक शेख शहजाद, कृष्ण कुमार धुर्वे तथा प्रधान आरक्षक नंदकिशोर टेकाम सहित थाना स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट